अनुक्रमणिका

क्रमांक	पाठ		पृष्ठ संख्या
1.	प्रमुख भौगोलिक तथ्य एवं परिभाषाएँ	–	11
2.	हमारा सौरमंडल : एक विहंगम् दृष्टि	–	13
3.	हमारी पृथ्वी : एक अवलोकन	–	19
4.	पृथ्वी तल के मंडल : एक नजर	–	22
5.	प्रमुख स्थानीय पवन : एक संक्षिप्त परिचय	–	26
6.	भारत का भूगोल	–	31
7.	भारत की जलवायु	–	34
8.	भारत के वनस्पति प्रदेश	–	35
9.	भारत की मिट्टियाँ	–	37
10.	भारत की नदियाँ	–	39
11.	नदी एवं उनकी सहायक नदियाँ	–	40
12.	बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ	–	41
13.	नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर	–	43
14.	भारत की प्रमुख झीलें	–	43
15.	भारत के प्रमुख जलप्रपात	–	44
16.	भारत के पर्वतीय नगर	–	44
17.	भारतीय राज्यों की राजधानी, भाषा एवं क्षेत्रफल	–	46
18.	राज्यों से सम्बन्धित लोकनृत्य	–	47
19.	भारतीय जनजातियाँ एवं उनके गृह राज्य	–	47
20.	भारतीय राज्य एवं संघीय प्रदेश : एक दृष्टि	–	48
21.	प्रमुख प्रदेशों के राजकीय पशु एवं पक्षी	–	79
22.	भारत के प्रमुख वन्यजीव अभ्यारण्य	–	79
23.	भारत के प्रमुख औद्योगिक शहर	–	81
24.	भारत के खनिज	–	83
25.	भारत के खनिज सम्पदा	–	85
26.	भारत के प्रमुख उद्योग	–	89
27.	भारत की कृषि	–	92
28.	प्रमुख फसल, फल एवं सब्जियों के उत्पत्ति केन्द्र	–	94
29.	भारतीय फसलें और उनके प्रमुख उत्पादक राज्य	–	95
30.	भारत में फलोत्पादक राज्य	–	96
31.	भारत के परिवहन	–	97
32.	भारत के संचार के साधन	–	104
33.	भारत के प्रमुख शोध संस्थान	–	105
34.	भारत के सर्वाधिक बड़ा, छोटा, लम्बा एवं ऊँचा	–	107
35.	प्रमुख भौगोलिक उपनाम	–	108
36.	विश्व भूगोल की एक झलक	–	112
37.	विश्व के महाद्वीप	–	122
38.	विश्व के प्रमुख प्रायद्वीप	–	123
39.	विश्व के महासागर	–	123

40. विश्व के प्रमुख सागर - 123
41. विश्व की प्रमुख खाड़ियाँ - 124
42. विश्व की प्रमुख नहरें - 124
43. विश्व की प्रमुख जलसन्धियाँ - 124
44. विश्व की प्रमुख नदियाँ - 125
45. नदियों के किनारे बसे विश्व के नगर - 127
46. विश्व की प्रमुख झीलें - 127
47. विश्व के प्रमुख जलप्रपात - 128
48. विश्व के प्रमुख द्वीप - 129
49. विश्व के प्रमुख पर्वत शिखर - 129
50. विश्व के प्रमुख पठार - 130
51. विश्व के प्रमुख रेगिस्तान - 131
52. विश्व के प्रमुख देशों की राजधानी एवं मुद्रा - 132
53. विश्व के प्रमुख फसल उत्पादक देश - 138
54. विश्व के प्रमुख खनिज उत्पादक देश - 139
55. विश्व के प्रमुख औद्योगिक देश - 140
56. विभिन्न वस्तुओं के आयातक एवं निर्यातक देश - 141
57. विश्व में सर्वाधिक बड़ा, छोटा, लम्बा एवं ऊँचा - 144
58. भारत में प्रथम - 147
59. महिलाओं में प्रथम - 149
60. विश्व में प्रथम महिला - 150
61. विश्व में प्रथम - 151
62. अंतरिक्ष में प्रथम - 152
63. महत्त्वपूर्ण दर्शनीय स्थल - 153
64. व्यक्तियों से सम्बन्धित स्थान - 156
65. महान् कार्यों से सम्बन्धित व्यक्ति - 156
66. प्रमुख व्यक्तियों के लोकप्रिय उपनाम - 157
67. प्रमुख वचन एवं नारे - 160
68. किसने क्या कहा ? - 161
69. रचना-रचनाकार - 162
70. महत्त्वपूर्ण पत्र, पत्रिकाएँ एवं उनके लेखक - 173
71. भारतीय समाचार पत्रों का विकास - 173
72. भारतीयों द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र - 175
73. लिपि की कहानी - 177
74. प्रागैतिहासिक काल - 178
75. हमारी प्राचीन सभ्यताएँ - 180
76. वैदिक युग की सभ्यता - 184
77. महाजनपदों का अभ्युदय - 187
78. जैन धर्म - 187
79. बौद्ध धर्म - 189
80. इस्लाम धर्म - 192

81. ईसाई धर्म – 194
82. मगध राज्य का उत्कर्ष – 195
83. सिकन्दर महान – 197
84. मौर्य साम्राज्य – 198
85. ब्राह्मण साम्राज्य – 204
86. विदेशी आक्रमणकारियों का भारत आगमन – 207
87. कुषाण राजवंश – 208
88. गुप्त साम्राज्य – 210
89. वर्धन साम्राज्य – 214
90. राजपूत राजवंशो का अभ्युदय – 216
91. दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश – 224
92. भारत पर अरबों का आक्रमण – 232
93. गजनी साम्राज्य – 234
94. गौर साम्राज्य – 236
95. गुलाम वंश – 236
96. खिलजी वंश – 241
97. तुगलक वंश – 244
98. सल्तनत कालीन प्रशासनिक व्यवस्था – 248
99. सैय्यद वंश – 249
100. बहमनी साम्राज्य – 251
101. विजयनगर साम्राज्य – 253
102. मध्यकाल में भारत आने वाले विदेशी यात्री – 255
103. मध्यकाल में प्रचलित धार्मिक आन्दोलन: सम्प्रदाय – 256
104. प्रमुख राजवंश, संस्थापक तथा राजधानी – 256
105. प्रमुख भारतीय शासक, वंश तथा उपाधि – 258
106. भारत के प्रमुख नगर एवं उनके संस्थापक – 259
107. प्राचीन नगरों एवं देशों के परिवर्त्तित नाम – 260
108. भारत के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल – 261
109. लोदी वंश – 264
110. मुगल साम्राज्य – 266
111. मुगलकालीन राजस्व व्यवस्था – 286
112. मुगलकालीन वास्तुकला – 288
113. मुगलकालीन चित्रकला – 290
114. मुगलकालीन शिक्षा – 291
115. मुगलकाल में साहित्य – 293
116. मराठा साम्राज्य – 295
117. उत्तरवर्ती मुगल शासकों से सम्बन्धित तथ्य – 297
118. यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियाँ – 299
119. बंगाल में कम्पनी शासन की स्थापना – 301
120. ब्रिटिश साम्राज्य के गवर्नर जनरल एवं वायसराय – 302
121. ब्रिटिश प्रशासक : महत्वपूर्ण तथ्य – 304

122. भारतीय शिक्षा व्यवस्था का विकास - 311
123. 1857 का विद्रोह : एक संक्षिप्त परिचय - 313
124. महत्वपूर्ण विद्रोह : एक नजर - 313
125. भारत का मुक्ति संग्राम : महत्वपूर्ण तथ्य - 314
126. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस : एक नजर - 322
127. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : महत्वपूर्ण तथ्य - 325
128. भारत के महान शहीद - 327
129. महत्वपूर्ण संस्थाएँ, स्थापना वर्ष एवं संस्थापक - 330
130. आदर्श वस्तुनिष्ठ प्रश्न एवं उनके उत्तर - 332
131. सामाजिक -धार्मिक सुधार आन्दोलन - 338
132. विश्व इतिहस की एक झलक - 340
133. संयुक्त राष्ट्रसंघ - 364
134. प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की स्थापना एवं उद्धेश्य - 366
135. प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठन और उनके मुख्यालय - 369
136. अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएँ - 370
137. प्रमुख राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवस - 370
138. संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आयोजित वर्ष - 373
139. संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय दशक - 373
140. भारत के राष्ट्रीय प्रतीक - 374
141. भारतीय संविधान सभा एवं प्रस्तावना - 375
142. भारतीय संविधान के विदेशी स्त्रोत - 378
143. भारतीय संविधान के भाग एवं सम्बन्धित विषय - 379
144. भारतीय संविधान की अनुसूचियाँ - 379
145. भारतीय संविधान की सूचियाँ - 380
146. भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण अनुच्छेद - 381
147. भारतीय निर्वाचन व्यवस्था - 387
148. नागरिक जीवन - 388
149. न्यायपालिका - 396
150. राज्य की कार्यपालिका - 399
151. संघीय कार्यपालिका - 402
152. संघीय संसद - 404
153. भारतीय राजव्यवस्था - 410
154. महत्वपूर्ण शब्दावली - 412
155. संविधान के प्रमुख संशोधन - 415
156. प्रमुख राष्ट्रीय आयोग , संगठन, प्राधिकरण - 418
157. भारत की प्रतिरक्षा - 424
158. पदक, सम्मान और पुरस्कार - 427
159. भारत के प्रमुख वाद्य एवं उनके वादक - 433
160. भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ - 434
161. भारत की पंचवर्षीय योजनाएँ - 435
162. महत्वपूर्ण आर्थिक शब्दावली - 436

163. प्रमुख चिह्न और प्रतीक – 439
164. प्रमुख देशों के राष्ट्रीय चिह्न – 440
165. प्रमुख देश और उसके राष्ट्रीय स्मारक – 440
166. प्राचीन विश्व के प्रमुख आश्चर्य – 440
167. प्रमुख देशों के संसद के नाम – 441
168. प्रमुख देश के सरकारी दस्तावेज – 441
169. प्रमुख देशों की गुप्तचर संस्थाएँ – 442
170. प्रमुख देशों के समाचार एजेंसियाँ – 443
171. विभिन्न देशों के राष्ट्रीय खेल – 443
172. ओलंपिक खेल, स्थान एवं तिथियाँ – 443
173. विश्व कप फुटबॉल : आयोजन एवं परिणाम – 446
174. विश्व कप क्रिकेट : आयोजन एवं परिणाम – 447
175. खेल और खिलाड़ी – 448
176. खेल परिसर के नाम – 450
177. प्रमुख खेल मैदान व स्थान – 451
178. विभिन्न खेलों में प्रत्येक पक्ष के खिलाड़ियों की संख्या – 451
179. खेल से सम्बन्धित कप और ट्रफियाँ – 452
180. मानव शरीर और शरीर क्रिया विज्ञान – 453
181. आहार में पोषक तत्वों के स्रोत, कार्य और कमी के लक्षण – 462
182. महत्त्वपूर्ण विटामिन, स्रोत एवं कमी से होने वाले रोग – 463
183. परजीवियों द्वारा उत्पन्न होने वाले प्रमुख रोग – 464
184. जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न होने वाले प्रमुख रोग – 464
185. वाइरसों द्वारा उत्पन्न होने वाले प्रमुख रोग – 465
186. हेलमिन्थ द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग – 466
187. जीव विज्ञान सम्बन्धी शब्दावली – 466
188. पौधों का वर्गीकरण – 467
189. पौधों के रूपान्तरण – 467
190. वनस्पति विज्ञान से संबंधित मूल तथ्य – 469
191. फल एवं उनके खाने योग्य भाग – 473
192. रसायन विज्ञान सम्बन्धी शब्दावली – 474
193. रसायन विज्ञान के महत्त्वपूर्ण तथ्य – 476
194. यौगिकों के प्रचलित एवं रसायनिक नाम तथा सूत्र – 477
195. धातु के प्रमुख अयस्क एवं उनके सूत्र – 478
196. तत्वों व यौगिकों का उपयोग–एक दृष्टि – 479
197. आविष्कार एवं उनके आविष्कारक – 483
198. प्रमुख वैज्ञानिक उपकरण एवं उनके कार्य – 487
199. प्रमुख भौतिक राशियाँ एवं उनके मात्रक – 489
200. उर्जा का रूपान्तरण – 491
201. भौतिक विज्ञान सम्बन्धी शब्दावली – 491
202. भौतिकी के महत्त्वपूर्ण नियम व सिद्धांत – 493
203. भौतिक विज्ञान के महत्त्वपूर्ण तथ्य – 495

1. प्रमुख भौगोलिक तथ्य एवं परिभाषाएँ

भूगोल अंग्रेजी भाषा के Geography (ज्योग्रैफी) शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है। Geography दो यूनानी शब्दों से मिलकर बना है-Geo= पृथ्वी तथा Graphy= वर्णन अर्थात् पृथ्वी का वर्णन।

"भूगोल एक ऐसा स्वतंत्र विषय है, जिसका उद्देश्य लोगों को इस भूमण्डल का, आकाशीय पिण्डों का स्थल, महासागर, जीव-जन्तुओं, वनस्पतियों तथा पृथ्वी के भू-भागों में देखी जाने वाली प्रत्येक अन्य वस्तु का ज्ञान प्राप्त कराना है।" भूगोल के दो प्रमुख शाखाएँ हैं-(1)भौतिक भूगोल (2)मानव भूगोल ।

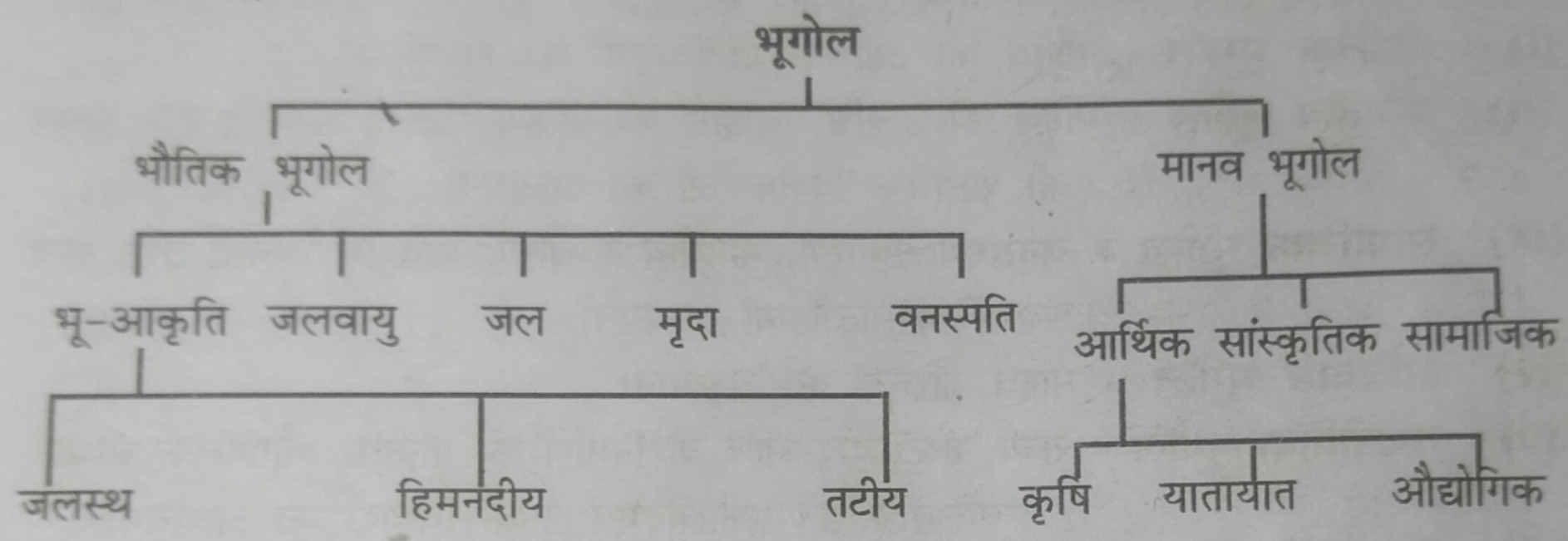

1. भौतिक भूगोल - इसके अन्तर्गत ब्रह्माण्ड, सौरमण्डल की उत्पत्ति, सूर्य, पृथ्वी सहित विभिन्न ग्रह, उपग्रह, ग्रहों एवं उपग्रहों का संबंध, चट्टानों की संरचना, पहाड़, पठार, मैदान, भूरक्षण, निक्षेपण, अपरदन, जल, पवन, हिमानी, वायुमण्डल, मौसम, ऋतु-परिवर्तन, जलवायु, महासागरीय तल एवं संरचना, तापक्रम, लवणता, समुद्री-निक्षेपण, धाराएँ, ज्वार-भाटा, हिमनद, मिट्टी, वनस्पति आदि का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाता है। भौतिक भूगोल की निम्नलिखित शाखाएँ हैं-

(i) **भू-आकृति विज्ञान** - पृथ्वी के धरातल के स्थलमण्डल के उच्चावचनों का अध्ययन।

(ii) **जलवायु विज्ञान** - पृथ्वी के चारों ओर फैले वायुमंडल के संघटन, तापीय विशेषता तथा गतियों का अध्ययन।

(iii) **पर्यावरण भूगोल** - हमारे चारों तरफ से वातावरण के समस्त संघटकों का अध्ययन।

(iv) **जैव भूगोल** - धरातल पर पाए जाने वाले जीवों का अध्ययन।

(v) **भूकम्प विज्ञान** - पृथ्वी के भीतर तथा धरातल के ऊपर होने वाले भूकम्पों के कारण तथा वितरण क्षेत्र एवं प्रभाव का अध्ययन।

(vi) **ज्वालामुखी विज्ञान** - ज्वालामुखी के उद्गारों, उसकी प्रकृति, वितरण क्षेत्र तथा प्रभाव का अध्ययन।

(vii) **समुद्र विज्ञान** - धरातल के लगभग 71% भाग पर फैले महासागरों/सागरों की विशेषताएँ तथा-लवणता, तापमान, महासागरीय निक्षेप एवं जलीय गतियों का अध्ययन।

(viii) **झील विज्ञान** - झीलों की उत्पत्ति, स्वरूप, लवणता तथा निक्षेप आदि का अध्ययन।
(ix) **मृदा विज्ञान** - मिट्टी की संरचना, निर्माण प्रक्रिया तथा अन्य विशेषताओं का अध्ययन।
(x) **गुफा विज्ञान** - धरातल के स्थलीय भाग पर बनी गुफाओं का अध्ययन।
(xi) **चट्टान विज्ञान** - चट्टानों की संरचना, उसमें उपस्थित खनिज एवं उसके गुण-दोषों का अध्ययन।

2. **मानव भूगोल** - भूगोल का वह अंग है जिसके अन्तर्गत पार्थिव तथा प्राकृतिक परिस्थितियों और मानव के कार्यकलापों के पारस्परिक संबंध का अध्ययन करते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों का प्रभाव मानव जाति और समाज पर अत्यधिक पड़ता है। इसी को मानव भूगोल कहते हैं। मानव भूगोल की निम्नलिखित शाखाएँ हैं-

(i) **आर्थिक भूगोल** - मानव की आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन।
(ii) **प्रजातीय भूगोल** - मानव की उत्पत्ति, विकास की प्रक्रिया उसकी संस्कृति तथा मानव की शारीरिक विशेषताओं का अध्ययन।
(iii) **सामाजिक भूगोल** - जनसंख्या वितरण, मानवीय सम्बन्धों, मानवीय विचारों तथा अन्य सामाजिक तत्वों का अध्ययन।
(iv) **अधिवास भूगोल** - मानव बस्तियों का अध्ययन।
(v) **राजनीतिक भूगोल** - राज्य, राष्ट्र, देश आदि के निर्माण की प्रक्रिया, भौगोलिक सीमाएँ, प्रचलित शासन प्रणाली एवं उनके विवादों का अध्ययन।
(vi) **ऐतिहासिक भूगोल** - किसी देश की ऐतिहासिक घटनाओं का उसके भूगोल पर पड़े प्रभाव का अध्ययन।
(vii) **सामरिक भूगोल** - युद्ध के विस्तृत क्षेत्रों, कारणों, साधनों तथा किसी राष्ट्र की सामरिक (सैन्य) शक्ति का अध्ययन।
(viii) **चिकित्सा भूगोल** - व्याधियों के भौगोलिक कारण और उनके उपचारों का अध्ययन।
(ix) **निर्वाचन भूगोल** - राजनीतिक भूगोल की एक शाखा है। इसके अन्तर्गत विभिन्न देशों की चुनाव प्रक्रिया का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाता है।

★ **ब्रह्माण्ड (Cosmos)** - ब्रह्माण्ड वह अनन्त आकाश है, जिसमें तारामण्डल, ग्रह, उपग्रह, एवं अन्य आकाशीय पिण्ड स्थित हैं। अर्थात् पृथ्वी, वायु , आकाश और जिस वातावरण में मानव जीवन है, वही ब्रह्माण्ड है। सामान्यतः ब्रह्माण्ड के दो भाग हैं- (i) वायुमण्डल (ii) अंतरिक्ष।

(i) **वायुमण्डल (Atmosphere)** - गैस, जलवाष्प तथा धूलकण का आवरण जो पृथ्वी के चारों ओर सैकड़ों किलोमीटर तक बाहरी भाग को ढके हैं, वायुमण्डल कहलाते हैं। इसमें नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, कार्बन डाय-ऑक्साइड, हीलियम, आर्गन गैसें, जलवाष्प और धूलकण आदि प्रमुख हैं।

(ii) **अंतरिक्ष (Space)** - पृथ्वी के वायुमंडल के परे दिक्कालीय विस्तार को अंतरिक्ष कहते हैं। अर्थात् ब्रह्माण्ड का वह भाग जो पृथ्वी के वायुमण्डल की सीमा के बाहर हैं, अंतरिक्ष कहलाते हैं। पृथ्वी के अलावे अन्य सभी ग्रह, उपग्रह(चन्द्रमा सहित), तारामण्डल व आकाशीय पिण्ड अंतरिक्ष में ही स्थित हैं।

2. हमारा सौरमंडल : एक विहंगम् दृष्टि

★ **सूर्य (Sun)**- ब्रह्माण्ड के असंख्य तारों में से दहकती गैसों का एक विशाल पिण्ड जो पृथ्वी के सबसे निकट है सूर्य कहलाते हैं। यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा तथा ऊर्जा का अक्षुण्ण स्रोत है (इसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन अणु के संयोजन से उत्सर्जित ऊर्जा) । इसकी सतह का तापमान 6000°c है। सूर्य के कोर का तापक्रम 1,36,00,000°c होती है। यह पृथ्वी से 14.96 करोड़ किमी॰ दूर है। इसका व्यास -13,92,000 किमी॰, आयतन पृथ्वी से -1,300,000 गुणा, द्रव्यमान पृथ्वी से 3,32,000 गुणा, पूर्ण दृश्यमान सीमा-47.5 लाख किमी॰, घूर्णन गति-25.38 दिन भूमध्य रेखा पर तथा 33 दिन ध्रुवों पर, आयु लगभग-5 अरब वर्ष, सामान्य तारों का अनुमानित जीवन काल-लगभग 10 अरब वर्ष है।

★ **सौरमण्डल (Solar System)**- सूर्य के चारों ओर अण्डाकार मार्गों के सहारे उसकी परिक्रमा करने वाले ग्रहों, उपग्रहों, असंख्य पुच्छल तारों, उल्काओं, क्षुद्रग्रहों आदि के सम्मिलित समूह को सौरमण्डल कहते हैं।

★ **ग्रह (Planet)**- तारे की परिक्रमा करने वाले प्रकाश रहित आकाशीय पिण्ड, जो कि अपने केन्द्रवर्ती तारे के प्रकाश से ही प्रकाशित होते हैं, ग्रह कहलाते हैं।

★ **उपग्रह (Satellite)**- ग्रहों का चक्कर लगाने वाले लघु आकार के आकाशीय पिण्ड को उपग्रह कहते हैं।

★ **क्षुद्र ग्रह (Asteroids)**- मंगल तथा वृहस्पति ग्रहों की कक्षा के बीच चक्कर लगाने वाले अत्यंत लघु आकार के आकाशीय पिण्डों को क्षुद्र ग्रह कहते हैं।

★ **तारा (Stars)** - वह विशाल खगोलीय पिण्ड, जिनके पास स्वयं का प्रकाश होता है और जो अत्यधिक ऊर्जा एवं अन्य किरणों का विसर्जन करते हैं, तारे कहलाते हैं।

★ **पुच्छल तारे (Comets)**- सूर्य के चतुर्दिक लंबी किन्तु अनियमित कक्षा में घूमने वाले गैसीय पिण्ड जब ये सूर्य के निकट से गुजरते हैं, तब गर्म होकर इनसे गैसों की फुहार निकलती है, जो एक लम्बी चमकीली पूँछ के समान प्रतीत होती है। इसे ही धूमकेतु या पुच्छल तारा कहते हैं। ये सूर्य से दूर ठण्ढे अंधेरे क्षेत्र में रहते हैं।

★ **ध्रुव तारा (Pole Star)** - आकाश में उत्तरी ध्रुव के सिरे बिदु पर दिखाई देने वाला एक स्थिर तारा जिसके द्वारा उत्तरी गोलार्द्ध में किसी भी स्थान से वास्तविक उत्तर ज्ञात किया जा सकता है, ध्रुव तारा कहलाता है।

★ **उल्का (Meteors)**- वह आकाशीय कण जो पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने पर घर्षण से प्रज्वलित हो उठती हैं, और पृथ्वी तक पहुँचने से पूर्व ही जलकर राख हो जाती है, उल्का कहलाते हैं।

★ **राशियाँ** - पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करते समय अनेक नक्षत्र समूह (तारा समूह -राशियाँ)में होकर गुजरती है। इनके आकार विभिन्न हैं। मनुष्य ने अपनी कल्पना के अनुसार विभिन्न नाम रखे हैं। जैसे - मछली व बिच्छु के समान दिखने वाले नक्षत्र समूह को क्रमशः मीन व वृश्चिक कहते हैं। भारत में इन्हें राशियाँ कहते हैं। इनकी संख्या 12 है। प्रत्येक राशि

को पार करने में पृथ्वी को एक महीना लगता है। मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला,वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ और मीन ।

★ **नक्षत्र** (Star groups)- पृथ्वी के चारों ओर लगभग 27 तारा समूह हैं जो रात्रि को आकाश में दिखाई पड़ते हैं। चन्द्रमा पृथ्वी की परिक्रमा $27^1/_3$ दिन में पूरा करता है, इस दौरान वह किसी न किसी नक्षत्र या तारा समूह के सामने से गुजरता है जिससे उस दिन वह नक्षत्र नहीं दिखाई पड़ता है। चन्द्रमा प्रत्येक दिन एक-एक नक्षत्र पार कर लेता है। इन नक्षत्रों के नाम- अश्विनी, भरणी, कृतिका, रोहिणी, मृगसिरा, आद्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, अश्लेषा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वा, हस्त, चित्रा, आषाढ़, श्रवण, घनिष्ठा, शक्तिभिषा, पूर्वाभाद्र, उत्तरा भद्राषढ़, रेवती, फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी आदि। पृथ्वी इनमें से प्रत्येक नक्षत्र को लगभग 14 दिनों में पार कर लेती है, इसलिए नक्षत्रों की अवधि 14 दिनों की होती है।

★ **आकाश गंगा** (The Milky way) - आकाश गंगा असंख्य तारों का एक विशाल पुंज है। एक-एक तारक पुंज या आकाश गंगा में करोड़ों तारे अवस्थित रहा करते हैं। । पृथ्वी पर से नदी के समान आकाश में एक क्षितिज से दूसरे क्षितिज तक दिखाई पड़ने वाली चौड़ी चमकीली पट्टी को आकाश गंगा कहते हैं। हमारा सौर परिवार आकाश गंगा का सदस्य है।

★ **चन्द्र ग्रहण** (Lunar Eclipse) - जब चन्द्रमा तथा सूर्य के मध्य पृथ्वी आ जाती है तो चन्द्रमा के कुछ भाग पर पृथ्वी की छाया पड़ती है जिसमें वह भाग दिखाई नहीं देता है इसे ही चन्द्र ग्रहण कहते हैं । ऐसा केवल पूर्णिमा को ही होता है, परन्तु यह प्रत्येक पूर्णिमा को नहीं होता । पृथ्वी तथा चन्द्रमा की घूर्णन अक्षों के झुकावों में आपेक्षिक अन्तर होने के कारण प्रत्येक पूर्णिमा को ग्रहण की स्थिति नहीं बन पाती है ।

★ **सूर्य ग्रहण** (Solar Eclipse) - जब सूर्य और पृथ्वी के मध्य चन्द्रमा आ जाता है तो पृथ्वी के कुछ भाग पर चन्द्रमा की छाया पड़ती है, वहां के मनुष्यों को सूर्य का कुछ भाग दिखाई नहीं देता है । इसे ही सूर्य ग्रहण कहते हैं । जब अमावस्या को चन्द्रमा, पृथ्वी तथा सूर्य के केन्द्र एक सीधी रेखा पर होते हैं तो ऐसा होता है। परन्तु चन्द्रमा की कक्षा के तल के झुकाव के कारण प्रत्येक अमावस्या को ऐसी स्थिति नहीं बन पाती है।

★ **चन्द्रमा** (Moon) - जिस तरह पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है, उसी तरह चन्द्रमा (पृथ्वी का उपग्रह) भी पृथ्वी का चक्कर लगाता है। इसका पथ अण्डाकार है। इसका व्यास पृथ्वी के व्यास का 1/4 अर्थात् 3475 किमी॰ है। पृथ्वी से इसकी दूरी 3,84,365 किमी॰ है। इसका गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी का 1/6 भाग है। चन्द्रमा पर दिन का अधिकतम तापमान 100° सेल्सियस तथा रात्रि का न्यूनतम तापक्रम 180° सेल्सियस, घनत्व (पानी के सापेक्ष) 3.34 तथा घनत्व (पृथ्वी के सापेक्ष)-0.6058 होती है। चन्द्रमा में उपस्थित प्रमुख तत्व-सिलिकन, लोहा, मैग्नीशियम तथा चन्द्रमा के उच्चतम पर्वत की ऊँचाई-35000 फीट है। लिंब-निट्ज पर्वत चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित है। चन्द्रमा में अपना प्रकाश नहीं है, और यह भी सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित होता है। रात्रि में दिखने वाली चन्द्र किरणें वास्तव में सूर्य की परावर्तित किरणें हुआ करती हैं। चन्द्रमा को पृथ्वी की परिक्रमा करने में $27^1/_3$ (अर्थात् 27 दिन 7 घंटे 43 मिनट और 11.47 सेकेण्ड) दिन लग जाते हैं। चन्द्रमा के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने में केवल 1.3 सेकेण्ड लगते हैं।

★ **प्रकाश वर्ष** (Light Year) – आकाशीय पिण्डों की दूरी मापने की इकाई है। एक प्रकाश वर्ष का अर्थ है एक साल में प्रकाश द्वारा तय की गई दूरी। प्रकाश की गति लगभग 3 लाख किमी॰ प्रति सेकेंड होती है। 1 प्रकाशवर्ष = 9.608×10^{12} कि.मी.

स्मरणीय तथ्य

★ सर्वाधिक तीव्र गति से घूर्णन करने वाला ग्रह – वृहस्पति
★ सबसे कम गति से घूर्णन करने वाला ग्रह – शुक्र
★ सर्वाधिक परिभ्रमण गति वाला ग्रह – बुध
★ सबसे कम परिभ्रमण गति वाला ग्रह – प्लूटो
★ साझ तथा भोर का तारा कहा जाने वाला ग्रह – शुक्र
★ सौरमण्डल का सबसे चमकीला ग्रह – शुक्र
★ सर्वाधिक गर्म ग्रह – शुक्र
★ सर्वाधिक ठंढ़ा ग्रह – प्लूटो
★ पृथ्वी के पड़ोसी ग्रह – शुक्र और मंगल
★ लाल तारा कहा जाने वाला ग्रह – मंगल
★ 'पृथ्वी की बहन' कहा जाने वाला ग्रह – शुक्र
★ सौन्दर्य का देव – शुक्र
★ विशाल लाल धब्बे वाला ग्रह – वृहस्पति
★ सबसे अधिक भारी ग्रह – वृहस्पति
★ जीवाश्म ग्रह के रूप में जाना जानेवाला ग्रह – चन्द्रमा
★ 'नीला ग्रह' (जल की उपस्थिति के कारण) कहा जाता है –पृथ्वी
★ 'लेटा हुआ ग्रह ' कहा जानेवाला ग्रह – यूरेनस
★ पृथ्वी का एक मात्र स्वाभाविक उपग्रह – चन्द्रमा
★ लगभग समान आकार होने के कारण जुड़वा ग्रह के नाम से जाने वाला ग्रह – पृथ्वी और शुक्र
★ किस दो ग्रहों की घूर्णन दिशा पूर्व से पश्चिम है – शुक्र और यूरेनस
★ सूर्य और चन्द्रमा के प्रकाश को पृथ्वी तक आने में लगा समय कितना है – क्रमशः 8 मिनट एवं 1.25 सेकेण्ड
★ आकार की दृष्टि से सबसे बड़ा एवं छोटा ग्रह कौन है – क्रमशः वृहस्पति और बुध
★ सूर्य से निकटता की दृष्टि से सबसे निकटस्थ एवं दूरस्थ ग्रह कौन है – क्रमशः बुध और प्लूटो
★ पृथ्वी का सबसे निकटस्थ तारा सूर्य है इसके पश्चात् प्रोक्सिमा सेंचुरी है, प्रोक्सिमा का प्रकाश पृथ्वी तक आने में कितने समय लगता है – 4.5 वर्ष
★ ब्रह्माण्ड का सबसे चमकीला तारा कौन है – डॉग स्टार (साइरस)
★ किस ग्रह का झुकाव एवं घूर्णन अवधि पृथ्वी के झुकाव एवं घूर्णन अवधि के समान

है - मंगल ग्रह
★ ग्रहों में सर्वाधिक औसत घनत्व किस ग्रह का है - पृथ्वी
★ एक कलेण्डर वर्ष में अधिकतम कितने ग्रहण हो सकते हैं- 7
★ सूर्य ग्रहण की घटना वर्ष में अधिकतम कितनी हो सकती है- 5
★ चन्द्रमा का घूर्णन अवधि एवं परिभ्रमण अवधि समान है, वह कितने दिनों का है - 27.32 दिन
★ सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण सदैव किस दिन आते हैं- क्रमशः अमावस्या और पूर्णिमा
★ सर्वाधिक उपग्रह किस ग्रह के पास है - शनि (23 छल्ला सहित)
★ किस ग्रह का कोई उपग्रह नहीं है - बुध और शुक्र
★ 'कासिनी' कृत्रिम उपग्रह को किस ग्रह के अध्ययन के लिए भेजा गया है- शनि
★ सौर मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह गेनीमेड किस ग्रह का है - वृहस्पति
★ हरा ग्रह के नाम से कौन सा ग्रह जाना जाता है - यूरेनस (अरुण)
★ कौन ग्रह यूरेनस के जुड़वा ग्रह के नाम से जाना जाता है और भूरा ग्रह के नाम से प्रसिद्ध है - नेप्च्यून (वरुण)
★ 1978 से 1999 तक सूर्य से सबसे दूर कौन सा ग्रह था - नेप्च्यून

ग्रहों का संक्षिप्त परिचय

★ सूर्य से दूरी के अनुसार ग्रहों की स्थिति -- बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, वृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून तथा प्लूटो।

★ आकार के अनुसार ग्रहों का क्रम (बड़ा से छोटा)है--वृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून, पृथ्वी, शुक्र, मंगल, बुध, और प्लूटो ।

★ पृथ्वी से दूरी के अनुसार ग्रहों की स्थिति--शुक्र, मंगल, बुध, वृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून और प्लूटो ।

★ बुध, शुक्र पृथ्वी तथा मंगल को सौर मण्डल का 'आन्तरिक ग्रह' कहा जाता है।

★ वृहस्पति , शनि, यूरेनस, नेपच्यून तथा प्लूटो को सौरमण्डल का 'बाह्य ग्रह ' कहा जाता है।

1. वृहस्पति (Jupiter)-यह सौर मण्डल का सबसे बड़ा तथा सूर्य से पाँचवां ग्रह है। इसका द्रव्यमान सौरमण्डल के कुल ग्रहों का 71 प्रतिशत एवं आयतन डेढ़ गुणा है। वृहस्पति के वायुमण्डल में मुख्यतः हाइड्रोजन, हीलियम, मिथेन और अमोनिया है। सूर्य से बहुत दूर होने के कारण वृहस्पति को पृथ्वी की अपेक्षा सूर्य की रोशनी का 27वाँ भाग ही प्राप्त होता है। इसका वायुमण्डल अत्यंत ठण्डा होता है। अब तक वृहस्पति के 16 उपग्रह खोजे जा चुके हैं। गेनीमेड, कैलिस्टो, आयो आदि प्रमुख हैं। गेनीमेड न केवल वृहस्पति का अपितु सौरमण्डल का सबसे बड़ा उपग्रह है। वृहस्पति का व्यास--1,41,968 किमी०। सूर्य से औसत दूरी--77.28 करोड़ किमी०। सूर्य के परिभ्रमण की अवधि --11.9 वर्ष।

2. शनि (Saturn) - यह आकार में दूसरा बड़ा और सूर्य से छठा ग्रह है। शनि पृथ्वी से 700 गुणा बड़ा है। इसके उपग्रहों की संख्या 22 है। टिटॉन शनि का सबसे बड़ा उपग्रह है

जो आकार में बुध के समान है। टिटॉन पर वायुमण्डल और गुरुत्वाकर्षण दोनों है। अन्य प्रमुख उपग्रह-मीमास, एनसीलाडु, टेथिस, डी ऑन, रीया, हाइपेरियन, इयापेटस और फेबस हैं। शनि के चारों ओर वलय या कुंडली दिखाई पड़ती है। यह वलय 65 से 80 किमी॰ मोटी है। शनि पर मुख्यतः हाइड्रोजन हीलियम तथा कुछ अंश मिथेन और अमोनिया पाई जाती है। सूर्य प्रकाश का केवल 1/100 वाँ भाग ही शनि पर पड़ता है। शनि का व्यास--1,19,296 किमी॰। सूर्य से औसत दूरी -141.76 करोड़ किमी॰ । सूर्य के परिभ्रमण की अवधि --29.5 वर्ष।

3. **अरुण अथवा यूरेनस (Uranus)** - यह सौर परिवार का तीसरा बड़ा एवं सूर्य से सातवां ग्रह है। यह पृथ्वी से 64 गुणा बड़ा है। यूरेनस पृथ्वी से अत्यधिक दूर होने के कारण इसे दूरबीन की सहायता से ही देखना संभव है। दूरबीन से देखने पर यह हरा दिखाई पड़ता है। इसका वायुमण्डल घना है, जिसमें हाइड्रोजन, हीलियम, मिथेन और अमोनिया पाई जाती है। यह अपने अक्ष के सापेक्ष पूर्व से पश्चिम की ओर घूमता है जबकि अन्य ग्रह पश्चिम से पूर्व की ओर घूमते हैं। इसी विशेषता के कारण यहाँ सूर्योदय पश्चिम दिशा में तथा सूर्यास्त पूर्व दिशा में होता है। यूरेनस पर दिन लगभग 11 घंटो का होता है। इसके उपग्रहों की संख्या 15 है । एरियल, अम्ब्रियल, टिटेनिया, ओबेरॉन, मिराण्डा आदि प्रमुख है। । यूरेनस का व्यास--52,096 किमी॰। सूर्य से औसत दूरी--287.00 करोड़ किमी॰ । सूर्य के परिभ्रमण की अवधि --84 वर्ष।

4. **वरूण (Neptune)** - यह सौर परिवार का चौथा बड़ा जो पृथ्वी से 47 गुणा बड़ा एवं सूर्य से आठवाँ ग्रह है। नेपच्यून हल्का पीला दिखाई देता है। नेपच्यून के 8 उपग्रह हैं। पहला ट्राइटन है जो आकार में चन्द्रमा से बड़ा है तथा नेपच्यून की सतह से अधिक निकट है। दूसरा उपग्रह मेरीड तथा शेष अन्य उपग्रहों का अस्थाई नाम N-1, N-2, N-3, N-4, N-5 और N-6 है। नेपच्यून का व्यास - 49,500 किमी॰। सूर्य से औसत दूरी - 449.66 करोड़ किमी॰। सूर्य के परिभ्रमण की अवधि-164.8 वर्ष।

5. **पृथ्वी (Earth)** - यह सौर परिवार का पाँचवा बड़ा एवं सूर्य से तीसरा ग्रह है। पृथ्वी शुक्र व मंगल के मध्य स्थित ग्रह है। पृथ्वी ही एक मात्र ग्रह है, जहाँ जीवन है। ऑक्सीजन तथा प्रचुर जल के कारण ही यह संभव है। पृथ्वी गोल है, किन्तु ध्रुवों पर चपटी एवं भूमध्यरेखा पर उभरी हुई है। पृथ्वी के क्षेत्रफल का 71 प्रतिशत जल तथा 29 प्रतिशत स्थल है। चन्द्रमा पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह है। पृथ्वी का कुल स्थल क्षेत्र--14,89,51,100 वर्ग किमी॰, पृथ्वी का कुल जल क्षेत्र--36,11,50,000 वर्ग किमी, पृथ्वी की परिधि - 40,075, भूमध्यरेखीय व्यास- 12,755 किमी, ध्रुवीय व्यास-12,712 किमी, भूमध्यरेखीय अर्द्ध व्यास--6377 किमी, द्रव्यमान--5.976 $\times 10^{24}$ किग्रा॰, तथा पृथ्वी की अनुमानित आयु--4600 करोड़ वर्ष।

6. **शुक्र (Venus)** - यह सौर परिवार का छठा बड़ा एवं सूर्य से दूसरा ग्रह है। यह पृथ्वी के बराबर आकार और भार का है तथा पृथ्वी का निकटतम ग्रह है। अतः इसे पृथ्वी की बहन भी कहा जाता है। शुक्र सबसे चमकीला ग्रह है। जो सूर्य और चन्द्रमा को छोड़ कर समस्त आकाश में सबसे चमकीला दिखाई देता है। प्रातः पूर्व में और सायं पश्चिम में दिखाई पड़ने के कारण इसे 'भोर का तारा' तथा 'सांझ का तारा' कहा जाता है। शुक्र के वायुमंडल में मुख्यतः कार्बन डाइ-ऑक्साइड 90 से 95 प्रतिशत तथा थोड़ी मात्रा में नाइट्रोजन, जलवाष्प और अन्य

तत्व पाये जाते हैं। यह सभी ग्रहों की विपरीत दिशा में दक्षिणावर्त चक्रण करता है। इसका कोई उपग्रह नहीं है। यहाँ सूर्योदय लगभग 118 दिन में एक बार होता है। शुक्र का व्यास--12,032 किमी०। सूर्य से औसत दूरी--10.75 करोड़ किमी० । सूर्य के परिभ्रमण की अवधि --224. 7 दिन ।

7. **मंगल (Mars)** - यह सौरमण्डल का सातवाँ बड़ा एवं सूर्य से चौथा ग्रह है। शुक्र के बाद पृथ्वी का निकटतम ग्रह मंगल ही है। मंगल का रंग आयरन ऑक्साइड के कारण लाल होता है। इस कारण मंगल को 'लाल ग्रह' भी कहा जाता है। यहाँ वायुमंडल अत्यंत विरल है जिसमें मुख्य रूप से कार्बन डाइ-ऑक्साइड तथा कुछ अंश जलवाष्प, अमोनिया एवं मिथेन भी है। मंगल ग्रह पर पृथ्वी के समान जीवन संभव है और वहाँ भी रेगिस्तान, पर्वत, ज्वालामुखी पर्वत है। मंगल का सबसे ऊँचा पर्वत निक्स ओलम्पिया है, जो एवरेस्ट से तीन गुणा ऊँचा है। मंगल ग्रह में पृथ्वी के समान दो ध्रुव हैं तथा इसका कक्षा तल पृथ्वी से 25° के कोण पर झुका है जिससे यहाँ पृथ्वी के समान ऋतु परिवर्तन होता है। मंगल के दो उपग्रह है-फोबोस और डीमोस। मंगल का व्यास-6755.2 किमी०। सूर्य से औसत दूरी -22.56 करोड़ किमी०। सूर्य के परिभ्रमण की अवधि -687 दिन।

8. **बुध (Mercury)** - यह सौर परिवार का आठवाँ बड़ा तथा सूर्य का निकटतम ग्रह है। बुध पर वायुमंडल नहीं है अतः यहाँ जीवन की संभावना नही है। यहाँ दिन बहुत गर्म तथा रातें बर्फीली होती है। बुध का एक दिन पृथ्वी के 90 दिनों के बराबर अवधि का और इतने ही समय की एक रात होती है। बुध का कोई उपग्रह नहीं है। परिमाण में बुध पृथ्वी का 18 वाँ भाग है तथा इसका गुरूत्वाकर्षण पृथ्वी का 3/8 भाग और द्रव्यमान पृथ्वी का 5.5 प्रतिशत है। बुध का व्यास -4849.9 किमी०। सूर्य से औसत दूरी-5.76 करोड़ किमी०। सूर्य के परिभ्रमण की अवधि - 88 दिन ।

9. **यम अथवा कुबेर (Pluto)** - यह सौर परिवार का सबसे छोटा तथा सूर्य से नवाँ ग्रह है। यह सौर मंडल का सबसे दूरस्थ ग्रह है। इसकी कक्षा वरूण (नेपच्यून) की कक्षा को काटती है। सूर्य से प्लूटो की दूरी 590 करोड़ किमी० है। परन्तु इसका परिक्रमा पथ अत्यन्त दीर्घवृत्तीय अर्थात् फैला हुआ है जिससे इसकी न्यूनतम दूरी घटकर 270 करोड़ मील तथा अधिकतम दूरी 460 करोड़ मील हो जाती है। प्लूटो के इस अनियमित व्यवहार के कारण इस समय नेपच्यून सूर्य का दूरस्थ ग्रह है, जब उसके परिक्रमण पथ के बीच से प्लूटो गुजरता है। वर्तमान में नेपच्यून (1979-1999 तक) सूर्य से सबसे अधिक दूरी पर है। इसके बाद फिर प्लूटो 228 वर्षों तक दूरस्थ ग्रह रहेगा। प्लूटो का एक उपग्रह --चरोन है। प्लूटो का व्यास --30.40 किमी०। सूर्य से औसत दूरी--590 करोड़ किमी० । सूर्य के परिभ्रमण की अवधि -247.7 वर्ष।

10. **कारला** - 1987 में संयुक्त राज्य अमरीका की नासा अनुसंधानशाला ने सौरमण्डल के 10वें ग्रह की खोज की है। यह ग्रह सूर्य की परिक्रमा 700 वर्ष में पूरी करता है तथा पृथ्वी से 5 गुणा भारी है। इस ग्रह का नाम कारला रखा गया है।

3. हमारी पृथ्वी : एक अवलोकन

★ **पृथ्वी की सतह की बनावट** - पृथ्वी की सतह की आकृति देखने में समतल लगती है, परन्तु वास्तव में यह गोल है, यह भूमध्य रेखा के पास थोड़ी उभरी हुई है और ध्रुवों के निकट थोड़ी चिपटी हुई है, पृथ्वी की परिधि 40,075 किमी के लगभग है । भूमध्य रेखा पर इसका व्यास 12,755 किमी है, परन्तु ध्रुवों पर यह व्यास केवल 12,712 किमी (चिपटी होने के कारण) रह जाता है । इसके धरातल का क्षेत्रफल 51,01,00.500 वर्ग किमी है ।

★ **पृथ्वी के आन्तरिक भाग** को तीन वृहत मण्डलों या पर्तों में विभाजित किया जा सकता है, ये तीन मण्डल या पर्तें इस प्रकार हैं - (1) भूपर्पटी या क्रस्ट (crust), (2) मैण्टल (Mantle), (3) अन्तरतम या क्रोड (core)

(i) भूपर्पटी या क्रस्ट - इस पर्त की औसत मोटाई 30 से 35 किमी है । इसकी मोटाई महाद्वीपीय भागों के नीचे 60 किमी तथा महासागरीय भागों के नीचे 20 किमी तक है। इस पर्त का औसत घनत्व 2.8 ग्राम प्रति घन सेमी है । इस पर्त में भूकम्पीय P- लहरों की औसत गति 6.5 किमी प्रति सेकण्ड होती है । P - लहर का अर्थ है प्राथमिक (Primary) लहर ।

(ii) मैण्टल - इस पर्त की औसत मोटाई 2900 किलोमीटर है । यह गर्म चट्टानों से बनी है जिनमें मुख्यतः मैग्नीशियम तथा लोहा हैं । मैण्टल आंशिक रूप से द्रवित अवस्था में है । इसका औसत घनत्व लगभग 5.0 ग्राम प्रति घन सेमी है । इस में भूकम्प की P - लहरों की औसत गति 8.0 किमी प्रति सेकण्ड होती है । मैण्टल पृथ्वी के कुल आयतन का 83% तथा द्रव्यमान का 68% भाग अपने में समाहित किए हुए है ।

(iii) क्रोड- इसे दो भागों में बाँटा गया है। **(i) बाह्य क्रोड**- इसमें द्रवित पदार्थ है, जिसकी औसत मोटाई 2,100 किमी है । **(ii) आन्तरिक क्रोड**- इसमें ठोस पदार्थ है, जिसकी औसत मोटाई 1,370 किमी है । यह लोहा तथा निकिल से बनी है । इसी के कारण पृथ्वी में चुम्बकत्व पाया जाता है । इस भाग का घनत्व सबसे अधिक 13.6 ग्राम प्रति घन सेमी है । इसमें भूकम्प की P-लहरों की गति 11.23 किमी प्रति सेकण्ड होती है ।

पृथ्वी की सम्पूर्ण क्रोड में निकिल तथा लोहे की अधिकता है, जिसमें 80% लोहा तथा 20% निकिल है।

★ **ऐस्थेनोस्फीयर (Asthenosphere)** - मैण्टल के ऊपरी लगभग 250 किमी मोटे भाग को ऐस्थेनोस्फीयर कहते हैं। इस भाग में स्थित चट्टानें आंशिक रूप से पिघली अवस्था में हैं । इसी भाग के ऊपर भूपर्पटी स्थित है जिस पर महाद्वीप तथा महासागर हैं ।

पृथ्वी की सतह पर कहीं पहाड़ हैं, कहीं पठार, कहीं मैदान, तो कही झील , कहीं नदी व कहीं दलदल। उत्पत्ति के समय पृथ्वी एक गर्म गैस का गोला था जो धीरे-धीरे ठण्डी पड़ती गई, इसलिए इसके धरातल पर सिकुड़न बढ़ गई और पहाड़ तथा गड्डे बन गए, पानी से भरने के बाद वे गहरे गड्डे समुद्र बन गए । नदियों के पानी ने इन समुद्रों के पानी को खारी बना दिया ।

★ **चट्टान या शैल (Rock)** - पृथ्वी की पपड़ी (भू-पृष्ठ) का निर्माण जिन पदार्थों से हुआ है उन्हें चट्टान या शैल कहते हैं। इसके अन्तर्गत कड़े पत्थर के साथ-साथ मुलायम मिट्टी भी आती हैं, जिसे पृथ्वी की बाह्य या ऊपरी परत कहते हैं।

★ **आग्नेय चट्टान (Igneous Rock)** - पृथ्वी के अन्दर पिघले पदार्थों का भण्डार है जो मैग्मा (Magma) कहलाता है, जब यह ठण्ढ़ा होकर कठोर (ठोस) हो जाता है, तब आग्नेय चट्टानों का निर्माण होता है। चूँकि सर्वप्रथम इसी शैल का निर्माण हुआ था, इसलिए इसे प्राथमिक शैल (Primary Rock)भी कहते हैं। ये शैल कठोर, रवेदार होती हैं। इसमें जीवाश्म नहीं मिलते हैं। इसके प्रमुख उदाहरण हैं - ग्रेनाइट, बेसाल्ट, गैब्रो, डायोराइट इत्यादि ।

★ **परतदार या अवसादी चट्टान (Sedimentary Rock)** - सागरों और झीलों के तल पर जमा होने वाले अवसादों से निर्मित शैल जो परतों में जमा होने के कारण परतदार या अवसादी चट्टान कहलाती हैं। ये रवेदार नहीं होते हैं। जीवाश्मों की सहायता से इन चट्टानों की आयु का पता लगाया जा सकता है। इनके उदाहरण हैं - चिकनी मिट्टी की चट्टानें , रेत की चट्टानें आदि ।

★ **कायान्तरित या परिवर्तित चट्टानें (Metamorphic Rocks)** - आग्नेय अथवा अवसादी शैलों पर अत्यधिक दबाव के परिणाम स्वरुप परिवर्त्तन में बनी शैल कायान्तरित या परिवर्तित चट्टान कहलाती हैं। इस प्रकार चूने की चट्टानें संगमरमर में कार्बन या कोयले की चट्टानें हीरे में, चिकनी मिट्टी की चट्टानें स्लेट में तथा रेत की चट्टानें क्वार्ट्ज में परिवर्तित हो जाती है। इसलिए इन्हें परिवर्तित चट्टानें कहतें हैं ।

पृथ्वी की गतियाँ

★ **घूर्णन (दैनिक) गति (Rotation)** - पृथ्वी अपनी कल्पित कील (अक्ष, धुरी, Axis)पर लट्टू की भाँति नाचते हुए पश्चिम से पूर्व की ओर 1610 किमी॰ प्रतिघंटा की चाल से लगभग 24 घंटों में (अर्थात् 23 घण्टे, 56 मिनट और 4.09 सेकेण्ड) एक पूरा चक्कर लगाती है। इस गति को घूर्णन (दैनिक) गति कहते हैं। इसी गति के कारण पृथ्वी पर दिन और रात होते हैं।

★ **परिक्रमण (वार्षिक) गति (Revolution)** - पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक निश्चित अण्डाकार पथ पर 365¼ दिनों में (अर्थात् 365 दिन, 5 घंटे 49 मिनट और 12 सेकेण्ड में) 1,07,160 किमी॰ प्रति घंटे की गति से एक बार पूरा चक्कर लगाती है। पृथ्वी के इस पूरे चक्कर को पृथ्वी की परिक्रमण (वार्षिक) गति कहते हैं। इसी गति के कारण पृथ्वी पर दिन रात छोटे-बड़े और ऋतु परिवर्तन होते हैं।

★ **दिन-रात का छोटा-बड़ा होना** - पृथ्वी अपनी धुरी से $23^1/_3{}^\circ$ अक्षांश से एक ओर झुकी है। अतः परिक्रमण के दौरान कभी इसका कोई भाग सूर्य के पास आ जाता है और कोई भाग सूर्य से दूर हो जाता है। 21 जून को सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध के पास होता है और दक्षिणी गोलार्द्ध से दूर। इसलिए 21 जून को उत्तरी गोलार्द्ध में ग्रीष्म ऋतु होती है, दिन बड़े तथा रात छोटी होती है, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में शीत ऋतु होती है दिन छोटे तथा रात बड़ी होती है।

22 दिसम्बर को सूर्य दक्षिणी गोलार्द्ध के पास होता है। इसलिए 22 दिसम्बर को दक्षिणी गोलार्द्ध में ग्रीष्म ऋतु होती है, दिन बड़े होते हैं और रात छोटी होती है। जबकि उत्तरी गोलार्द्ध में शीत ऋतु, दिन छोटे और रात बड़ी होती है।

★ **दिन-रात का बराबर होना** - जब सूर्य की किरणें प्रत्येक अक्षांश रेखा के आधे भाग पर पड़ती है जिससे संपूर्ण पृथ्वी पर 12 घंटे का दिन और 12 घंटे की रात्रि होती है। यह स्थिति 21 मार्च और 22 सितम्बर को होती है। इन्हें उत्तरी गोलार्द्ध में 21 मार्च को वसन्त विषुव और 22 सितम्बर को शरद विषुव भी कहते हैं।

★ **ऋतुएँ (Seasons)** - पृथ्वी के परिभ्रमण कक्षा पर अक्ष झुकाव तथा सूर्य के चारों ओर घूमने के कारण उत्पन्न वायु की विशिष्ट अवधि जो एक वर्ष में होती है, और जिनका विभाजन सौर विकिरण की अवधि, तीव्रता, दैनिक प्रकाश एवं ताप आदि जलवायु की दशाओं में परिवर्तनों के आधार पर किया जाता है। शीतोष्ण प्रदेशों में तीन-तीन मास की चार ऋतुएँ होती हैं। (1) बसंत (2) ग्रीष्म (3) शरद (4) शीत ।

★ **अक्षांश (Latitude)** - यह भू-पृष्ठ पर विषुवत रेखा के उत्तर या दक्षिण में एक याम्योत्तर पर किसी भी बिन्दु की कोणीय दूरी है, जो पृथ्वी के केन्द्र से नापी जाती है और अंशों, मिनटों व सेकेण्डों में व्यक्त की जाती है, अक्षांश कहलाती है। इसकी कुल संख्या 180 होती है।

★ **देशान्तर (Longitude)** - यह किसी स्थान की वह कोणीय दूरी है, जो प्रधान याम्योत्तर (0° या ग्रीनविच) के पूर्व व पश्चिम में होती है, देशान्तर कहलाता है। इसकी कुल संख्या 360 होती है।

★ **गोलार्द्ध** - ग्रीनविच से 180° पूर्व तक पूर्वी गोलार्द्ध और 180° पश्चिम तक पश्चिमी गोलार्द्ध कहलाता है। चूँकि पृथ्वी गोलाकार है और वृत्त 360° में विभाजित किया जाता है, इस प्रकार 360° घूमने में पृथ्वी को 24 घंटे (एक दिन, एक रात) लगते हैं। इस प्रकार 1° की दूरी तय करने में पृथ्वी को 4 मिनट का समय लगता है ।

★ **विषुवत रेखा (Equator)** - पृथ्वी के चारों ओर ठीक मध्य में एक वृत्त की कल्पना की गई है इसे विषुवत रेखा या भूमध्य रेखा कहते हैं। भूमध्यरेखा पर वर्ष भर दिन और रात समान होते हैं। अथवा, भू-मण्डल पर वह वृत्त जिसका तल (Plane) उसके मध्य से गुजरता है और उसको दो गोलार्द्धों में विभक्त करता है विषुवत वृत्त कहलाता है। 0° से 90° उत्तर उत्तरी गोलार्द्ध 0° से 90° दक्षिण दक्षिणी गोलार्द्ध कहलाता है। भारत उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।

★ **कर्क वृत्त** - सूर्य की लम्बवत् किरणें उत्तरी गोलार्द्ध में जिस आखिरी सीमा तक पहुँचती है, उसे कर्क वृत्त या कर्क रेखा कहते हैं। यह विषुवत रेखा से 23½° उत्तर की कोणीय दूरी पर खींचा गया काल्पनिक वृत्त है। भारत को कर्क रेखा दो भागों में विभाजित करती है।

★ **मकर वृत्त** - सूर्य की लम्बवत् किरणें दक्षिणी गोलार्द्ध में जिस आखिरी सीमा तक पहुँचती है उसे मकर वृत्त कहते हैं। यह विषुवत रेखा से 23½° दक्षिण की कोणीय दूरी पर खींचा गया काल्पनिक वृत्त है। आस्ट्रेलिया के बीचों-बीच मकर रेखा गुजरती है।

★ **आर्कटिक वृत्त** - धरातल पर उत्तरी गोलार्द्ध में विषुवत वृत्त से 66½° की कोणीय दूरी पर खींचा गया काल्पनिक वृत्त आर्कटिक वृत्त कहलाता है।

★ **अंटार्कटिक वृत्त** - धरातल पर दक्षिणी गोलार्द्ध में विषुवत वृत्त से 66½° की कोणीय दूरी पर खींचा गया काल्पनिक वृत्त अंटार्कटिक वृत्त कहलाता है ।

4. पृथ्वी तल के मण्डल : एक नजर

★ पृथ्वी तल पर चार मण्डल हैं :-

(i) स्थल भाग या स्थल मण्डल (Lithosphere) - पृथ्वी की बाह्य भूपर्पटी (crust) जिस पर महाद्वीप तथा महासागर स्थित है, स्थल मण्डल कहलाता है । इसका क्षेत्रफल 14,80,00,000 वर्ग कि.मी. अर्थात् पृथ्वी तल का 29% है, उत्तरी गोलार्द्ध में यह भाग अधिक है और दक्षिणी गोलार्द्ध में कम । इसके बाहरी आवतरण को भूपटल कहते हैं जो ठोस तथा कठोर है। इसमें सदैव परिवर्तन होते रहते हैं ।

(ii) जलमण्डल (Hydrosphere) - इसका क्षेत्रफल 36,40,00,000 वर्ग किमी अर्थात् पृथ्वी तल का 71% है । इस समस्त जल भाग को , जिसमें महासागर आते हैं, जलमण्डल कहते हैं ।

(iii) वायुमण्डल (Atmosphere) - पृथ्वी के धरातल के चारों ओर रंगहीन, गन्ध हीन और स्वादहीन गैसों का एक विशाल आवरण है, जो लगभग 800 किमी की ऊंचाई तक हैं, उसे वायुमण्डल कहते हैं ।

(iv) जैवमण्डल (Biosphere) -पृथ्वी तल पर, उससे ऊपर तथा नीचे, जहां कहीं भी जीवन का अस्तित्व है उस भाग को जैवमण्डल कहते हैं। अतः यह भाग स्थमण्डल, जलमण्डल तथा वायुमण्डल तीनों में ही फैला हुआ है ।

स्थलमण्डल

पृथ्वी की संपूर्ण बाह्य परत जिस पर महाद्वीप एवं महासागर स्थित हैं, स्थलमण्डल कहलाती है।

★ **महाद्वीप** - पृथ्वी तल पर स्थलखण्ड की सबसे बड़ी इकाई को महाद्वीप कहते हैं। पृथ्वी तल का कुल 29 प्रतिशत भाग स्थल खण्ड है। महाद्वीपों का अधिकांश विस्तार उत्तरी गोलार्द्ध में है। पृथ्वी पर सात महाद्वीप हैं - एशिया, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमरीका, दक्षिणी अमरीका, आस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका। सबसे बड़ा एशिया एवं सबसे छोटा आस्ट्रेलिया महादेश है। अंटार्कटिका दक्षिणी ध्रुव पर स्थित होने के कारण हिमपट्टी से आच्छादित और जनविहीन है।

★ **महासागर** - पृथ्वी तट पर जल से ढका जलखण्ड की सबसे बड़ी इकाई महासागर कहलाती है। पृथ्वी तल का 71 प्रतिशत भाग जल खण्ड है। महासागरों का विस्तार दक्षिणी गोलार्द्ध में अधिक है। महासागर पाँच हैं-प्रशान्त, अटलांटिक, हिन्द, आर्कटिक और अंटार्कटिक। प्रशान्त महासागर सबसे बड़ा महासागर है। इसका क्षेत्रफल इतना है कि इनमें सभी महाद्वीप समा सकते हैं। धरातल का 1/3 भाग अकेले प्रशान्त महासागर घेरे हुए हैं और इसके चारों ओर मोड़दार पर्वत की श्रृंखला है। उत्तरी ध्रुव पर आर्कटिक महासागर हैं।

★ **पर्वत (Mountains)** - धरातल के वे ऊँचे क्षेत्र जो अपने आस-पास के क्षेत्रों से बहुत ऊँचे उठे हों तथा जिनमें शिखर या चोटियाँ हो और उन चोटियों का क्षेत्रफल आधार से बहुत ही कम हो पर्वत कहलाते हैं।

★ **पर्वत श्रेणी (Mountains Range)** - वह पर्वतमाला जिसमें संकीर्ण एवं ऊँची पहाड़ियों में लंबे कटक व मेहराव के रूप में उठे स्थल-मण्डल के शिखर, घाटियाँ आदि की सम्मिलित रूप पर्वत श्रेणी कहलाती है।

★ **पर्वत कटक (Mountain Ridge)** - संकीर्ण एवं ऊँची पहाड़ियों के क्रमबद्ध स्वरूप को पर्वत कटक कहा जाता है।

★ **पर्वत शृंखला (Mountain Chain)** - विभिन्न युगों में निर्मित लंबे एवं संकरे पर्वतों का समान्तर विस्तार पर्वत शृंखला या पर्वतमाला कहलाता है।

★ **पहाड़ी (Hill)** - पर्वतों के लघु भाग को पहाड़ी कहते हैं, क्योंकि एक ओर जहाँ इनका क्षेत्रीय विस्तार कम होता है, वहीं दूसरी ओर इनकी ऊँचाई भी समीपवर्ती धरातल से 1,000 मीटर से कम होती है।

★ **द्वीप (Island)** - स्थल खण्ड के ऐसे भाग जिनके चारों ओर जल का विस्तार पाया जाता है। द्वीपों का आकार छोटा-बड़ा हो सकता है। अत्यधिक विशाल आकार वाले द्वीपों को महाद्वीप की संज्ञा दी जाती है। आस्ट्रेलिया महाद्वीप एक विशाल आकार का द्वीप है, इसलिए इसे द्वीपीय महाद्वीप भी कहा जाता है।

★ **झील (Lake)** - झील एक स्थलीय स्थिर जल की राशि होती है जिसका आधार प्रायः एक गहरे कुण्ड या तालाब (Pond) से बड़ा होता है, झील कहलाता है।

★ **लैगून (Lagoon)** - यह छिछले जल का एक ऐसा विस्तार है, जो समुद्र से अंशतः अथवा पूर्णतया एक संकीर्ण स्थल पट्टी द्वारा पृथक होता है, लैगून कहलाता है।

★ **डेल्टा (Delta)** - किसी नदी के मुहाने पर निर्मित जलोढ़ मिट्टी की त्रिभुजाकार आकृति को डेल्टा कहा जाता है। गंगा - ब्रह्मपुत्र का डेल्टा संसार का सबसे बड़ा डेल्टा है।

जलमण्डल

प्रशान्त महासागर की जलधाराएँ

नाम	प्रकृति
उत्तरी विषुवत्रेखीय जलधारा	उष्ण अथवा गर्म
क्यूरोशियों की जलधारा (जापान की काली धारा)	गर्म
उत्तरी प्रशान्त प्रवाह	गर्म
अलास्का की धारा	गर्म
सुशीमा (Tsushima) धारा	गर्म
क्यूराइल जलधारा (आयोशियो धारा)	ठण्डी
कैलीफोर्निया की धारा	ठण्डी
दक्षिणी विषुवत्रेखीय जलधारा	गर्म
पूर्वी आस्ट्रेलिया धारा (न्यूसाउथवेल्स धारा)	गर्म
हम्बोल्ट अथवा पेरूवियन धारा	ठण्डी
अण्टार्कटिका प्रवाह	ठण्डी
विपरीत विषुवतरेखीय जलधारा	गर्म

एलनीनोधारा	गर्म
ओखोटस्क धारा	ठण्डी

हिन्दमहासागर की जलधाराएं

नाम	प्रकृति
दक्षिणी विषुवत्रेखीय जलधारा	गर्म एवं स्थायी
मोजाम्बिक धारा	गर्म एवं स्थायी
अगुलाहास धारा	गर्म एवं स्थायी
पश्चिमी आस्ट्रेलिया की धारा	ठण्डी एवं स्थायी
ग्रीष्मकालीन मानसून प्रवाह	गर्म एवं परिवर्तनशील
शीतकालीन मानसून प्रवाह	ठण्डी एवं परिवर्तनशील
दक्षिणी हिन्द धारा	ठण्डी

अटलांटिका महासागर की जलधाराएं

नाम	प्रकृति
उत्तरी विषुवत्रेखीय जलधारा	उष्ण अथवा गर्म
दक्षिणी विषुवत्रेखीय जलधारा	उष्ण
फ्लोरिडा की धारा	उष्ण
गल्फस्ट्रीम या खाड़ी की धारा	उष्ण
नार्वे की धारा	उष्ण
लेब्रेडोर की धारा	ठण्डी
पूर्वी ग्रीनलैण्ड धारा	उष्ण
इरमिंजर धारा	उष्ण
कनारी	ठण्डी
ब्राजील की जलधारा	उष्ण
बेंगुएला की धारा	ठण्डी
अण्टार्कटिका प्रवाह (द0 अटलांटिक)	ठण्डी
विपरीत विषुवत्रेखीय जलधारा	उष्ण
रेनल धारा	उष्ण
फॉकलैण्ड धारा	ठण्डी
अंटाईल्स या एण्टीलीन धारा	गर्म

वायुमंडल

पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह है जिसका अपना वायुमण्डल है। पृथ्वी का वायुमंडल गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण पृथ्वी से पृथक नहीं हो पाता है। ऊँचाई, तापमान तथा सघनता को आधार मानकर वायुमंडल को विभिन्न परतों में विभक्त किया जा सकता है। 1. क्षोभ मण्डल, 2. समताप मण्डल, 3. ओजोन मंडल, 4. आयन मंडल, 5. आयतन या बहिर्मण्डल।

1. क्षोभ मण्डल (Troposphere) - वायुमंडल की क्षैतिज परतों में से क्षोभ मंडल सबसे नीचली सघन परत है, जिसका निचला भाग पृथ्वी को छूता है। धरातल से इसकी मध्यमान ऊँचाई 16 किमी॰ है। इसकी ऊपरी सीमा को क्षोभ सीमा (Tropopause) कहते हैं।

क्षोभ मण्डल तथा समताप मण्डल के बीच 1 से 1.5 किमी॰ मोटी परत क्षोभ सीमा कहलाती है। इस भाग में तापमान के ह्रास दर में अचानक परिवर्तन हो जाता है। यहाँ सभी प्रकार के मौसमी परिवर्तन समाप्त हो जाते हैं।

2. समताप मण्डल (Stratosphere) - यह एक ऐसा मण्डल है जहाँ ऊँचाई की ओर बढ़ता हुआ तापमान बढ़ता नहीं, अपितु समान रहता है और विकिरण द्वारा ताप का ग्रहण, ताप की मुक्ति के बराबर होता है, समताप मण्डल कहलाता है। यह क्षोभ सीमा से 18 किमी॰ ऊपर तक (18-32 किमी॰) का भाग है, जो अनेक स्थायी परतों में विभक्त होता है। समताप मंडल की ऊपरी सीमा को समताप सीमा (Stratopause) कहते हैं।

3. ओजोन मण्डल (Ozonosphere) - यह मण्डल समताप मण्डल के ऊपर धरातल से 32 किमी॰ से 50 किमी॰ के मध्य है। इस मण्डल में ओजोन गैस की प्रधानता के कारण इसे ओजोन मण्डल कहते हैं। ओजोन गैस की उपस्थिति के कारण इस मण्डल के तापमान में वृद्धि होती है। यह पृथ्वी के रक्षा आवरण का कार्य करता है, क्योंकि इसके द्वारा सूर्य से आने वाली तीव्र पराबैंगनी किरणों का अवशोषण कर पृथ्वी पर होने वाली हानिकारक प्रभाव से मुक्त कर देती है।

यह ओजोन मण्डल से ऊपर सामान्यत: 50 से 80 किमी॰ की ऊँचाई वाला वायुमण्डलीय भाग मध्य मण्डल कहलाता है। इस मण्डल की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें ऊँचाई के साथ तापमान का ह्रास होता है। मध्य मण्डल की ऊपरी सीमा को मध्य मण्डल सीमा कहते हैं।

4. आयनमंडल (Ionosphere) - मध्यमंडल सीमा के ऊपर तापमान पुन: बढ़ने लगता है। यह मध्यमण्डल से ऊपर सामान्यत: 80 से 500 किमी॰ की ऊँचाई वाला वायुमण्डलीय भाग आयनमण्डल कहलाता है। आयनीकृत गैसों की यह परत रेडियो-तरंगों को पृथ्वी पर परावर्तित करती है और दूरस्थ संचार का नियंत्रक है। आकाश का नीला वर्ण, ब्रह्माण्ड में किरणों की उपस्थिति, उल्काओं की चमक और ध्रुवीय प्रकाश इस भाग की विशेषता है।

5. आयतनमण्डल या बहिर्मण्डल (Exosphere) - यह आयन मण्डल के ऊपर वायुमण्डल का सबसे ऊपरी भाग है (500 किमी॰ से ऊपर) है। बहिर्मण्डल में वायु अत्यन्त विरल है। वहाँ हाइड्रोजन, हीलियम की मात्रा बढ़ जाती है व ताप बहुत अधिक हो जाता है।

जैवमण्डल

★ **मौसम (Weather)** - किसी निश्चित स्थान की किसी समय में वायुमंडलीय दशाओं या स्थितियों का संकेत मौसम कहलाता है। वायुमंडलीय दशाओं या स्थितियों के अन्तर्गत तापमान, बादल, दाब, हवा, वर्षा इत्यादि सम्मिलित है। इनके संबंध में आँकड़े प्रतिदिन निश्चित समय पर आलेखित किये जाते हैं। जिसके आधार पर मौसम की भविष्यवाणी की जाती है।

★ **मानसूनी जलवायु** - वह जलवायु जिसमें पवनों की दिशा बदल जाने से ऋतु में परिवर्तन आ जाता है, मानसूनी जलवायु कहलाती है। मानसूनी पवनें मौसम के अनुसार अपनी

दिशा बदल लेती है।

★ **बादल (Cloud)** - वाष्प भरी वायु पृथ्वी से ऊँचाई पर ठण्डक पाकर घनीभूत होती है, अर्थात् जलवाष्प संघनित होकर जल की बूँदों के रूप में आकाश पर छा जाता है तो उसे बादल कहते हैं।

★ **वर्षा (Rain)** - वर्षा, जल के छोटे-छोटे कणों के समूह हैं जो हल्के होने के कारण वायु में इधर-उधर छाये रहते हैं। ये कण ज्यों ही अधिक बड़े हुए और इसका भार बढ़ा कि ये बूँदों के रूप में पृथ्वी पर गिरने लगते हैं। इसे ही वर्षा कहते हैं।

★ **कुहरा या कुहासा (Fog of Mist)** - धरातल के समीप की वाष्प भरी वायु का तापमान गिर जाता है तो जलवाष्प जल की छोटी-छोटी बूँदों के रूप में धूल कणों पर लटक जाता है जिसके चारों ओर धुँधलापन छा जाता है। इसे कुहरा या कुहासा कहते हैं। कुहासे में कुहरे की अपेक्षा जल की बूँदें बड़ी और दूर-दूर होती हैं।

★ **ओस (Dew)** - धरातल के संपर्क से वाष्प भरी वायु ठण्डी हो जाती है तो जलवाष्प ठण्डे धरातल पर छोटी-छोटी बूँदों के रूप में जमा हो जाता है। इन्हें ओस कहते हैं।

★ **पाला (Frost)** - ठण्डे देशों में जहाँ रात के समय धरातल का तापमान 0°C अर्थात् हिमांक से कम हो जाता है, जलवाष्प बूँदों में न बदलकर बर्फ के कणों में जम जाता है, पाला कहलाता है।

★ **ओला (Hail)** - ऊँचाई पर जाकर जलवायु ठण्डी हो जाती है और उनके जलकण देर तक वायु में लटके रह जाते हैं जिससे और अधिक ठण्डे होकर वे जम जाते हैं। ये जमी हुई बूँदे वर्षा के साथ धरातल पर गिरती हैं तो इन्हें ओला कहते हैं।

★ **हिम या तुषार (Snow)** - वाष्प भरी वायु जब धरातल से ऊपर (ऊँचाई पर) पहुँचती है और वहाँ ठण्डक पाकर वाष्प का संघनन जल के रूप में न होकर ठोस के रूप में होता है तो उसे हिम या तुषार कहते हैं। हिम धुनी हुई रूई की तरह का होता है। जिस ऊँचाई के ऊपर हिम वर्ष भर बना रहता है तो उसे हिम रेखा (Snow-line) कहते हैं।

5. प्रमुख स्थानीय पवनः एक संक्षिप्त परिचय

★ **पवन (Winds)** - पृथ्वी पर वायुदाब में अन्तर होने के कारण वायु में गति आती है और तब पवन उत्पन्न होता है। एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर वायु का बहना पवन कहलाता है। पवन सदा उच्चदाब से निम्नदाब की ओर क्षैतिज दिशा में चला करता है। वायु में गति पृथ्वी के घूर्णन के कारण भी होता है।

★ **स्थायी पवन** - विश्व की दाब पट्टियों की स्थिति से नियंत्रित जो पवन वर्ष भर दिशा विशेष में ही चला करते हैं उन्हें स्थायी पवन कहते हैं।

★ **ध्रुवीय पवन (Polar Winds)** -ये ध्रुवीय उच्च दाब से उपध्रुवीय निम्नदाब की ओर चलते हैं। ये अत्यंत ठण्डे पवन हैं और अपने संपर्क में आने वाले भू-भागों का तापमान भी उतार देते हैं। अपने क्षेत्र में ये चक्रवात एवं प्रति चक्रवात उत्पन्न होने की अवस्था ला देते है।

★ **वाणिज्य/व्यापारिक पवन (Trade winds)** - ये उपोष्ण उच्च दाब से विषुवतीय निम्न दाब की ओर चलते हैं। प्राचीन काल में व्यापारियों को वाणिज्य-व्यापार में इससे बड़ी

सहायता मिलती थी। अतः इन्हें व्यापारिक या वाणिज्य पवन कहा जाता है। उत्तरी गोलार्द्ध में ये उत्तर-पूर्वी दिशा से चलते हैं और दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिण-पूर्वी दिशा से इसकी गति प्रतिघंटा 10-15 किमी से अधिक नहीं होती।

★ **गरजता हुआ चालीसा (Roaring forties)** - ये उपोष्ण उच्च दाब से उप ध्रुवीय निम्नदाब की ओर चलते हैं। इसकी गति एक सी नहीं रहती। ये बहुत तेज आवाज करते हुए आगे बढ़ते हैं, इसलिए इन्हें 40° अक्षांशों में 'गरजता हुआ चालीसा' 50° अक्षांशों में इसे 'भयंकर पचासा' और 60° अक्षांश पर 'चीखता साठा' कहा जाता है। उत्तरी गोलार्द्ध में ये दक्षिण-पश्चिम दिशा से और दक्षिणी गोलार्द्ध में उत्तर-पश्चिम दिशा से चलते हैं।

★ **स्थानीय हवाएँ (Local Winds)** - स्थानीय हवाएँ वैसी हवाएँ हैं जो तापमान और धरातल के स्थानीय अन्तर से उत्पन्न होती है और कुछ स्थानों पर काल विशेष में ही बहा करती है, स्थानीय हवाएँ कहलाती हैं। जैसे-चक्रवात, प्रतिचक्रवात, स्थलीय और समुद्री समीर, लू इत्यादि।

★ **चक्रवात (Cyclones)** - कम समय के लिए विकसित होने वाली स्थानीय हवा जो बहुत तेज चलने वाली आँधी (तूफान) है जिसका निम्नदाब क्षेत्र वृत्ताकार या अंडाकार होता है। यह सदा समुद्र पर उत्पन्न होकर तट की ओर आगे बढ़ता है। इसका विस्तार सैकड़ों किमी॰ तक होता है। इसके साथ बादल चलते हैं। वर्षा अग्र भाग में अधिक होती है और प्रचण्ड आँधी चला करती हैं। जिसकी गति 250 किमी॰ प्रति घंटा तक हो सकती है।

★ **प्रति चक्रवात (Anti-Cyclones)** - यह चक्रवात के विपरीत उच्चदाब का केन्द्र है जिसके चारों ओर निम्नदाब का क्षेत्र रहता है। यह कम समय के लिए विकसित होने वाली स्थानीय हवा है। जिसमें चक्कर काटती हुई हवा केन्द्र से बाहर की ओर किसी भी दिशाओं में बढ़ सकता है। इसमें हवा की गति धीमी, वातावरण शान्त तथा वर्षा प्रायः नहीं होती है।

★ **स्थलीय समीर (Land Breezes)** - रात में समुद्र की अपेक्षा स्थल भाग जल्द ठण्डा हो जाता है, अतः स्थल पर उच्च दाब और समुद्र पर निम्नदाब स्थापित हो जाता है। ऐसी दशा में वायु स्थल से समुद्र की ओर चला करती है, जिसे स्थलीय समीर कहते हैं। स्थलीय समीर रात में चलती हैं।

★ **समुद्री समीर (Sea Breezes)** - दिन में जल की अपेक्षा स्थल जल्द गर्म हो जाता है, अतः स्थल भाग में वायु का दाब कम हो जाता है और इसके विपरीत समुद्र का तापमान स्थल की अपेक्षा कम रहने के कारण वहाँ वायु का अधिक दाब स्थापित होता है। जिसके कारण समुद्र से स्थल की ओर हवा चल पड़ती है। इसे समुद्री समीर कहते हैं। यह सुबह से शाम तक चलती है किन्तु गति अत्यन्त मन्द होती है। जल से स्थल की ओर चलने के कारण इसमें नमी रहती है। समुद्री समीर दिन में चलती है।

सभी प्रकार की ऐसी हवाओं को दो स्थूल वर्गों में विभक्त किया जाता है-
(i) स्थानीय गर्म हवाएँ (ii) स्थानीय ठण्डी हवाएँ ।

(i) स्थानीय गर्म हवाएँ

★ **फॉन (Foehn)** - आल्पस पर्वतीय क्षेत्रों में जहाँ चक्रवातीय तूफान चला करते हैं वहाँ शुष्क स्थानीय हवायें पाई जाती हैं। इस स्थानीय हवा को ऑस्ट्रिया तथा जर्मनी में 'फॉन' कहा जाता है। इसका सर्वाधिक प्रभाव स्विट्जरलैण्ड में होता है। फॉन हवा मुख्यतः शीत ऋतु

के अन्त तथा वसन्त ऋतु के प्रारम्भ में चला करती हैं।

★ **चिनूक (Chinook)** - रॉकी पर्वत माला के पूर्वी ढाल पर फॉन की भाँति ही गर्म हवा चलती है जिसे पश्चिमी कनाडा तथा अमरीका में चिनूक कहते हैं। इन हवाओं से अंगूरों को जल्दी पकने में सहायता मिलती है। क्योंकि ये हवाएँ हिम को पिघलाकर वाष्प रूप में अपने साथ ले जाती हैं इसलिए इन्हें हिमहारिणी कहते हैं।

★ **सिमूम (Simoom)** - यह एक गर्म, शुष्क तथा दम घुटाने वाली हवा है जो सहारा तथा अरब के मरुस्थलों में बसन्त एवं ग्रीष्म में चलती है। यह अपने साथ बालू बहाकर लाती है। सिमूम हवाओं का तापमान 32° से० से भी ज्यादा होता है।

★ **सिरक्को (लेवेश, लेस्ट)** - भूमध्यसागरी क्षेत्र में उत्तरी अफ्रीका से चलने वाले गर्म और शुष्क पवनों को सिरक्को कहते हैं। जब ये हवायें भूमध्यसागर को पार करके इटली पहुँचती हैं तो आर्द्र हो जाती है। इस गर्म पवन के कई स्थानीय नाम हैं। इटली में इसे सिरॉको, स्पेन में लेवेश तथा मैड्रिया व कनारी द्वीप समूह में लेस्ट कहते हैं।

★ **सान्ता आना** - दक्षिणी कैलीफोर्निया में सान्ता आना केनियन से होकर तटवर्ती मैदानों की ओर चलने वाली धूल भरी आँधी को सान्ता आना कहते हैं। इन गर्म हवाओं से कैलीफोर्निया के फल के बगीचों को अपार क्षति होती है। इन हवाओं से पेड़ सूख जाते हैं और जंगलों में आग लग जाती है।

★ **योमा** - सान्ता आना की भाँति ही जापान में चलने वाली हवा को योमा कहते हैं।

★ **शामल** - मेसोपोटामिया, ईराक तथा फारस की खाड़ी की ओर उत्तर पूर्व से चलने वाली गर्म हवा को शामल कहा जाता है।

★ **नार्वेस्टर (Norwester)** - न्यूजीलैण्ड में वहाँ की पर्वतमालाओं से उत्पन्न गर्म, शुष्क, झोंकेदार पवन को नार्वेस्टर कहते हैं।

★ **ब्रिक फील्डर** - आस्ट्रेलिया के मरुस्थलीय प्रदेशों (विक्टोरिया) से चलने वाली गर्म एवं शुष्क उत्तरी पवन को ब्रिक फील्डर कहा जाता है। इसका ताप 100° F होता है।

★ **हरमट्टान (Harmattan)** - सहारा मरु प्रदेश से ही हरमट्टान नामक अन्य स्थानीय पवन चलती हैं जो गर्म शुष्क होती हैं। इस पवन की उत्पत्ति शीतकाल में सहारा में होती है। सहारा से ये हवायें गिनी तट की ओर चलती है जहाँ की वायु उष्णार्द्र होती है। वहाँ इसका प्रभाव शीतलकारी होता है, क्योंकि वाष्पीकरण के कारण से हवायें ठण्डी हो जाती हैं। इन्हें यहाँ 'डॉक्टर' कहा जाता है।

★ **ब्लैक रोलर (Black Roller)** - उत्तरी अमरीका के विशाल मैदान में दक्षिण पश्चिमी या उत्तरी पश्चिमी तेज धूल भरी आँधियां चलती हैं जिनसे कभी कभी मार्ग में पड़ने वाली इमारतें रेत के ढेर के नीचे दब जाती हैं। इन स्थानीय पवनों को ब्लैक रोलर कहते हैं।

★ **काराबुरान** - यह सिक्यांग की तारिम बेसिन, मध्य एशिया की गर्म उत्तरी पूर्वी हवा है। यह हवा बसन्त के आरम्भ से लेकर ग्रीष्म के अन्त तक बहती है। यह मरुस्थलों से धूल उड़ाकर लोएस के रूप में निक्षेपित करती है।

★ **खमसिन (Khamsin)** - मिस्र के उत्तर की ओर चला करती है। उष्ण मरु प्रदेशों में उत्पन्न होने के कारण इसमें धूल कणों की भी अधिकता होती है। बसन्त ऋतु में यह हवा चलती है।

★ **गिबली** - लीबीया में चलने वाली गर्म शुष्क रेत भरी हवा को गिबली कहते हैं।

★ **चिली** - ट्यूनीशिया में चलने वाली गर्म शुष्क रेत भरी हवा को चिली कहते हैं।

★ **जोन्डा** - सान्ता आना की भाँति ही अर्जेण्टाइना में चलने वाली हवा जोन्डा कहलाती है।

★ **लू** - उत्तरी भारत में गर्मियों में उत्तर-पश्चिम तथा पश्चिम से पूर्व दिशा में चलने वाली प्रचण्ड उष्ण तथा शुष्क हवा को लू कहते हैं ।

★ **सोलैनो (Solano)** - द० पूर्वी स्पेन तथा जिब्राल्टर में बहने वाली पूर्वी तथा द०पूर्वी हवा जो गर्मी में गर्म तथा आर्द्र दशाओं के साथ कभी-कभी वर्षा भी प्रदान करती है।

★ **कोयमबैंग (Koembang)** - यह जावा, इण्डोनेशिया में फॉन के समान गर्म हवा है। इससे तम्बाकू की फसल को अधिक हानि होती है।

★ **अयाला (Ayala)** - यह फ्रांस के सेंट्रल मैसिफ क्षेत्र में बहने वाली तीव्र प्रचंड गर्म पवन है। लोटस मध्य-एशिया गिनी तट पर ईराक व द० अमरीका में मैड्रिया, इटली में इसे सिरॉको कहते हैं।

★ **बर्ग (Berg)** - द० अफ्रीका में यह गर्म एवं शुष्क हवा, फॉन के समान आन्तरिक पठार से तटीय क्षेत्रों की ओर चलती है।

(ii) स्थानीय ठंडी हवाएँ

इनकी उत्पत्ति पर्वतीय भागों से नीचे घाटी की ओर उतरती हुई पवनों से होती है। कभी-कभी गरज व चमक के साथ तीव्र वर्षा भी करती है।

★ **बोरा (Bora)** - एड्रियाटिक सागर के उत्तर तट पर चलती है। वायु वेग 128 से 196 किमी० प्रति घण्टा है। यह मिस्ट्रल से मिलती जुलती है।

★ **मिस्ट्रल (Mistral)** - ये ठंडी हवाएं उच्च भूमियों एवं हिमाच्छादित पर्वतों से उत्तर की ओर स्पेन व फ्रांस के भूमध्य सागरीय तट पर बहती हैं। यह अत्यन्त ठण्डी और शुष्क हवा है जिसका वायु वेग 60 किमी० प्रति घण्टा से भी अधिक होता है।

★ **बुरान (Buran)** - रूस तथा मध्य साइबेरिया में उत्तर पूर्व से चलने वाली सर्द हवाओं को बुरान कहते हैं तथा बर्फीली आँधियों को पुर्गा (Purga) कहते हैं।

★ **नेवाडॉस (Nevados)** - इक्वेडर की उच्च घाटियों में (द० अमरीका) में चलने वाली शीत पवन जो एण्डीज की चोंटियों से बर्फीले पवन लाती है।

★ **सीस्टान (Seistan)** - तीव्र उत्तरी हवाएँ जो पूर्वी ईरान के सीस्टान क्षेत्र में गर्मियों में 110 किमी० प्रति घंटा की गति से बहती है। इसे "Wind of 120 days " कहते हैं।

★ **टालविण्ड (Talwind)** - यह समुद्र से घाटी (Valley) की ओर बहने वाली शीत पवन है । यह वर्ग विण्ड के ठीक उल्टी है। जर्मनी में इसे वैली विण्ड कहते है।

★ **विली-विली (Willy-Willy)** - ये हवाएँ आस्ट्रेलिया में उत्तर पूर्वी भाग से चलती हैं जो अत्यधिक तीव्र और शुष्क होती है। ये अल्पकालिक एवं स्थानीय होती है।

★ **केप डॉक्टर** - तीव्र शीतल हवाएँ जो पठार से चलकर द० अफ्रीकी गणतंत्र के दक्षिणी किनारे तक बहती है। ये हवाएँ टेबल क्लॉथ कहलाती है क्योंकि पर्वतीय क्षेत्र में ये बादलों का सृजन करती है।

★ **हबूब (Haboob)** - यह अफ्रीका के उत्तरी एवं उत्तर पूर्वी सूडान में खारतूम के पास चलने वाली तेज धूल युक्त हवाएँ हैं जो प्रायः सितम्बर में दोपहर बाद चलती है।

★ **पुर्गा (Purga)** - टुण्ड्रा प्रदेश में अलास्का एवं साइबेरिया प्रदेश में प्रचण्ड हिम युक्त बर्फीली हवाएँ जो उत्तर पश्चिम दिशा से चलती है।

★ **विरागॅन (Viragon)** - पेरु तथा चिली के पश्चिमी तटों पर चलने वाली समुद्री समीर।

★ **टेरल** - पीरु व चिली के पश्चिमी तटों पर चलने वाला स्थल समीर।

★ **जूरन (Jooran)** - जूरा पर्वत एवं जेनेवा क्षेत्र में रात्रि में प्रवाहित होने वाली शुष्क शीतल पवन ।

★ **पैम्पीरो** - अर्जेण्टाइना के पम्पास क्षेत्र में उरुग्वे से प्रचण्ड वेग वाली सर्द हवाएँ जो कभी-कभी गरज व चमक के साथ तीव्र वर्षा भी करती है।

★ **नार्टे (Norte)** - मध्य अमरीका के पास सं॰ रा॰ अमरीका में शीत ऋतु में चलने वाली उत्तरी पवन जो ताप को 6° से 9° तक गिरा देती है।

★ **बाइज (Bise)** - शीत ऋतु में दक्षिणी फ्रांस में चलने वाली अत्यधिक ठण्डी हवा को बाइज कहते हैं।

★ **पोनेन्टी (Ponente)** - द॰ अफ्रीका और कोर्सिका में बहने वाली ठण्डी एवं शुष्क पश्चिमी हवा।

★ **मैस्ट्रो (Maestro)** - कोर्सिका, सारडीनिया तथा एड्रियाटिक सागरीय क्षेत्र में बहने वाली हवा ।

★ **मैस्ट्रेल (Maestrale)** - इटली की ठण्डी उ॰ पश्चिमी हवा जो शीतकाल में बहती है। यह द॰ फ्रांस की मिस्ट्रल के समान है।

★ **नार्दर (Norther)** - यह पश्चिम तथा पूर्व में धरातलीय अवरोध के कारण सं॰ रा॰ अमरीका के समस्त मध्यवर्ती मैदान को प्रभावित करती हुई दक्षिणी क्षेत्र तक पहुँच जाती है।

★ **फ्रियाजेम (Friangem)** - ब्राजील के उष्ण कटिबन्ध कम्पोज तथा मध्य आमेजन घाटी में मई तथा जून के महीनों में भीषण हवाओं का प्रकोप हो जाता है जिसे शीतल कहा जाता है।

★ **लिबेसियो (Libeccio)** - कोर्सिको में बहने वाली पछुआ या द॰ पश्चिमी हवा जो मुख्यतः गर्मियो में चलती है। यह पश्चिमी तट को ठण्ढा कर देती है लेकिन पूर्वी तट तक गर्म तथा शुष्क हो जाती है। जब जाड़े में चलती है तो बर्फ की फुहार या वर्षा करती है।

RATNASAGAR

A unique encyclopaedia of General Knowledge

K.P. Mishra

6. भारत का भूगोल

★ **भारत हिन्द महासागर के शीर्ष पर स्थित उत्तरी गोलार्द्ध के किस कटिबंध में है** – उष्ण एवं समशीतोष्ण कटिबंध

★ **प्रायद्वीपीय भारत अपनी स्थिति के कारण हिन्द महासागर को क्रमशः बाँट देती है** – दो भागों में (अरब सागर और बंगाल की खाड़ी)

★ **क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान 7वां है । लेकिन जनसंख्या की दृष्टि से भारत का स्थान विश्व में कौन सा है** –दूसरा (जनसंख्या - 1, 027, 015,247)

★ **विश्व जनसंख्या का प्रतिशत** - 16.87% (भारत तथा जनसंख्या घनत्व - 324 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी॰)

★ **प्राकृतिक भाग** -(1) उत्तर का पर्वतीय प्रदेश, (2) उत्तर भारत का विशाल मैदान (3) दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार (4) समुद्र तटीय मैदान तथा (5) थार मरुस्थल।

★ **अक्षांशीय विस्तार** - 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक

★ **देशान्तरीय विस्तार** - 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' के बीच स्थित

★ **पूर्व से पश्चिम लंबाई** - 2,933 किमी॰

★ **उत्तर से दक्षिण लंबाई** - 3,214 किमी॰

★ **स्थलीय सीमा की लंबाई** - 15,200 किमी॰

★ **क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य** - राजस्थान

★ **क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य** - गोवा

★ **क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संघ शासित प्रदेश** - अंडमान निकोबार द्वीपसमूह

★ **क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा संघ शासित प्रदेश** - लक्षद्वीप

★ **जनसंख्या की दृष्टि से भारत का स्थान विश्व में दूसरा है । लेकिन क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का स्थान विश्व में कौन सा है** -7 वां (भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87, 263 वर्ग कि.मी. है । क्रम के हिसाब से रूस, कनाडा, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील, एवं आस्ट्रेलिया देश है)

★ **सीमाएँ** -उत्तर में चीन, नेपाल तथा भूटान, दक्षिण में हिन्द महासागर, श्रीलंका, पूर्व में म्यान्मार, बांग्लादेश एवं बंगाल की खाड़ी, तथा पश्चिम में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अरब सागर

★ **भारत के किस राज्य की सीमाएं अधिकाधिक देशों को छूती हैं** - जम्मू कश्मीर (जम्मू कश्मीर की सीमाएं पाकिस्तान, चीन, अफगानिस्तान एवं ताजिकिस्तान को छूती है)

★ **भारत का मानक समय 82°30' पूर्वी देशान्तर है जो उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद से गुजरती हैं । यह रेखा कितने राज्यों से गुजरती हैं** - 5 राज्यों से (यह रेखा उत्तर से दक्षिण की ओर क्रमशः उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा एवं आंध्र प्रदेश से गुजरती है)

★ **कर्क रेखा भारत के कितने राज्यों से गुजरती है** -8 राज्यों से (पूर्व से पश्चिम की

ओर क्रमशः मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं गुजरात से गुजरती है)

★ **भारत और अफगानिस्तान के मध्य कौन सी सीमा रेखा है** -डूरन्ड रेखा (निर्धारण सन् 1896 ई0 में सर एम0 डूरण्ड द्वारा । वर्त्तमान में यह पाकिस्तान एवं पाक अधिकृत कश्मीर से गुरजती है)

★ **भारत के संलग्न क्षेत्र की सीमा कितने समुद्री मील तक है**-36 समुद्री मील (इस क्षेत्र में भारत को स्वच्छता का प्रबंध करने एवं सीमा शुल्क वसूली का अधिकार प्राप्त है)

★ **भारत का दक्षिणतम बिन्दु का नाम क्या है** -इंदिरा प्वांईट (यह बिन्दु $6^0 30''$ उत्तरी अक्षांश पर ग्रेट निकोबार में स्थित है। यह भूमध्य रेखा से 876 किमी. दूर है । इस बिन्दु का पूर्व नाम ला हि चिंग प्वांईट, पारसन प्वांईट, पिगमलियन प्वांईट है ।)

★ **भारत में सर्वाधिक जनसंख्या वाले तीन राज्य (क्रमशः) हैं** - उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व बिहार

★ **सबसे कम जनसंख्या वाले तीन भारतीय राज्य (क्रमशः) हैं** - सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश

★ **केन्द्र शासित प्रदेशों में सबसे कम जनसंख्या है** - लक्षद्वीप

★ **जनसंख्या घनत्व के अनुसार, भारत के प्रथम पांच शीर्ष राज्य हैं** -पश्चिम बंगाल, बिहार, केरल, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब

★ **सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य है**- अरुणाचल प्रदेश

★ **2001 की जनगणना के मुताबिक सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि दर एवं सबसे कम वृद्धि दर वाले राज्य क्रमशः हैं** - नगालैंड एवं केरल

★ **भारत के तीन सर्वाधिक साक्षर राज्य हैं**- केरल, मिजोरम, गोवा

★ **भारत के तीन सबसे कम साक्षर राज्य हैं** - बिहार, झारखंड, जम्मू-कश्मीर

★ **सबसे कम लिंगानुपात वाले तीन राज्य हैं**- हरियाणा, पंजाब, सिक्किम

★ **केन्द्र शासित प्रदेशों में सर्वाधिक एवं सबसे कम लिंगानुपात है** - पांडिचेरी एवं दमन-दीव

★ **भारत में कुल इसाइयों की संख्या और घनत्व (क्रमशः) सर्वाधिक है** -केरल एवं नागालैण्ड में

★ **बौद्ध एवं जैन धर्म के अनुयायी सबसे ज्यादा (संख्या में) रहते हैं** -महाराष्ट्र में

★ **भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली प्रथम तीन भाषाएं (क्रमशः) हैं** -हिन्दी, तेलुगू, बंगला

★ **भारत में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या और नगरीकृत राज्य (घनत्व की दृष्टि से) क्रमशः हैं** - महाराष्ट्र एवं गोवा

★ **भारत और श्रीलंका के मध्य कौन सी जलसन्धि है** - पाक जलसन्धि (वह जलसन्धि बंगाल की खाड़ी एवं मन्नार की खाड़ी के मध्य है)

★ **भारत का पश्चिमी तट जो गोवा से कुमारी अंतरीप तक फैला है, को किस तट के नाम से जाना जाता है** - मालाबार तट (पश्चिमी तटों को विभिन्न स्थानों

पर विभिन्न नामों से जाना जाता है । कच्छ से सूरत तक के तटीय प्रदेश को काठियावाड़ तट, सूरत से गोवा तक कोंकण तट, तथा गोवा से कुमारी अंतरीप तक मालावार तट)

★ **भारत का पूर्वी तट जो कुमारी अंतरीप से कृष्णा डेल्टा तक विस्तारित है, किस नाम से जाना जाता है**- कोरोमंडल तट (कोरोमंडल का उत्तरी तटीय भाग जो कृष्णा डेल्टा से गंगा मैदान तक विस्तारित है को उत्तरी सरकार तट कहते हैं)

★ **द्वीपों की कुल संख्या** - 247 (204 बंगाल की खाड़ी में और 43 अरब सागर में)

★ **भारत की द्वीपसहित कुल समुद्री सीमा 7516.5 किमी. है । इसमें से केवल प्रायद्वीपीय भारत की समुद्री सीमा 6100 किमी. है । प्रायद्वीपीय भारत की समुद्री सीमा अधिकतम किस राज्य की है** - गुजरात (247 द्वीपों की समुद्री सीमा 1416.7 किमी. को जोड़कर भारत की समुद्री सीमा 7516.5 किमी. हो जाती है । इसका सर्वाधिक विस्तार क्रमशः गुजरात, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु में है)

★ **पश्चिमी घाट (सहयाद्रि पर्वत) में तीन दर्रे पाए जाते है । इसमें सबसे दक्षिणतम दर्रा कौन सा है** -पालघाट (थालघाट, भोरघाट एवं पालघाट दर्रा पश्चिमी घाट में क्रमशः उत्तर से दक्षिण की ओर पाए जाते हैं । इसमें थालघाट दर्रा मुम्बई एवं कोलकाता के मध्य, भोरघाट दर्रा मुम्बई एवं पुणे के मध्य तथा पालघाट दर्रा पश्चिमी घाट एवं नीलगिरि पहाड़ी के मध्य है)

★ **सबसे नवीनतम हिमालय किसे माना जाता है** -शिवालिक या बाह्य हिमालय, शिवालिक हिमालय लंबाई एवं ऊंचाई के आधार पर भी सबसे कम माना जाता है ।

★ **प्रमुख पर्वत** - हिमालय, काराकोरम, अरावली, पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट, विन्ध्याचल, सतपुड़ा, अन्नामलाई, नीलगिरि, मैकाल, इलायची।

★ **पर्वत शिखर** - गाडविन आस्टिन या माउण्ट के-2(8,611 मी॰), कंचन जंघा(8,600 मी॰), नंगा पर्वत (8,126 मी॰), नंदादेवी (7,717 मी॰), कामेत (7,756 मी॰),मकालू (8,078मी॰), अन्नपूर्णा (8,078 मी॰), बद्रीनाथ (7040 मी॰), केदारनाथ (6841 मी॰), त्रिशूल, गंगोत्री, महेन्द्रगिरी (1,501 मी॰) आदि।

★ **प्रमुख नदियाँ** - सिन्धु, सतलज, ब्रह्मपुत्र, गंगा, यमुना, गोदावरी, दामोदर, नर्मदा, ताप्ती, कावेरी, महानदी, घाघरा, गोमती, रामगंगा, चम्बल, कृष्णा आदि।

★ **गंगा में उत्तर से आकर मिलनेवाली नदियों में**-रामगंगा, गोमती, घाघरा, ताप्ती, गंडक, बागमती, बूढ़ी गंडक, कमला, बलान, कोसी तथा महानदी प्रमुख है।

★ **गंगा में दक्षिण से आकर मिलनेवाली नदियों में**-यमुना, चम्बल, वेतवा, केन, टोंस, सरयु, सोन, उ॰ कोयल, चानन, पुनपुन, सकरी, पंचने तथा कर्मनाशा प्रमुख हैं।

★ **भारत की सबसे लम्बी नदी जिसका उद्गम और मुहाना दोनों भारतीय भू-क्षेत्र में है** - गोदावरी

★ **पश्चिम की ओर बहने वाली नदी जो अरब सागर में गिरती हैं** - नर्मदा और ताप्ती

★ **नर्मदा नदी को कहा जाता है**- गुजरात की जीवन रेखा

★ **झील** - डल, बुलर,नैनीताल, सातताल, नागिन, सांभर, डीडवाना,चिल्का, हुसैन सागर, बेम्बानाड आदि ।

7. भारत की जलवायु

सामान्यतः भारत में मानसूनी जलवायु पायी जाती है भारतीय जलवायु को दो प्रमुख तत्वों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है जिनमें पहला है-उत्तर में हिमालय पर्वत की उपस्थिति, जिसके कारण मध्य एशिया से आने वाली शीतल हवाएं भारत में नहीं आ पाती तथा भारतीय जलवायु महाद्वीपीय जलवायु का स्वरूप ग्रहण करती है। दूसरा महत्वपूर्ण तत्व है-दक्षिण में हिन्द महासागर की उपस्थिति एवं भूमध्यरेखा के समीपता ,जिसके कारण उष्ण कटिबन्धीय जलवायु यहाँ पर पायी जाती है ।

गर्मी के दिनों में सम्पूर्ण भारत में तथा पाकिस्तान से सहारा तक कम दबाव का क्षेत्र उत्पन्न हो जाता है। अतः मकर रेखा से चलने वाली व्यापारिक हवाएं भूमध्य रेखा को तेजी से पार करके भारत में मानसून के नाम से प्रवेश करती है और पश्चिमी तट पर तथा असम से कश्मीर तक पर्याप्त वर्षा करती हैं केवल राजस्थान का क्षेत्र शुष्क रह जाता है, क्योंकि अरावली पर्वत उसी दिशा में फैले हैं जिस दिशा में मानसूनी हवाएं अरब सागर से चलती हैं। शीतकाल में रूम सागर से चलने वाले चक्रवात अरब की खाड़ी से जलवाष्प लेते हुए भारत में प्रवेश करते हैं और उत्तरी मैदान में वर्षा करते हैं यही चक्रवात बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करके जलवाष्प प्राप्त कर चेन्नई के तट पर वर्षा करते हैं। यद्यपि वर्षा ऋतु देश के अधिकतर भागों में जून से सितम्बर तक रहती है, किन्तु तमिलनाडु में वर्षा अक्टूबर-दिसम्बर में होती है।

वर्षा की दृष्टि से जलवायु के चार भाग हैं :

(1) **अधिक वर्षा के प्रदेश** - जहां 1,000 मिमी से अधिक वार्षिक वर्षा होती है । इनमें असम, मेघालय , पश्चिम बंगाल और पश्चिम तटीय प्रदेश सम्मिलित हैं । भारत में सबसे अधिक औसत वार्षिक वर्षा (11,405 मिमी) मासिनराम में होती है । यह चेरापूंजी से भी अधिक वर्षा (चेरापूंजी में 10,000 मिमी) वाला स्थान है । ये दोनों स्थान मेघालय में हैं ।

(2) **मध्यम वर्षा के प्रदेश** - जहां 500-1,000 मिमी तक वार्षिक वर्षा होती है । इनमें बिहार, उत्तरी उत्तर प्रदेश, उड़ीसा व हिमाचल प्रदेश सम्मिलित हैं ।

(3) **कम वर्षा के प्रदेश** - जहां 100-500 मिमी तक वार्षिक वर्षा होती है । इनमें राजस्थान व उक्त लिखित राज्यों को छोड़कर समस्त भारत सम्मिलित हैं ।

(4) **शुष्क प्रदेश** - जहां 100 मिमी से कम वार्षिक वर्षा होती है । इनमें राजस्थान व उत्तरी-पश्चिमी गुजरात सम्मिलित है ।

दक्षिण भारत के वे प्रदेश जहां वार्षिक वर्षा 500 मिमी से कम होती है, वृष्टि छाया (rain shadow) प्रदेश कहलाते हैं ।

महत्वपूर्ण तथ्य

★ मानसून शब्द की चर्चा सर्वप्रथम एक नाविक (हिप्पालस) ने किया था, वह कौन था
- **अरबी**

★ कच्छ, राजस्थान एवं लद्दाख में वार्षिक वर्षा की मात्रा लगभग 50 सें. मी. से कम है, ये क्षेत्र किस वर्षा क्षेत्र में आते हैं - **अपर्याप्त वर्षा वाले क्षेत्र**

★ किस महीने में तीव्र तापमान के कारण वायु की आर्द्रता बढ़ जाती है, इससे लोगों

को सर्वाधिक उमस का सामना करना पड़ता है - **अक्टूबर**

★ भारत की चार प्रमुख ऋतुओं में 15 सितम्बर से 15 दिसम्बर तक कौन सी ऋतु होती है - **शरद ऋतु**

★ केरल में मानसून पूर्व चक्रवातीय वर्षा किस रूप में जानी जाती है - **आम्रवर्षा**

★ भारत में सर्वाधिक वर्षा किस प्रकार की होती है - **पर्वतीय वर्षा**

★ पटना में ग्रीष्मकालीन मानसून का आगमन सामान्यत: किस तिथि को माना जाता है -**15 जून**

★ लौटती हुई मानसून या उत्तर-पूर्वी मानसून से भारत के किस राज्य में सर्वाधिक वर्षा होती है - **तमिलनाडु में**

★ विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान मासिनराम (पूर्व में चेरापूंजी) को माना जाता है यह कहां स्थित है - **मेघालय**

★ भारतीय मौसम विभाग ने भारतीय मानसून के अनुसंधान कार्य हेतु कौन सी परियोजना चलायी हैं - **मॉनेक्स 73 (मानसून नेटवर्क)**

★ मध्य जून से भारतीय मौसम बदलने लगता है, तापमान घटने लगता है, वन की गति धीमी पड़ने लगती है और बादल की गरज एवं बिजली की चमक के साथ भारी वृष्टि होने लगती है, मानसून के इस आरंभ को किस नाम से जाना जाता है - **मानसून प्रस्कोट**

★ भारत में शीतलहरी (शीत ऋतु) में पश्चिमी झंझावात का योगदान सर्वाधिक है । किस राज्य में शीतलहरी का प्रभाव सर्वाधिक होता है - **उत्तरांचल**

★ भारत में वार्षिक वर्षा का 73.7 प्रतिशत किस मानसून से होती है- **दक्षिण -पश्चिम मानसून**

8. भारत के वनस्पति प्रदेश

भारत में जलवायु की भिन्नता के कारण वनों में भी भिन्नता पाई जाती है । भारत को 6 वनस्पति प्रदेशों में वर्गीकृत किया जाता है जो निम्न प्रकार हैं :

(1) **पर्वतीय वन** - हिमालय पर पाए जाने वाले वन इस श्रेणी में आते हैं। यहां 1,220 मीटर की ऊंचाई तक के प्रदेश में घने सदाबहार के वन पाए जाते हैं जो उष्ण कटिबन्ध के वनों के समान हैं । इसमें बांस, सागौन, रोजवुड, फर्न , आदि के वृक्ष हैं। 1,220 से 2,440 मीटर तक के प्रदेश में शीत कटिबन्ध के सदाबहार बन पाए जाते हैं जिनमें पाए जाने वाले मुख्य वृक्ष ओक तथा बर्च हैं । 3,600 मीटर तक पाए जाने वाले वन कोणधारी हैं जिनके वृक्ष देवदार फर, पाइन, स्प्रूस, आदि हैं ।

(2) **उष्ण कटिबन्धीय सदाबहार वन** - इनमें अधिक वर्षा तथा के कारण बांस, बेल, शीशम, पलाश, नारियल, सिनकोना, बेंत, आदि के वृक्ष मिलते हैं । इन वृक्षों की पत्तियां चौड़ी और शिखर छतरीनुमा होते हैं । ये वन असम, पश्चिमी तट तथा पूर्वी हिमालय में पाए जाते हैं ।

(3) **मानसूनी या पतझड़ वाले वन** - यह वन तराई क्षेत्र, बंगाल, बिहार, पूर्वीतट, उड़ीसा,

आदि में पाए जाते हैं । इनमें साल, सागौन, आम, महुआ, सेमल, शहतूत, आदि मुख्य हैं । ये वृक्ष वर्ष में एक बार अपनी पत्तियां गिरा देते हैं । सागौन के वन महाराष्ट्र व कर्नाटक में बहुत हैं।

(4) घास के मैदान – ये मैदान कम वर्षा वाले स्थानों पर पाए जाते हैं विशेषकर मध्य भारत में । इनमें मुख्य रूप से घास, मूंज, कांस तथा सवाई, आदि हैं जिन्हें काटकर अब खेती के मैदान बना दिए गए हैं ।

(5) मरुस्थल वन – अत्यन्त कम वर्षा के प्रदेशों में मरुस्थलीय वनस्पति पाई जाती है। इसके प्रदेश राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दक्षिण पंजाब , मद्रास, आदि हैं। इनके वनों में झाड़ियां , कांटेदार वृक्ष, बबूल, कैकटस, आदि पाए जाते हैं ।

(6) डेल्टा के वन – यहाँ भूमि दलदली होने के कारण मैंग्रोव, हैटीरिया तथा सुन्दरी के वृक्ष उगते हैं । यह गंगा, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी के डेल्टाओं में पाए जाते हैं । गंगा -ब्रह्मपुत्र के डेल्टा क्षेत्रों में सुन्दरी वृक्ष की अधिकता के कारण इस क्षेत्र को 'सुन्दरवन' कहा जाता है ।

डेल्टा क्षेत्र की वनस्पति को ' मैनग्रोव' वनों के नाम से जाना जाता है। इनकी मुख्य विशेषता यह है कि इनके तनों से जड़ें निकलती रहती हैं, जैसे बरगद का पेड़ ।

महत्वपूर्ण तथ्य

★ वर्षा के असमान वितरण तथा उच्चावचन की विभिन्नता के आधार पर भारत को 6 वनस्पति प्रदेशों में बांटा गया है । किस वन की औसत वार्षिक वर्षा 50 से 100 सें.मी. होती है – **आर्द्र मानसूनी वन**

★ पूर्वी हिमालय में कितनी ऊंचाई पर हिमरेखा पाई जाती है – **5100 मीटर**

★ राष्ट्रीय वन नीति 1952 (संशोधित 1988) के अनुसार भारत के कितने प्रतिशत क्षेत्र पर वनों का आवरण होना चाहिए, जिसे पर्यावरण संतुलन की दृष्टि से अनुकूल माना जाता है – **33 प्रतिशत**

★ भारत के किस राज्य में वास्तविक वनाच्छादित क्षेत्र का प्रतिशत या वन घनत्व सर्वाधिक है – **मिजोरम**

★ किस राज्य में वनों का भौगोलिक विस्तार सबसे अधिक हुआ है – **महाराष्ट्र**

★ भारत को 10 जैव भौगोलिक क्षेत्रों में विभाजित किया गया है जबकि भारत में जैविक विविधता के संरक्षण हेतु 14 जैवमण्डल विकसित करने का लक्ष्य है । इनमें से कितने जैवमंडल की स्थापना हो चुकी है – **8**

★ क्योटो सम्मेलन (1997) के अनुसार ग्रीन हाउस गैस के लिए 6 गैसें मुख्य रूप से उत्तदायी हैं, वे कौन हैं – **CO_2, मीथेन, NO_2, सीएफसी तथा सल्फर हेक्साक्लोराइड**

रत्नसागर सामान्य ज्ञान
अंग्रेजी भाषा में भी उपलब्ध

9. भारत की मिट्टियाँ

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद (ICAR) दिल्ली ने भारत की मिट्टियों को जलवायु, वर्षा, प्रवाह-प्रणाली, आदि के आधार पर 8 भागों में बांटा है :

(1) लाल मिट्टी (Red Soil) - यह मिट्टी मध्य प्रदेश के बुन्देलखण्ड से लेकर सुदूर दक्षिण तक पाई जाती है । इसका क्षेत्र लगभग 2 लाख वर्ग किमी है यह मिट्टी आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश के रीवा, सतना, पन्ना, छतरपुर व रायगढ़ जिलों में; बिहार के संथाल परगना और छोटा नागपुर के पठार; पश्चिम बंगाल के वीरभूम, वर्दमान, बांकुरा और मिदनापुर जिलों में; मेघालय की खासी, जयन्तिया, गारो पहाड़ियों में; राजस्थान के अरावली पर्वत के पूर्वी और दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्रों (उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा व बांसवड़ा जिलों) तथा दक्षिण -पूर्वी महाराष्ट्र, कर्नाटक , तमिलनाडु के कुछ भागों में मिलती है । इस मिट्टी में लोहे के अंश होते हैं जिसके कारण इसका रंग लाल हो गया है । कहीं इसी मिट्टी का रंग भूरा, चाकलेटी, पीला अथवा काला भी हो गया है, क्योंकि ग्रेनाइट आदि चट्टानों से बनने के कारण ही चट्टान के चाकलेट रंग वाले खनिजों (जैसे फैल्सपार) के महीन कण इसमें पाए जाते हैं ।

(2) काली मिट्टी (Black Soil) - इस मिट्टी का निर्माण लावा शैलों की तोड़ -फोड़ की प्रक्रिया द्वारा हुआ है । इस मिट्टी का रंग काला होता है । इसमें रासायनिक तथा खनिज तत्वों का बाहुल्य होता है, इसलिए इसका रंग काला होता हैं । इसमें कपास की खेती अच्छी होती है । इसलिए इसे कपास मिट्टी या रेगर मिट्टी भी कहते हैं । यह मिट्टी गुजरात से अमरकंटक तथा पुणे से बेलगाम तक विस्तृत है । इसका महारष्ट्र व गुजरात में अधिकांश भाग है । पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तरी कर्नाटक , पश्चिमी आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में तिरूनेलवेली से कर्नूल तक लगभग 5 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में यह मिट्टी विस्तृत है । काली मिट्टी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पानी को बहुत समय तक धारण कर सकती है ।

(3) लेटराइट मिट्टी (Laterite Soil) - लेट (Late) का अर्थ ईट (Brick) होता है। यह मिट्टी ईट के समान दिखाई पड़ती है, अत: लैटेराइट मिट्टी कहलाती है तथा मानसूनी वर्षा के उष्णकटिबन्धीय प्रदेश की विशेष मिट्टी है । वर्षा में शुष्क और तर मौसम बारी-बारी से होता है जिसके कारण शैल टूटती-फूटती रहती है और लेटराइट मिट्टी का निर्माण होता है । यह मिट्टी ऐलुमिना और लोहे के ऑक्साइड के मिश्रण से बनती है । इसमें लोहे का ऑक्साइड लगभग 18.7% और सिलिका लगभग 33.62% रहता है । इसमें चूना, पोटाश व फॉस्फोरिक एसिड की बहुत कमी रहती है । अत: यह उपजाऊ मिट्टी नहीं कही जा सकती है ।

यह मिट्टी राजमहल की पहाड़ियों (झारखण्ड), ग्वालियर, पन्ना व रीवा (मध्य प्रदेश), पूर्वी घाट का अधिकांश भाग, मेघालय, उड़ीसा, कर्नाटक, दक्षिणी महाराष्ट्र और मालाबार के तट की पहाड़ियों पर पाई जाती है । भारत में यह मिट्टी लगभग 1.22 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में विस्तृत है ।

(4) जलोढ़ मिट्टी (Alluvial Soil) - भारत के उत्तरी भाग में जलोढ़ मिट्टी का विस्तार है। यह मिट्टी पंजाब, हरियाणा, उत्तरी-पूवी राजस्थान, उत्तर प्रदेश (उत्तराखण्ड को छोड़कर), उत्तरी बिहार, पश्चिमी बंगाल (उत्तरी भाग को छोड़कर), असम में ब्रह्मपुत्र घाटी, गुजरात,

पूर्वी व पश्चिमी सागर तटीय मैदानों में लगभग 7.68 लाख वर्ग किमी क्षेत्र मिलती है । इस मिट्टी में बालू की प्रधानता होती है । भाबर क्षेत्र में इस मिट्टी में मोटी बालू तथा कंकड़-पत्थर भी पाए जाते हैं । यह दोमट मिट्टी है । इसमें चूना, सोडियम, पोटाश तथा फॉस्फोरस की मात्रा पर्याप्त होती है । यह हल्के भूरे या पीले रंग की होती है । यह मिट्टी विभिन्न कृषि फसलों के लिए उपयोगी है ।

जलोढ़ मिट्टी तीन प्रकार की होती है । (i) पुरातन जलोढ़, (ii) नूतन जलोढ़, और (iii) नूतनतम जलोढ़। पुरातन जलोढ़ को बांगार और नूतन जलोढ़ को खादर भी कहते हैं। जलोढ़ को कांप मिट्टी भी कहते है ।

(5) लवण मिश्रित एवं क्षार युक्त मिट्टी - क्षार युक्त मिट्टी में सोडियम एवं कैल्सियम तत्वों का सम्मिश्रण रहता है जबकि लवणयुक्त मिट्टी में नाइट्रोजन के लवण मिश्रित रहते हैं । इसे ऊसर भूमि भी कहते हैं । यह देश के लगभग सभी जलवायु प्रदेश में फैली है। इस मिट्टी में उर्वरता नहीं होती है, क्योंकि इसमें जीवाश्म, आदि नहीं होते हैं ।

(6) हल्की काली एवं दलदली मिट्टी - जिन क्षेत्रों में वनस्पति के अंश, जीवाणु, आदि की अधिकता होती है, वहां की मिट्टी हल्की काली होती है । यह नम भागों में, मुख्यत: केरल में पाई जाती है । दलदली मिट्टी उड़ीसा के तटीय भागों , सुन्दरवन तथा पश्चिमी बंगाल के सीमित भागों, उत्तरी बिहार तथा तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर फैली हुई है ।

(7) वनों वाली या पर्वतीय मिट्टी(Mountain Soil) - यह मिट्टी हिमालय क्षेत्र में पाई जाती है। इसका विस्तार जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश का गढवाल व कुमायूं क्षेत्र, सिक्किम, पश्चिम बंगाल का उत्तरी भाग (दार्जिलिंग क्षेत्र), अरुणाचल प्रदेश आदि राज्यों में है । यह नवीन प्रकार की मिट्टी हैं । इसमें मिट्टी के कण बड़े और कंकड़ व पत्थर के टुकड़े मिश्रित होते हैं । अधिकांश भाग में इस मिट्टी की परत बहुत ही पतली है । इस मिट्टी पर कहीं-कहीं तो वन हैं और कहीं-कहीं सीढ़ीनुमा खेते हैं, जहां कृषि की जाती है । इस मिट्टी के क्षेत्रीय उपभागों के रूप में चाय मिट्टी, चना वाली मिट्टी, टरशरी मिट्टी और आग्नेय मिट्टी प्रदेश भी शामिल हैं।

(8) रेतीली या मरुस्थलीय मिट्टी (Desert Soil) - रेतीली या मरुस्थलीय मिट्टी राजस्थान के पश्चिमी भाग, पंजाब के दक्षिणी-पश्चिमी भाग, हरियाणा के पश्चिमी भाग और गुजरात के उत्तरी भाग में पाई जाती है । इस मिट्टी में कहीं-कहीं कंकड़ तथा नमक के अंश भी मिलते हैं । इसमें नत्रजन (नाइट्रोजन), जीवांश तथा अन्य पोषक तत्वों की कमी रहती है। सिंचाई के साधन उपलब्ध होने पर यहां कृषि की जा सकती है । इसका विस्तार लगभग 144 लाख हेक्टेयर भू-भाग पर है ।

महत्वपूर्ण तथ्य

★ भारतीय मिट्टी को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने कितने भागों में बाँटा है - **8 भाग**

★ भारतीय भू-भाग में सबसे ज्यादा विस्तार किस मिट्टी का है - **जलोढ़ मिट्टी**

★ कपासी मिट्टी के नाम से कौन सी मिट्टी जानी जाती है - **काली मिट्टी**

★ लाल मिट्टी का सर्वाधिक विस्तार किस राज्य में है - **तमिलनाडु**

★ निक्षालन की प्रक्रिया से किस मिट्टी में का निर्माण होता है - लैटेराइट मिट्टी
★ चाय की खेती सर्वाधिक किस मिट्टी में होती है - पर्वतीय मिट्टी
★ सुन्दरी वृक्ष बिहार के किस मिट्टी में उगती है - डेल्टाई मिट्टी
★ नमकीन एवं क्षारीय मिट्टी को बिहार में क्या कहा जाता है- ऊसर या रेह
★ 7 से कम पी0 एच0 (Ph-7) मान वाली मिट्टी को क्यो कहते हैं-अम्लीय मिट्टी
★ रेंगती हुई मृत्यु किसको कहते हैं - मृदा के सतह अपरदान को

10. भारत की नदियाँ

नदी	उद्गम	संगम/मुहाना	लंबाई किमी०
सतलज	मानसरोवर झील (तिब्बत)के समीप स्थित राकस ताल	चिनाब	1,500
सिन्धु	मानसरोवर झील के पास	अरब सागर	2,880
रावी	रोहतांग दर्रे के समीप	चिनाब नदी	725
व्यास	रोहतांग दर्रे के समीप	सतलज नदी	625
झेलम	बेरेनाग (कश्मीर) के समीप	चिनाब नदी	1,180
गंगा	गंगोत्री के पास गोमुख हिमानी	बंगाल की खाड़ी	2,071
यमुना	यमुनोत्री हिमानी	प्रयाग	1,375
चम्बल	जसापाव पहाड़ी (मध्य प्रदेश)	इराबा	658
घाघरा	नेपाल में मप्सतुग हिमानी	गंगा नदी	1,080
गण्डक	नेपाल	पटना के समीप गंगा	425
कोसी	गोसाईंथान चोटी	काढ़ागोला के पास गंगा	730
बेतवा	विंध्याचल पर्वत	यमुना	480
सोन	अमरकण्टक की पहाड़ियाँ	गंगा (पटना)	780
ब्रह्मपुत्र	तिब्बत में मानसरोवर झील के समीप हिमानी	बंगाल की खाड़ी	2,900
नर्मदा	विंध्याचल के निकट अमरकंटक	खम्भात की खाड़ी	1,312
ताप्ती	मुल्ताई नगर के पास(म०प्र०)	खम्भात की खाड़ी	724
महानदी	सिहवा के समीप (म० प्र०)	बंगाल की खाड़ी	857
क्षिप्रा	काकरी बरडी पहाड़ी	चम्बल नदी	-
तवा	महादेव पर्वत पंचमढ़ी	नर्मदा नदी	-
इन्द्रावती	उड़ीसा के कालाहांडी क्षेत्र	गोदावरी नदी	513
काली सिन्ध	विंध्याचल पर्वत	राजस्थान में यमुना	416
केन	विंध्याचल श्रेणी	यमुना नदी	-
माही	अरावली पर्वत श्रेणी	खम्भात की खाड़ी	533

बनास	अरावली श्रेणी	चम्बल नदी	270
पार्वती	विंध्याचल पर्वत	चम्बल नदी	–
लूनी	नाग पहाड़ (अजमेर जिले)	कच्छ की खाड़ी	330
घग्घर	हिमाचल प्रदेश (कालका के समीप)–	–	
बाण-गंगा	बैराठ पहाड़ियाँ	यमुना नदी	494
साबरमती	उदयपुर जिले के समीप	कच्छ का रण	416
कृष्णा	महाबलेश्वर के समीप	बंगाल की खाड़ी	1,400
गोदावरी	यंवक गाँव की पहाड़ी (नासिक)	बंगाल की खाड़ी	1465
कावेरी	ब्रह्मगिरि पहाड़ी	बंगाल की खाड़ी	805
तुंगभद्रा	प० घाट पहाड़ (कर्नाटक)	कृष्णा नदी	640
पेन्नार	नंदी दुर्ग पहाड़ी (कर्नाटक)	बंगाल की खाड़ी	570
द० टोंस	तमसकुण्ड जलाशय (कैमूर पहाड़ी)	सिरसा के समीप	265
हुगली	नवद्वीप (नादिग्ग, प० बंगाल)	बंगाल की खाड़ी	–
दामोदर	छोटानागपुर के टोरी नामक स्थान से	हुगली नदी	541

11. नदी एवं उनकी सहायक नदियाँ

★ **सिन्धु नदी** – हिमालय से इसकी कई सहायक नदियाँ निकलती हैं :–गतांग, जास्कर, ट्रास, शियोक, शिगर, गिलागत, तथा हन्जा। मैदानी भाग में इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास तथा सतलज नदियाँ हैं जो मेथन–कौट (पाकिस्तान) के निकट सिन्धु से मिलती हैं। चिनाब सिन्धु की सभी सहायक नदियों में सबसे बड़ी है। हिमाचल प्रदेश में इसे चंद्र भागा कहते हैं।

★ **गंगा** – गंगा के दाहिने किनारे पर इससे मिलने वाली मुख्य सहायक नदियाँ- टोन्स, पुनपुन, यमुना, और सोन हैं जबकि बायें किनारे पर मिलने वाली सहायक नदियों में रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, एवं महानंदा प्रमुख हैं। इस नदी का नाम गंगा तब पड़ता है जब अलकनन्दा और भागीरथी आकर देवप्रयाग में मिलती हैं। बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इसे पद्मा के नाम से तथा समुद्र में मिलने से पूर्व गंगा जब ब्रह्मपुत्र से मिल जाती है तो इसे लोग यमुना एवं मेघना कहते हैं।

★ **यमुना** – चम्बल, बेतवा तथा सोन इसकी सहायक नदियाँ हैं। यह इलाहाबाद के निकट गंगा में मिल जाती है। जिसे संगम कहते हैं ।

★ **घाघरा** – ताप्ती और शारदा इसकी सहायक नदियाँ हैं।

★ **कोसी** – अरून तथा तमूर इसकी सहायक नदियाँ हैं।

★ **दामोदर** – बराकर, कोनर एवं जमुना इसकी सहायक नदियाँ हैं।

★ **ब्रह्मपुत्र** – तिब्बत में इसे सांगपो तथा अरूणाचल प्रदेश में दिहांग तथा लोहित, दिहांग एवं दिबांग नदियों के संगम के बाद यह ब्रह्मपुत्र कहलाती है। बांग्लादेश के उत्तरी भाग में इसका नाम जमुना, मध्य भाग में इसे पद्मा तथा गंगा में मिलने के बाद इस संयुक्त धारा को मेघना कहते हैं। राका, सांगपो, नांगचू, कीचू, छू, दिहांग, लोहित, धनश्री, मानस और तिस्ता इसकी सहायक नदियाँ हैं।

★ **नर्मदा** – शेर, दुट्टी, तवा तथा हिरन इसकी सहायक नदियाँ हैं। नर्मदा भारत की सर्वाधिक सीधी बहने वाली नदी है।

★ **ताप्ती** – बायें तट पर मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियों में पुरना, बैघर, गिरना, बोरी तथा पंझरा तथा दाहिनें तट पर आनेर नदी आकर मिलती हैं।

★ **महानदी** – शिवनाथ, हसदेव, मन्ड, तथा ईब इसकी सहायक नदियाँ हैं।

★ **गोदावरी** – विशाल आकार एवं विस्तार के कारण इसे वृद्ध गंगा या दक्षिण गंगा भी कहा जाता है। इसकी सहायक नदियों में प्रवरा, पुरना, मनप्रा, पैन गंगा, बैन गंगा, वर्धा, प्राणहिता, इन्द्रावती, मानेर तथा सबासी आदि महत्त्वपूर्ण हैं।

★ **कृष्णा नदी** – कोचना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा, मूसी तथा मुनेरू इसकी सहायक नदियाँ हैं।

★ **कावेरी नदी** – इसके दाहिने तट पर लक्ष्मण तीर्थ, काबिनी, सुवर्णावती, एवं भवानी तथा बायें तट पर हेराजी, हेमावती, शिम्शा, तथा अर्कावती प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।

12. बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ

परियोजना का नाम	नदी	लाभान्वित होने वाले राज्य
भाखड़ा नांगल परियोजना	सतलज नदी	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान
व्यास परियोजना	व्यास नदी	राजस्थान, पंजाब हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश
दामोदर घाटी योजना	दामोदर नदी	झारखण्ड, पश्चिम बंगाल
हीराकुण्ड बाँध परियोजना	महानदी	उड़ीसा
चम्बल परियोजना	चम्बल नदी	राजस्थान तथा मध्य प्रदेश
तुंगभद्रा परियोजना	तुंगभद्रा नदी	आन्ध्र प्रदेश तथा कर्नाटक
मयूराक्षी परियोजना	मयूराक्षी नदी	प० बंगाल
नागार्जुन सागर परियोजना	कृष्णा नदी	आन्ध्र प्रदेश
कोसी परियोजना	कोसी नदी	बिहार तथा नेपाल
गण्डक नदी परियोजना	गण्डक नदी	बिहार, नेपाल
फरक्का परियोजना	गंगा, भागीरथी	पश्चिम बंगाल
काकड़ापारा परियोजना	ताप्ती नदी	गुजरात
तवा परियोजना	तवा नदी	मध्य प्रदेश
नागपुर शक्तिगृह परियोजना	कोराडी नदी	महाराष्ट्र
इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना	सतलज नदी	राजस्थान, पंजाब तथा हरियाणा
उकाई परियोजना	ताप्ती नदी	गुजरात
पोचम्पाद परियोजना	गोदावरी नदी	कर्नाटक
माल प्रभा परियोजना	माल प्रभा नदी	कर्नाटक
माही परियोजना	माही नदी	उड़ीसा

महानदी डेल्टा परियोजना	महानदी	उड़ीसा
रिहन्द योजना	रिहन्द नदी	उत्तर प्रदेश
कुण्डा परियोजना	कुण्डा नदी	तमिलनाडु
दुर्गा वैराज	दामोदर नदी	प० बंगाल तथा झारखण्ड
इडुक्की परियोजना	पेरीयार नदी	केरल
टेहरी बाँध परियोजना	गंगा नदी	उत्तर प्रदेश
माताटीला परियोजना	बेतवा नदी	उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश
कोयना परियोजना	कोयना नदी	महाराष्ट्र
रामगंगा परियोजना	रामगंगा नदी	उत्तर प्रदेश
ऊपरी कृष्णा परियोजना	कृष्णा नदी	कर्नाटक
घाट प्रभा परियोजना	घाट प्रभा नदी	कर्नाटक
भीमा परियोजना	पवना नदी(पूणे)	महाराष्ट्र
भद्रा परियोजना	भद्रा नदी	कर्नाटक
जायकवाड़ी परियोजना	गोदावरी नदी	महाराष्ट्र
रंजीत सागर बाँध परियोजना	रावी नदी	पंजाब
हिडकल परियोजना	घाट प्रभा नदी	कर्नाटक
सलाल परियोजना	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर
नाथपा-झकरी परियोजना	सतलज नदी	गुजरात
पानम परियोजना	पानम नदी	गुजरात
कोलडैम परियोजना	सतलज नदी	हिमाचल प्रदेश
कांगसावती परियोजना	कांगसावती	पश्चिम बंगाल
पराम्बिकुलम-अलियार परि०	8 छोटी नदियाँ	तमिलनाडु एवं केरल
मुचकुण्ड परियोजना	मुचकुण्ड नदी	उड़ीसा तथा आन्ध्र प्रदेश
गिरना परियोजना	गिरना नदी	महाराष्ट्र
शारदा परियोजना	शारदा, गोमती नदी	उत्तरप्रदेश
पूर्णा परियोजना	पूर्णा नदी	महाराष्ट्र
बार्गी परियोजना	बार्गी नदी	मध्य प्रदेश
हंसदेव बंगो परियोजना	हंसदेव नदी	मध्य प्रदेश
दण्डकारण्य परियोजना	–	उड़ीसा, मध्य प्रदेश
शरावती परियोजना	शरावती नदी	कर्नाटक
पंचेत बाँध	दामोदर नदी	झारखण्ड, प० बंगाल
गंगा सागर परियोजना	चम्बल नदी	मध्य प्रदेश
वाणसागर परियोजना	सोन	बिहार, उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश
नर्मदा सागर परियोजना	नर्मदा	मध्य प्रदेश तथा गुजरात
राणा प्रताप सागर परियोजना	चम्बल	राजस्थान
जवाहर सागर परियोजना	चम्बल	

सरहिन्द नहर परियोजना	सतलज नदी	हरियाणा
तुलबुल परियोजना	झेलम नदी	भारत, पाकिस्तान
दुलहस्ती परियोजना	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर
तिलैया परियोजना	बराकर (दामोदर)	झारखण्ड
सरदार सरोवर परियोजना	नर्मदा नदी	म० प्र०, महाराष्ट्र, राजस्थान

13. नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर

नगर		नदी	नगर		नदी
आगरा	-	यमुना नदी	अयोध्या	-	सरयू नदी
बद्रीनाथ	-	अलकनंदा	कलकत्ता	-	हुगली नदी
इलाहाबाद	-	गंगा यमुना व सरस्वती का संगम	लखनऊ	-	गोमती नदी
दिल्ली	-	यमुना नदी	डिब्रूगढ़	-	ब्रह्मपुत्र नदी
फिरोजपुर	-	सतलज नदी	गौहाटी	-	ब्रह्मपुत्र नदी
हरिद्वार	-	गंगा नदी	जबलपुर	-	नर्मदा नदी
कानपुर	-	गंगा नदी	कोटा	-	चम्बल नदी
कुर्नूल	-	तुंगभद्रा नदी	कटक	-	महानदी
सोकोवाघाट	-	ब्रह्मपुत्र नदी	नासिक	-	गोदावरी
पटना	-	गंगा नदी	सम्बलपुर	-	महानदी
श्रीनगर	-	झेलम नदी	श्रीरंगपटनम्	-	कावेरी नदी
सूरत	-	ताप्ती नदी	वाराणसी	-	गंगा नदी
विजयवाड़ा	-	कृष्णा नदी	लुधियाना	-	सतलज नदी
पंढ़रपुर	-	भीम नदी	हैदराबाद	-	मूसी नदी
बरेली	-	रामगंगा नदी	मथुरा	-	यमुना नदी
ओरछा	-	वेतवा नदी	जमशेदपुर	-	स्वर्ण रेखा नदी
उज्जैन	-	क्षिप्रा नदी	अहमदाबाद	-	साबरमती नदी

14. भारत की प्रमुख झीलें

झील		सम्बन्धित राज्य	झील		सम्बन्धित राज्य
डल झील	-	जम्मू-कश्मीर	नागिन झील	-	जम्मू-कश्मीर
बुलर झील	-	जम्मू-कश्मीर	शेषनाग झील	-	जम्मू-कश्मीर
बैरीनाग झील	-	जम्मू-कश्मीर	अनंतनाग झील	-	जम्मू-कश्मीर
मानस बल झील	-	जम्मू-कश्मीर	लुनकरनसर झील	-	राजस्थान
राजसमंद झील	-	राजस्थान	जयसमंद झील	-	राजस्थान
पिछौला झील	-	राजस्थान	फतेहसागर झील	-	राजस्थान
सांभर झील	-	राजस्थान	डींडवाना झील	-	राजस्थान

सातताल झील	- उत्तरांचल	देवताल झील	- उत्तरांचल
नैनीताल झील	- उत्तरांचल	नौकुछियाताल झील	- उत्तरांचल
राकसताल झील	- उत्तरांचल	खुरपाताल झील	- उत्तरांचल
मालाताल झील	- उत्तरांचल	कोलेरू झील	- आन्ध्रप्रदेश
हुसैनसागर झील	- आन्ध्र प्रदेश	चिल्का झील	- उड़ीसा
पुलीकट झील	-तमिलनाडु	लोनार झील	- महाराष्ट्र
लोकटक झील	-मणिपुर	बेम्बानाड झील	- केरल

15. भारत के प्रमुख जलप्रपात

जलप्रपात	स्थिति	ऊँचाई
जोग या गरसोप्पा (महात्मा गाँधी जलप्रपात)	शरावती नदी	255मी॰
येना जलप्रपात	महाबलेश्वर के समीप नर्मदा नदी	183 मी॰
शिव समुद्रम्	कावेरी नदी	90 मी॰
गोकक	कृष्णा की सहायक गोकक नदी	55 मी॰
पायकारा जलप्रपात	नीलगिरि क्षेत्र	- -
चूलिया	चम्बल नदी	18 मी॰
पुनासा	चम्बल नदी	12 मी॰
मधार	चम्बल नदी	12 मी॰
बिहार जलप्रपात	नर्मदा नदी	10 मी॰
धुंआधार जलप्रपात	नर्मदा नदी	10 मी॰
हुंडरू जलप्रपात	स्वर्ण रेखा नदी	

16. भारत के पर्वतीय नगर

पर्वतीय नगर	राज्य	समुद्र तल से ऊँचाई
गुलमर्ग	जम्मू-कश्मीर	2651 मी॰
ऊँटी (ऊटकमंड)	तमिलनाडु	2286 मी॰
शिमला	हिमाचल प्रदेश	2206 मी॰
पहलगांव	जम्मू कश्मीर	2195 मी॰
दार्जिलिंग	प॰ बंगाल	2134 मी॰
कोडाईकनाल	तमिलनाडु	2133 मी॰
लैंस डाउन	उत्तरांचल	2118 मी॰
डलहौजी	हिमाचल प्रदेश	2035 मी॰
मसूरी	उत्तरांचल	2005 मी॰
कोटगिरि	तमिलनाडु	1981 मी॰

मुक्तेश्वर	उत्तरांचल	1974 मी॰
नैनीताल	उत्तर प्रदेश	1938 मी॰
कसौली	हिमाचल प्रदेश	1890 मी॰
कुन्नूर	तमिलनाडु	1859 मी॰
गंगटोक	सिक्किम	1850 मी॰
मनाली	हिमाचल प्रदेश	1829 मी॰
रानीखेत	उत्तरांचल	1829 मी॰
राँची	झारखण्ड	1800 मी॰
मिरिक	प॰ बंगाल	1800 मी॰
श्री नगर	जम्मू कश्मीर	1768 मी॰
कोटलिम	तमिलनाडु	1676 मी॰
भुवाली	उत्तरांचल	1650 मी॰
अल्मोड़ा	उत्तरांचल	1646 मी॰
शिलांग	मेघालय	1496 मी॰
सोलन	हिमाचल प्रदेश	1494 मी॰
नंदी हिल्स	कर्नाटक	1474 मी॰
येरकार्ड	तमिलनाडु	1459 मी॰
महाबलेश्वर	महाराष्ट्र	1372 मी॰
कालिम्पोंग	प॰ बंगाल	1250 मी॰
धर्मशाला	हिमाचल प्रदेश	1250 मी॰
कुल्लूघाटी	हिमाचल प्रदेश	1219 मी॰
माऊंट आबू	राजस्थान	1219 मी॰
पंचगनी	महाराष्ट्र	1219 मी॰
मन्नार	केरल	1158 मी॰
पंचमढ़ी	मध्य प्रदेश	1067 मी॰
केमानगुंडी	कर्नाटक	914 मी॰
पेरियार	केरल	914 मी॰
मंडी	हिमाचलप्रदेश	709 मी॰
लोनावाला	महाराष्ट्र	620 मी॰
खांडला	महाराष्ट्र	620 मी॰

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामान्य रूप से उपयोगी
रत्नसागर हिन्दी व्याकरण और रचना
अवश्य पढ़ें !
सर्वत्र उपलब्ध रश्मि प्रकाशन (P & D) आज ही खरीदें।

17. भारतीय राज्यों की राजधानी, भाषा एवं क्षेत्रफल

राज्य	राजधानी	भाषा	क्षेत्रफल (वर्ग किमी॰)
बिहार	पटना	हिन्दी	99,200
प॰ बंगाल	कलकत्ता	बंगला	88,752
असम	दिसपुर	असमिया, बंगला	78,438
आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	तेलगू	2,75,068
उड़ीसा	भुवनेश्वर	उड़िया	1,55,782
उत्तर प्रदेश	लखनऊ	हिन्दी	2,94,411
कर्नाटक	बंगलौर	कन्नड़	1,91,791
केरल	तिरूवनन्तपुरम	मलयालम	38,863
गुजरात	गाँधी नगर	गुजराती	1,96,024
जम्मू कश्मीर	श्री नगर	कश्मीरी, डोगरी	22,236
तमिलनाडु	चेन्नई	तमिल	1,30,058
त्रिपुरा	अगरतल्ला	बंगला, त्रिपुरी	10,486
नागालैंड	कोहिमा	नागा, असमिया और अंग्रेजी	16,579
पंजाब	चण्डीगढ़	पंजाबी	50,362
हरियाणा	चण्डीगढ़	हिन्दी	44,212
मणिपुर	इम्फाल	मणिपुरी	22,237
मध्य प्रदेश	भोपाल	हिन्दी	2,96,480
महाराष्ट्र	मुम्बई	मराठी	3,07,726
मेघालय	शिलांग	पहाड़ी, असमिया	22,429
राजस्थान	जयपुर	राजस्थानी और हिन्दी	3,42,239
हिमाचल प्रदेश	शिमला	हिन्दी और पहाड़ी	55,673
सिक्किम	गंगटोक	गोरखाली, सिक्कमी	7,096
मिजोरम	आइजॉल	मिजो और अंग्रेजी	21,081
अरूणाचल प्रदेश	ईटानगर	पहाड़ी या कबीलाई	83,743
गोवा	पणजी	कोंकणी और मराठी	3,702
झारखण्ड	राँची	हिन्दी	74,677
उत्तरांचल	देहरादून	हिन्दी	51,125
छत्तीसगढ़	रायपुर	हिन्दी	1,46,361

संघीय प्रदेश

दिल्ली	नई दिल्ली	हिन्दी (दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)	1,483
चण्डीगढ़	चण्डीगढ़	पंजाबी, हिन्दी	114
लक्षद्वीप	कवरती	मलयालम	32
पांडिचेरी	पांडिचेरी	तमिल, फ्रेंच	492

दमन और दीव	दमन	कोंकणी, मराठी	112
दादर व नगर हवेली	सिलवासा	गुजराती, मराठी, कोंकणी	491
अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह	पोर्ट ब्लेयर	अंडमानी, बंगला	8,249

18. राज्यों से संबंधित लोकनृत्य

1. बिहार -छऊ, सरहुल, जट-जटिन, करमा, डांगा, विदेशिया, सोहराई
2. उत्तर प्रदेश -गढ़वाली, नौटंकी, कजरी, झोरा, रासलीला चपादी
3. आन्ध्र प्रदेश -कुचीपुड़ी, घटामर्दाल, मोहिनीअट्टम, कुम्मी, सीद्धि मधुरी
4. मध्य प्रदेश -गौडो, करमा, झूमर, डागला, पाली, टपाली, नवरानी, दिवारी
5. अरूणाचल प्रदेश -मुखौटा, नृत्य, युद्ध नृत्य आदि
6. हिमाचल प्रदेश -धमान, छपेली, महाथू, नटी, डांगी, चम्बा आदि
7. गोवा -माण्डो, झागोर, खोल, ढकनी आदि
8. असम -बिहू, बिछुआ, नटपूजा महारास, खेल, गोपाल, झुमुरा होब्जा आदि
9. प० बंगाल -काठी, गम्भीरा, ढाली, जात्रा, बाउल, मरसिया आदि
10. केरल -कथकली, ओट्म, थुलाल मोहिनीअट्टम, काली अट्टम
11. मेघालय -लाहो, बांग्ला आदि
12. मणिपुर -मणिपुरी, राखाल, नटरास, महारास, रॉखत आदि
13. नागालैंड -चोंग, खैवा, लीम, नुरालीम आदि
14. उड़ीसा -ओडिसी, सवारी, धूमरा, पैंका, मुण्डारी, छऊ, अया आदि
15. महाराष्ट्र -लावनी, नकटा, कोली, लेझिम, गफा, बोहदा, गौरीचा आदि
16. कर्नाटक -यक्षगान, कुनीता, कर्गा, लाम्बडी आदि
17. गुजरात -गरबा, डाण्डिया तिपादी जुरियुन, भवई आदि
18. पंजाब -भांगड़ा, गिद्धा, डफ, धमान आदि
19. राजस्थान -घूमर, घापाल, फूंदी, पनिहारी, जिन्दाद आदि
20. मिजोरम -खानट्म, पाखुपिया, चेरोकान आदि
21. जम्मू-कश्मीर -राउफ, हिकात, मंददास, कूद दण्डीनाच, दमाली आदि
22. तमिलनाडु -भरतनाट्यम, कुमी, कोलाट्टम, कांवड़ी आदि

19. भारतीय जनजातियाँ एवं उनके गृह राज्य

1. गुजरात -भील, बंजारा, कोली आदि
2. हिमाचल प्रदेश -गड्डी अथवा गुड्डी कनौरा आदि
3. जम्मू-कश्मीर -भखरवाल
4. केरल -कादर, उराली, भोपला आदि
5. मध्य प्रदेश -भील, लमबाड़ी, बंजारा, गोंड अबूझ, मारिया, मुरिया बिसनहार्न, गोंड केरवार असर, भमिया, वैगा, कोल, मुण्डा, बिसनहार्न मारिया

6. महाराष्ट्र -बारली, बंजारा, कोली आदि
7. मणिपुर -कुकी, मैटी या मैठी आदि
8. मेघालय -गारो, खासी, मिकिर आदि
9. मिजोरम -लाखर, पावी, मीजो आदि
10. नागालैंड -नागा, नबुई नागा आदि
11. उड़ीसा -जुआंग, खरिया, भुइआ, संथाल, हो, कोल, ओराँव, बोंडोपारोजा, चेंचुस, गोंड, सोंड आदि
12. राजस्थान -गिरसिया, बंजारा कोली आदि
13. सिक्किम -लेपचा
14. तमिलनाडु -बड़गा, टोडकोटा, कोटा, टोड (नीलगिरि की मूल जनजाति)
15. त्रिपुरा -रियांग अथवा त्रिपुरी
16. उत्तरांचल -थारू, कोय, मारा, निति, भोट अथवा भोटिया (गढ़वाल और कुमायूँ क्षेत्र) खास (जौनसर बाबर क्षेत्र में)आदि में
17. पश्चिम बंगाल -लोघा, भूमिज, संथाल, लेपचा(दार्जिलिंग क्षेत्र में)आदि
18. असम -राभा, गारो, खासी, भी, जयन्तिया, दिमारा, कोछारी वोडो, अबोर आवो, मिकिर, नागा, लुसाई इत्यादि
19. आन्ध्रप्रदेश -चेन्चुस, कौढ़य सवारा, गदवा, गोंड
20. अरूणाचल प्रदेश -मोंपा, डबला, सुलुंग, मिश्मी, अडी, मिनयोंग, मिरिगेलोंग, अपतनी, मेजी इत्यादि
21. झारखण्ड -संथाल, मुंडा, हो, ओराँव, बिरहर, केरबा, असुर, भूइया, गोंड, सौरिया, खोयल, भूमिज इत्यादि

20. भारतीय राज्य एवं संघीय प्रदेश : एक दृष्टि

बिहार

बिहार भारत का एक अत्यंत प्राचीन एवं गौरवशाली राज्य है। बिहार भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है। बौद्ध भिक्षुओं के 'विहारों' की बहुलता के कारण इस प्रदेश का नाम बिहार पड़ा। प्राचीन बिहार के इतिहास की जानकारी शतपथ ब्राह्मण, पुराण, महाभारत, रामचरितमानस, बौद्ध एवं जैन साहित्य से प्राप्त होती है। विदेशी यात्रियों (मेगास्थनीज, फाह्यान, ह्वेनसांग) के यात्रा वृतांत से भी प्राचीन बिहार की जानकारी मिलती है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र, गुप्तकालीन साहित्य इत्यादि से प्राचीन बिहार के इतिहास की महत्त्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

क्षेत्रफल	:	99,200 वर्ग किमी॰
राजधानी	:	पटना
जनसंख्या	:	8,28,78,796
अवस्थित	:	उत्तर में नेपाल, दक्षिण में झारखण्ड, पूरब में पश्चिम बंगाल और पश्चिम में

प्रमुख फसलें	:	धान, गेहूँ, मकई, पटसन, आलू , गन्ना, दलहन, तिलहन आदि
बागवानी फसलें	:	केला, लीची, आम, अमरूद
खनिज	:	यहाँ अभ्रक, चूना पत्थर, डोलोमाइट, टिन, एसबेस्ट्स, चीनी मिट्टी, गन्धक मिलते हैं ।
उद्योग	:	बरौनी तेल शोधक कारखाना उर्वरक कारखाना, बिहार स्टेट क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पटना,बिहार स्टेट इण्डिस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना, बिहार स्टेट स्कूटर्स लिमिटेड-फतुहा, बिहार स्टेट हैण्डलूम, पावरलूम हैण्डीक्राफ्ट डेवलमेंट कॉपरेशन लिमिटेड, पटना
भाषाएँ एवं बोलियाँ	:	हिन्दी, उर्दू, मैथिली, मगधी, भोजपुरी, अंगिका, वज्जिका
प्रमुख पर्व और त्योहार	:	छठ पर्व (सूर्य-पूजन), विजया दशमी, महावीर जयन्ती, बुद्ध पूर्णिमा, रामनवमी, दीपावली, महालया, सरस्वती पूजा, मकर संक्रांति, सतुआनी (मेष सक्रांति), बिहुला पूजा, इन्द्र पूजा, जितिया, धन्वन्तरि पूजा, दवात पूजा, गंगा दशहरा, शिवरात्रि, ईद, बकरीद, क्रिसमस होली इत्यादि
प्रसिद्ध मेला	:	हरिहर क्षेत्र का मेला (कार्त्तिक पूर्णिमा के समय सोनपुर), श्रावणी मेला (सुल्तानगंज से देवघर) , पितृपक्ष मेला (गया), राजगीर मेला (मलमास में, राजगीर), सौराठ का मेला (मधुबनी जिला के सभागाछी में), सिंहेश्वर स्थान का मेला (सहरसा), गुलाबबाग का मेला (पूर्णियाँ), हिजला मेला (संथाली पर्व)।
प्रसिद्ध तीर्थ स्थल	:	**जैन धर्म** - पावापुरी ,चम्पापुरी, (सुल्तानगंज), वैशाली। **बौद्ध धर्म** - बोध गया, राजगीर, नालंदा आदि। **इस्लाम धर्म** - मखदुम शाह दौलत की समाधि (मनेर)। **हिन्दु धर्म** - अशोक धाम, गया, मिथिला, धनुषा चंडी स्थान (मुंगेर), राजगीर, जानकी धाम (सीतामढ़ी), अजगैबीनाथ (सुल्तानगंज), विष्णु पद मंदिर (गया), राम मन्दिर (बक्सर), महादेव स्थान (सौराठ), हरिहर क्षेत्र (सोनपुर), हनुमान मंदिर (पटना) आदि
पर्यटन स्थल	:	कुम्हरार, अगमकुँआ, गोलघर, हरमंदिर, पटना संग्राहालय, संजय गाँधी जैविक उद्यान, महात्मा गाँधी सेतु, शेरशाह का किला (जलान संग्राहालय), मनेर शरीफ, पटनदेवी मंदिर, खुदाबख्स खाँ ओरियन्टल पुस्तकालय, तारा मंडल, हनुमान मंदिर, सात शहीद स्थल, मीरकासिम का किला, नालन्दा विश्वद्यिालय और विक्रमशिला विश्वविद्यालय का भग्नावशेष

प्रशासन	:	इस राज्य के विधान मण्डल में दो सदन हैं । विधान सभा - 243, विधान परिषद - 75 यहाँ लोकसभा की 40 और राज्यसभा की 16 सीटें हैं ।

असम

असम शब्द संस्कृत शब्द का ही पर्याय है, जिसका अर्थ है 'अद्वितीय'। प्राचीन काल में असम ' प्रागज्योतिषपुर' नाम से प्रसिद्ध था । बाद में इसका नाम 'कामरूप' पड़ा भारत के विभाजन पर लगभग पूरा मुस्लिम बहुल जिला सिलहट पूर्वी बंगाल (वर्तमान बंग्लादेश) में मिला लिया गया ।

क्षेत्रफल	:	78,438 किलोमीटर
राजधानी	:	दिसपुर
अवस्थित	:	असम के उत्तर में भूटान, तिब्बत और अरूणाचल प्रदेश, पूर्व में अरुणचल प्रदेश, नागालैण्ड तथा मणिपुर, दक्षिण में मेघालय तथा मिजोरम, पश्चिम में बांग्लादेश, त्रिपुरा तथा पश्चिम बंगाल है।
व्यापारिक फसलें	:	पटसन, चाय, कपास, तिलहन, गन्ना, आलू आदि ।
बागवानी फसलें	:	संतरा, केला, अन्नानास, सुपारी, नारियल, अमरूद आदि।
उद्योग	:	डिगबोई, नूनमाटी और नाहरकाटिया में तेलशोधक कारखाने, बोंगाई गांव में पेट्रोकेमीकल्स कारखाना तथा नामरूप में उर्वरक कारखाना स्थापित हैं। इस राज्य के अन्य अद्योग हैं - चीनी, जूट, रेशम, कागज, प्लाईवुड, चावल और चावल मिलें । महत्वपूर्ण कुटीर उद्योगों में हस्तकरघा, रेशमकीट पालन, बेंत, बांस की वस्तुएँ, वढ़ईगिरी, लोहा और पीतल के बर्तन उद्योग आदि प्रमुख हैं ।
खनिज	:	कोयला, चूना -पत्थर, डोलोमाइट और प्राकृतिक गैस ।
प्रमुख नदी	:	ब्रह्मपुत्र
प्रमुख भाषा	:	असमिया
सड़क	:	राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गो की लंबाई 2,253 किलोमीटर है । राज्य के राज्यमार्गो की लंबाई 2,177 किलोमीटर है ।
परिवहन	:	असम में छह हवाई अड्डे हैं - गुवाहाटी, तेजपुर, डिब्रूगढ़, लखीमपुर, सिल्चर और जोरहट ।
पर्व/त्योहार	:	'बिहू' असम का मुख्य पर्व है । यह तीन प्रकार से मनाया जाता है । रंगोली बिहू या बोहाग बिहू खेती के मौसम के शुभारम्भ का प्रतिक है । इससे नए वर्ष का शुभारम्भ भी होता है। मोगली बिहू फसल कटाई का त्योहार है । कांगली बिहू किसान अपने फुरसत के क्षणों में मनाते हैं । इसके अलावे

अन्य जनजातीय त्योहार हैं – बाघो, खैरेपूजा, गोबरा, बैसाटक आदि ।

पर्यटन स्थल : कामाख्या मन्दिर, उमानन्दा (मोरद्वीप), नवग्रह मंदिर, वशिष्ठ आश्रम, गांधी मण्डप, राज्य संग्रहालय, मदन कामदेव मंदिर, शुक्रेश्वर मन्दिर , गीता मन्दिर, काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क, मानस (सिंह परियोजना), माजुली (विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप), हाजी (बौद्ध धर्म, हिन्दू धर्म तथा इस्लाम का मिलन स्थल) और सुयालकुची (रेशम उद्योग) जैसे दर्शनीय स्थल हैं।

प्रशासन : इस राज्य के विधान मंडल में केवल एक सभा अर्थात विधान सभा ही है । इसका उच्च न्यायालय गुवाहाटी है । यहाँ लोकसभा की कुल 14 तथा राज्यसभा की 7 सीटें हैं ।

आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश के लोगों का प्राचीनतम उल्लेख 'एतरेय ब्राह्मण में ईसा पूर्व 200 में मिलता है । इसके अनुसार आंन्ध्र लोग मूल रूप से उत्तर भारत के रहने वाले ब्राह्मण लोग थे । अक्टूबर, 1953 को आन्ध्र प्रदेश राज्य का गठन किया गया । राज्य पुनर्गठन कानून, 1956 के पारित होने पर तेलंगाना क्षेत्र को भी आन्ध्र प्रदेश में जोड़ दिया गया ।

क्षेत्रफल : 2,75,068 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : हैदराबाद

अवस्थित : आन्ध्र प्रदेश के उत्तर में उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र, पश्चिम में महाराष्ट्र और कर्नाटक, दक्षिण में तमिलनाडु और पूर्व में बंगाल की खाड़ी है । इसकी समुद्री सीमा लगभग 974 किलोमीटर लम्बी है ।

व्यापारिक फसलें : अरंडी , चावल, ज्वार, मक्का, रागी, दालें, तम्बाकू तथा कपास

बागवानी फसलें : केला तथा गन्ना ।

उद्योग : हैदराबाद, विशाखापट्टनम तथा इनके आस-पास बड़े-बड़े उद्योग-धंधो का जाल फैला हुआ है । हैदराबाद में मशीनरी यंत्र (H.M.T) जहाज के पुर्जे, भारी विद्युत मशीन, रसायन एवं ग्लास उद्योग, विशाखापट्टनम में जलयान निर्माण, रसायन उर्वरक, तेलशोधन, लोहा-इस्पात, सीमेन्ट, कागज, सूती एवं रेशमी वस्त्र तथा औषधि के अनेक कल-कारखाने स्थापित हैं।

खनिज : कोयला, अभ्रक, मैंगनीज, ताँम्बा, चूना-पत्थर तथा खनिज जस्ता के उत्पादन में यह देश का दूसरा राज्य है तथा मैगनीज

के उत्पादन में इसका छठा स्थान है ।

सड़क : कुल सड़क मार्ग की लम्बाई 1,37,500 किलोमीटर है ।

विमान सेवा : हैदराबाद, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम आदि शहरों में प्रमुख हवाई पट्टियाँ हैं । कुड़प्पा, हैदराबाद राजामंदुरी, रागगुंडम, तिरुपति, विजयवाड़ा, वारंगल और वाइजेग वायुदूत सेवाओं द्वारा जुड़ें हुए हैं ।

बन्दरगाह : विशाखपत्तनम प्रमुख बन्दरगाह हैं । काकीनाड़ा, नरसापुर, कृष्णापट्टनम, वदारेखु, मछलीपत्तनम् तथा कलिंगपत्तनम् राज्य के छोटे बन्दरगाह हैं ।

पर्व/ त्योहार : आन्ध्र प्रदेश का मुख्य पर्व ' युगादि' है ।

मुख्य भाषा : तेलुगू और ऊर्दू

प्रमुख नदियाँ : गोदावरी, कृष्णा, तुंगभद्रा आदि ।

पर्यटन स्थल : चारमीनार, सलारगंज संग्रहालय, गोलकुंडा का किला हैदराबाद में, डाकबिया बरानागेट वारंगल में, नागार्जुनकोंडा में बौद्ध स्तूप और तिरूपति मन्दिर आदि प्रमुख हैं ।

प्रशासन : आंध्र प्रदेश में एक सदनीय विधानमंडल है । विधान सभा में 295 सीटें हैं । लोकसभा में कुल 42 तथा राज्यसभा में कुल 18 स्थान हैं ।

उड़ीसा

प्राचीन काल में उड़ीसा का नाम कलिंग था। तीसरी शताब्दी (268 बी. सी.) में मौर्य सम्राट अशोक ने एक शक्तिशाली सेना कलिंग भेजकर उसे अपने साम्राज्य में मिला लिया । 1936 ई० में उड़ीसा को एक अलग प्रांत का दर्जा दिया गया । स्वतंत्रता के बाद वे रियासतें जो उड़ीसा व उसके चारों ओर थी, को आपस में मिलाकर भारत सरकार के अधीन कर दिया गया ।

क्षेत्रफल : 1,55,782 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : भुवनेश्वर ।

अवस्थित : इसके पूर्व में बंगाल की खाड़ी, उत्तर में झारखण्ड, पश्चिम में छत्तीसगढ़, उत्तर-पूर्व में पश्चिम बंगाल और दक्षिण-पूर्व में आन्ध्र प्रदेश है ।

व्यापारिक फसलें : चावल, तिलहन, मूंगफली, दालें, जूट आदि ।

बागवानी फसलें : गन्ना, नारियल, हल्दी आदि ।

उद्योग : राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स के विकास पर काफी जोर दिया जा रहा है । केन्द्र की विभिन्न परियोजनाएं- राउरकेला में इस्पात कारखाना (जर्मन तकनीक सहायता), छत्रपुर में खाद कॉम्पलेक्स, तल्चर में भारी पानी परियोजना, भुवनेश्वर में रेल डिब्बा मरम्मत वर्कशाप, पराद्वीप में उर्वरक कारखाने रामगड़ा,

चौड़ाबार और वृजराज नगर के कागज कारखाने प्रमुख हैं । सुकिंदा दैतारी क्षेत्र में एक इस्पात संयंत्र परिसर का निर्माण किया जा रहा है ।

खनिज : लौह अयस्क, नॉन कोकिंग कोयला, डोलोमाइट, बॉक्साइट, ग्रेफाइट, चीनी मिट्टी, मैगनीज आदि।

सड़क : राज्य में राजमार्ग की लंबाई 2,846 किलोमीटर ।

विमान सेवा : भुवनेश्वर में हवाई अड्डा है, जहाँ से नई दिल्ली, कलकत्ता, विशाखापत्तनम और हैदराबाद के लिए नियमित उड़ाने होती हैं ।

बन्दरगाह : पासद्वीप प्रमुख बन्दरगाह है । चन्दाबल्ली और गोपालपुर छोटे बन्दरगाह हैं ।

मुख्य भाषा : उड़िया

पर्यटन स्थल : लिंगराज मंदिर, नन्दन कानन चिड़ियाघर भुवनेश्वर, जगन्नाथ मंदिर एवं कोणार्क सूर्य मंदिर (पुरी), चिल्का झील, सिम्लीपाल राष्ट्रीय उद्यान, बरहीपानी जल प्रपात, उषाकोठी वन्य प्राणी अभ्यारण, हीराकुंड और दुदुमा जल प्रपात दर्शनीय हैं ।

प्रशासन : इस राज्य में एक सदन वाला विधान मंडल है । विधानसभा में 147 सीटें हैं। यह राज्य 30 जिलों में बंटा हुआ है । यहाँ लोकसभा में कुल 21 तथा राज्यसभा में 10 सीटें हैं ।

उत्तर प्रदेश

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से यह राज्य अपना एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है । हिन्दू के प्रसिद्ध धार्मिक ग्रंथों महाभारत तथा रामायण में भी उत्तरप्रदेश एक वर्णित स्थान माना गया है । इस पर कुषाण वंश, गुप्त वंश, मोहम्मद वंश आदि का शासन रहा है । जनसंख्या की दृष्टि से इस राज्य का पहला स्थान है ।

क्षेत्रफल : 294,411 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : लखनऊ

अवस्थित : इसके उत्तर में उत्तरांचल एवं नेपाल की सीमा, उत्तर-पश्चिम में हिमाचल प्रदेश, पश्चिम में हरियाणा, दक्षिण-पश्चिम में राजस्थान, दक्षिण तथा दक्षिण पश्चिम में मध्य प्रदेश एवं पूर्व में बिहार एवं झारखण्ड राज्य है ।

व्यापारिक फसलें : गन्ना, कपास, चाय तथा पटसन आदि ।

खाद्यान्न फसलें : चावल, गेहूं आदि ।

उद्योग : यहां लगभग 25 बड़े उद्योग स्थापित हैं तथा अन्य बहुत से छोटे उद्योग भी कार्यरत हैं ।

खनिज : चूना, तांबा, यूरेनियम, डोलोमाइट, फास्फोरस जिप्सम, कोयला आदि।

सड़क	:	राज्य में सड़कों की कुल लम्बाई 273,011 वर्ग कि.मी. है ।
विमान सेवा	:	प्रमुख हवाई अड्डे में अणऔशई (लखनऊ) , बाबतपुर, बमरौली, चकेरी, खेरिया प्रमुख हैं ।
पर्व/ त्योहार	:	रामनवमी, कृष्णाष्टमी, दूर्गापूजा, दीपावाली, छठ, होली आदि।
प्रमुख लोकनृत्य	:	चरकुला, पाई डंडा, शैरा, खयाला आदि ।
प्रमुख नदियाँ	:	यमुना, गोमती, घाघरा या करनाली, चंबल, बेतवा, सिंध, केन आदि।
मुख्य भाषा	:	हिन्दी
पर्यटन स्थल	:	अयोध्या, मथुरा, वृंदावन, इलाहाबाद, जौनपुर, देवी पाटन (गोंडा), नंदगांव, आदि।
प्रमुख औद्योगिक स्थल	:	कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, बरेली, मेरठ आदि ।
प्रमुख हिन्दी दैनिक	:	अमर उजाला, आज, हिन्दुस्तान, दैनिक जागरण, स्वतंत्र भारत आदि ।
प्रशासन	:	यहाँ लोकसभा की 80 तथा राज्सभा की 31 सीटें है ।

राजस्थान

ऐसा माना जाता है कि राजपूताना का इतिहास लिखने वाले प्रसिद्ध पाश्चात्य लेखक 'कर्नल जेम्स टॉड' ने अपनी पुस्तक ' एनाल्स एण्ड एण्डीक्विटीज ऑफ राजस्थान' मेंउन्होंने भी राजस्थान के अनेक क्षेत्रों में दमनकारी नीति अपनायी । 1857 के विद्रोह में राजस्थान के अनेक वर्ग के लोगों ने सक्रिय भूमिका निभायी। 1 नवम्बर 1956 को आधुनिक राजस्थान का निर्माण हुआ । राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है।

क्षेत्रफल	:	3,42,239 वर्ग कि.मी.
राजधानी	:	जयपुर
अवस्थित	:	उत्तर में पंजाब और हरियाणा, दक्षिण में गुजरात और मध्यप्रदेश, पूरब में उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश तथा पश्चिम में पाकिस्तान । राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है।
व्यापारिक फसलें	:	चावल, गेहूं, ज्वार, बाजरा, चना गन्ना, कपास आदि ।
उद्योग	:	यहां का उद्योग काफी विकसित है। पत्थर उद्योग तथा कपड़े उद्योग का प्रमुख स्थान है । हिन्दुस्तान जिंक लिमेटेड, देवारी, हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, खेतड़ी आदि।
खनिज	:	तांबा, मैग्नीज, टंगस्टन, अभ्रक, जिप्सम, संगमरमर, जूरेनियम, रत्नमणि अदि ।
सड़क	:	राजस्थान में सड़क मार्ग की लंबाई 55,123 किलोमीटर है राज्य से कुल 7 राजमार्ग गुजरते हैं ।

विमान सेवा	:	जयपुर, कोटा तथा उदयपुर राज्य के प्रमुख हवाई अड्डे हैं।
पर्व/त्योहार	:	दशहरा, तीज, वाणेश्वर मेला आदि।
मुख्य भाषा	:	मेवाड़ी, मारवाड़ी, मेवाती, ब्रज आदि ।
पर्यटन स्थल	:	पिछौला झील, केवलादेवी अभ्यारण्य, जयपुर का संग्रहालय, राजपूताना संग्रहालय, कोटा का संग्रहालय आदि ।
नदी घाटी परियोजनाएँ	:	चम्बल परियोजना, माही बजाज सागर परियोजना, भाखड़ा नांगल परियोजना, व्यास परियोजना, औराई सिंचाई परियोजना, ओरेल बाँध, गुढ़ा परियोजना आदि
प्रसिद्ध किले	:	चित्तौड़गढ़ किला, सिंघाना का किला, आमेर का किला आदि।
प्रमुख नदियां	:	चम्बल, लूनी, बनास, बाणगंगा, सोम नदी, साबरमती, खआरी नदी, कोठारी आदि ।
प्रशासन	:	यहाँ लोकसभा की 25 तथा राज्यसभा की 10 सीटें हैं ।

मध्य प्रदेश

सन् 500 ई० के आस पास यहां हूणों का शासन था पर मगध सम्राट बालादित्य और मध्य भारत के राजा यशोधर्मन ने 528 ई0 में हूणों को पराजित कर दिया ।

क्षेत्रफल	:	2,96,480 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	भोपाल
अवस्थित	:	इस राज्य की सीमा देश के पाँच राज्यों से मिली हुई हैं । उत्तर में उत्तर प्रदेश पश्चिम में राजस्थान तथा गुजरात, दक्षिण में महाराष्ट्र तथा पूर्व में छत्तीसगढ़ अवस्थित हैं ।
व्यापारिक फसलें	:	धान, गेहूं , ज्वार, जौ, सोयाबीन, कपास, तिलहन, दलहन आदि ।
उद्योग	:	यहां देश के बहुत से महत्वपूर्ण उद्योग स्थापित हैं । जैसे - होशंगावाद में नोट बनाने के कारखाने, ग्वालियर में दियासलाई कारखाना, उज्जैन में कॉटन उद्योग आदि।
खनिज	:	कोयला, तांबा, बॉक्साइट, लोहा, मैंगनीज, टंगस्टन, हीरा, सीसा संगमरमर आदि।
सड़क	:	मध्य प्रदेश सड़कों की कुल लंबाई 1,16,213 कि.मी. है ।
विमान सेवा	:	भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में हवाई अड्डा है ।
पर्व/ त्योहार	:	गणगौर, आखातोज, संजा, नीरता, गंगा दशमी, मेघनाद आदि प्रमुख त्योहार हैं।
मुख्य भाषा	:	हिन्दी, उर्दू, रीवां बन्देली आदि ।
प्रमुख नदियां	:	चंबल, नर्मदा,, सोन, ताप्ती , बेतवा आदि ।
पर्यटन स्थल	:	ग्वालियर का किला, मांडू का किला, उज्जैन, महेश्वर, इन्दौर, भीमबेटका, ओरछा, जबलपुर आदि दर्शनीय स्थल हैं ।

प्रशासन : यहाँ लोकसभा की 29 तथा राज्यसभा की 11 सीटें हैं ।

कर्नाटक

कर्नाटक पर अनेक राजाओं का शासन रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् 1956 ई०. में नए एकीकृत मैसूर राज्य का गठन किया गया और 1973 ई. में इसका नाम बदलकर कर्नाटक रखा गया ।

क्षेत्रफल : 1,91,791 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : बंगलौर

अवस्थित : कर्नाटक के दक्षिण में केरल और तमिलनाडु उत्तर में गोवा तथा महाराष्ट्र, पूर्व में आन्ध्र प्रदेश तथा उत्तर पूर्व में तमिलनाडु।

व्यापारिक फसलें : कॉफी , इलायची, सुपारी, कुसुम , नारियल, मिर्च, अंडी इत्यादि ।

खाद्यान्न फसलें : चावल, रागी, ज्वार, बाजरा, मक्का और दालें हैं ।

उद्योग : उद्योग की दृष्टि से कर्नाटक भारत के अग्रणी राज्यों में से है। इस राज्य में सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान अधोलिखित है - भारत हैवी इलेक्ट्रॉनिक्स, हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स, हिन्दुस्तान मशीन टूल्स, इंडियन टेलीफोन इन्ड्स्ट्रीज,मंगलोर केमिकल्स एवं फर्टिलाइजर्स, भद्रावती में लौह इस्पात कारखाना तथा व्हील एक्सल फैक्ट्री। राज्य की एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना चिकमंगलूर जिले में कुद्रेमुख खनिज लोहा परियोजना है ।

खनिज : अच्छे किस्म का लोहा, तांबा, मैंगनीज, क्रमोमाइट, चीनी मिट्टी, चूना पत्थर और मैग्नेटाइट महत्वपूर्ण खनिज हैं । यह देश का पहला राज्य है, जिसने गोकेक प्रपात पर 1887 में बिजली का उत्पादन किया था । इसके अलावे शिव समुद्र, शारावती, काली नदी इत्यादि यहाँ की बिजली परियोजनाएँ हैं।

सड़क : 1,34,000 किलोमीटर लंबी सड़के हैं ।

विमान सेवा : राज्य में बंगलौर, बेलगाम, मंगलौर मुख्य हवाई अड्डे हैं ।

बन्दरगाह : न्यू मंगलौर राज्य का प्रमुख बन्दरगाह है। इस बन्दरगाह पर कुद्रेमुख लौह खान से निकले खनिज लोहों के निर्यात के लिए विशेष प्रबंध किया जा रहा है और वहां भारतीय नौ सेना की सी बर्ड परियोजना पर काम चल रहा है ।

मुख्य भाषा : कन्नड़

प्रमुख नदियां : कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, तुंगभद्रा ।

पर्यटन स्थल : सुन्दर पार्कों और उद्योगों का नगर बंगलौर, मैसूर की वृन्दावन गार्डन, श्रावणबेलगोला में गोमतेश्वर की प्रसिद्ध प्रतिमा । बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा में विख्यात होयसल स्मारक

हैं। हम्पी में खुला संग्रहालय तथा गुलबर्गा, बीदर और बीजापुर प्राचीन स्मारकों के लिए जाने जाते हैं। मंगलौर और कारवाड़ के बन्दरगाह तथा समुद्र-तट पर्यटकों के मुख्य आकर्षण के केन्द्र हैं।

प्रशासन : यहाँ की विधानमण्डल में दो सभाएं है - विद्यानसभा में 224 सदस्य और विधानपरिषद में 75 सदस्य हैं । यहां लोकसभा में 28 सीटें तथा राज्यसभा में 12 सीटें हैं ।

केरल

केरल के जन्म के सम्बन्ध से बहुत पौराणिक गाथाएं जुड़ी हुई हैं पर जब भारत स्वाधीन हुआ तो दो विभिन्न रियासतों त्रावणकोर और कोचीन को 1 जुलाई 1949 ई. को मिलाकर त्रावणकोर-कोचीन राज्य बनाया गया । लेकिन मालाबार चेन्नई प्रान्त का हिस्सा बना रहा । राज्यों के पुनर्गठन की योजना के अन्तर्गत त्रावणकोर-कोचीन राज्य और मालाबार को मिलाकर 1 नवम्बर 1956 ई. को केरल राज्य बनाया गया ।

क्षेत्रफल : 38,863 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : तिरुअनन्तपुरम्

अवस्थित : केरल के पश्चिम में अरब सागर, उत्तर-पूर्व में कर्नाटक, पूर्व में तमिलनाडु और दक्षिण में हिन्द महासागर है ।

व्यापारिक फसलें : नारियल रबड़, सुपारी, इलायची, गन्ना, काजू, चाय, अदरख, आदि।

बागवानी फसलें : केला, अनन्नास, आम, कटहल आदि ।

उद्योग : केरल में औद्योगिक विकास की बहुत संभावनाऐं है। त्रिवेन्द्रम के निकट थुम्बा में इक्वेटोरियल सैटेलाईट लांचिग स्टेशन है । अन्य प्रमुख संस्थानों में सेन्ट्रल कोकोनट रिसर्च सेन्टर, कोचीन तेलशोधक कारखाना आदि है। । मछली के उत्पादन में केरल महत्वपूर्ण राज्य है ।

खनिज : यहाँ मोनोजाइट खनिज तथा थोरियम प्राप्त होता है ।

सड़क : राज्य में सड़कों की कुल लंबाई 1.06 लाख किलोमीटर है ।

विमान सेवा : तिरुवनन्तपुरम, कोचीन और कालीकट तीन प्रमुख हवाई अड्डे हैं। तिरुवन्तपुरम् में अनतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी है। ।

बन्दरगाह : कोचीन सबसे प्रमुख बन्दरगाह है । राज्य में 13 अन्य बन्दरगाह भी है ।

पर्व/ त्योहार : ओणम केरल का विशिष्ट पर्व है । अन्य त्योहारों में विशु, नवरात्रि, महाशिवरात्रि, वल्लमकली (नौका दौड़) आदि उल्लेखनीय है ।

मुख्य भाषा : मलयालम

प्रमुख नदियां : पम्बा नदी

पर्यटन स्थल : ठेक्कड़ी (पेरियार) का वन्य प्राणी विहार, कोवलम तट,

तिरुवनंतपुरम् में पद्माभस्वामी मंदिर , पौनमुडी नैय्यर बांध, कालडी (शंकराचार्य का जन्म स्थान) आदि प्रमुख पर्यटन स्थल है ।

प्रशासन : यहां विधानमंण्डल में सिर्फ विधानसभा है, जिसमें 141 सीटें हैं । यहां लोकसभा की 20 तथा राज्यसभा में 9 सीट हैं ।

गुजरात

गुजरात का इतिहास ई.पू. लगभग 2000 वर्ष पुराना सिन्धु घाटी सभ्यता के समय का है । बाद मुगल, मराठा और ब्रिटिश का भी शासन कायम रहा। 1 मई 1960 को दो भाषाओं -मराठी एवं गुजराती भाषियों के बीच संघर्ष के कारण बम्बई राज्य का बँटवारा करके महाराष्ट्र एवं गुजरात नामक दो राज्यों की स्थापना की गयी । सौराष्ट्र , कच्छ तथा ब्रिटिश गुजरात को मिलाकर वर्तमान गुजरात राज्य अस्तित्व में आया ।

क्षेत्रफल : 1,96,024 वर्ग कि.मी.

राजधानी : गांधीनगर

अवस्थित : गुजरात भारत के पश्चिमी तट पर स्थित हैं। इसके पश्चिम में अरब सागर, उत्तर में तथा उत्तर-पूर्व में क्रमशः पाकिस्तान तथा राजस्थान, पूर्व में मध्य प्रदेश तथा दक्षिण-पूर्व में महाराष्ट्र है ।

व्यापारिक फसलें : कपास, तम्बाकू और मूंगफली के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है । अन्य व्यापारिक फसलें ईसबगोल, सफेद जीरा आदि ।

बागवानी फसलें : गन्ना , आम, केला आदि ।

उद्योग : गुजरात की गिनती देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में होती है । राज्य का औद्योगिक ढ़ाँचा, वस्त्र उद्योग से पेट्रो- रसायन में बदल गया है। भारत का सबसे बड़ा कारखाना इंडियन पेट्रो रसायन लिमिटेड और गुजरात रिफाइनरी बड़ोदरा के निकट है। डेयरी उद्योग में इस राज्य ने बड़ी तरक्की की है । नये उद्योग भी बहुत से लग रहे हैं। देश के कुल उत्पादन का 60% नमक यहीं प्राप्त होता है ।

खनिज : यहां खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस के भंडार हैं । अंकलेश्वर और कलोल क्षेत्र में खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस का उत्पादन होता है ।

सड़क : राज्य में सड़कों की लम्बाई 62,142 किलोमीटर है । देश का पहला एक्सप्रेस मार्ग अहमदाबाद और बड़ोदरा के बीच निर्माणाधीन है ।

विमान सेवा : मुख्य हवाई अड्डा अहमदाबाद है। अन्य हवाई अड्डे बड़ोदरा, भावनगर, भुज, जामनगर, कांडला, केशोड, पोरबन्दर और राजकोट में है ।

बन्दरगाह	:	गुजरात के कुल 40 बन्दरगाह हैं । कांडला राज्य का मुख्य बन्दरगाह है ।
पर्व/त्योहर	:	राघवराव मेला, सोमनाथ मेला, डांगी दरबार, जन्माष्टमी आदि उल्लेखनीय है ।
मुख्य भाषा	:	गुजराती और हिन्दी
प्रमुख नदियां	:	नर्मदा, साबरमती, ताप्ती आदि ।
पर्यटन स्थल	:	द्वारिका, सोमनाथ, पालीतान, पावागढ़, अम्बाजी, भद्रेश्वर, तरंगा और गिरनार धार्मिक महत्व वाले दर्शनीय स्थान हैं । महात्मा गाँधी का जन्म स्थान पोरबन्दर, साबरमती आश्रम मुख्य पर्यटन केन्द्र हैं । राज्य में चार राष्ट्रीय पार्क तथा 11 वन्य प्राणी अभ्यारण्य हैं । गिरवन, एंजर वन्य, गर्दभ विहार आदि दर्शनीय हैं।
प्रशासन	:	गुजरात विधानमंडल में केवल विधानसभा है जिसमें 182 सदस्य होते हैं । यहां लोकसभा में 26 तथा राज्यसभा में 11 सीटें हैं ।

जम्मू कश्मीर

राजतरंगिणी तथा नीलमत पुराण के अनुसार कश्मीर की घाटी पहले बहुत बड़ी झील थी । यहां कार्कोट, उत्पल और लोहार वंशीय राजाओं ने शासन किया । महाराजा के पुत्र युवराज कर्ण सिंह 1950 में रीजेन्ट बने और अनुवांशिक शासन की समाप्ति (17 अक्टूबर 1952) पर उन्हें सदरे- रियासत पद की शपथ दिलाई गई । भारत के संविधान में धारा 370 के अंतर्गत यह एक विशेषाधिकार प्राप्त राज्य है ।

क्षेत्रफल	:	22,236 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	श्रीनगर
अवस्थित	:	जम्मू-कश्मीर के उत्तर में रूसी तुर्किस्तान, पूर्व में तिब्बत, दक्षिण में पंजाब और पश्चिम में पाकिस्तान है ।
खाद्यान्न फसलें	:	धान, गेहूं, मक्का, जौ, बाजरा एवं ज्वार आदि ।
उद्योग	:	कश्मीर का हस्तकला उद्योग अति विकसित अवस्था में है। यहाँ बारी ब्राह्मन क्षेत्र में एक स्कूटर कारखाना, श्रीनगर में एच. एम. टी. घड़ियां, इण्डियन टेलीफोन उद्योग आदि कार्यरत है । कटी लकड़ी पर नक्काशी, कालीन, शाल, कशीदाकारी आदि की परम्परा कश्मीर में काफी पुराना है ।
खनिज	:	इस राज्य में लौह अयस्क, ताँबा, जस्ता, चूना पत्थर आदि प्रमुख खनिज हैं ।
सड़क	:	कुल लम्बाई 10,260 किलो मीटर है ।
विमान सेवा	:	श्रीनगर, जम्मू और लेह राज्य के मुख्य हवाई अड्डे हैं ।
पर्व/त्योहार	:	जन्माष्टमी, विजयादशमी, शिवरात्री, ईद-उल-फितर ईद-उल-जुहा, ईद-ए- मिलाद-उल नबी और मिराज आलम आदि

प्रमुख हैं । लद्दाख का हामिसगुम्पा पर्व विश्व प्रसिद्ध है जो जून में मनाया जाता है ।

मुख्य भाषा : कश्मीरी, लद्दाखी, डोगरी, बाल्टी, दादरी, पहाड़ी, पंजाबी आदि ।

प्रमुख नदियां : झेलम, चिनाव, सिन्धु, रावी ।

पर्यटन स्थल : श्रीनगर में चश्माशाही जलप्रपात, शालीमार बाग, डल झील आदि तथा गुलमर्ग, वैष्णो देवी, पातनी टॉप पहलगाम, सोनमर्ग, अमरनाथ इत्यादि दर्शनीय स्थल हैं ।

प्रशासन : जम्मू और कश्मीर राज्य का संविधान 26 जनवरी 1957 को पूर्ण रूप से लागू हुआ । संविधान में दो सदनीय विधानमण्डल है- विधानसभा और विधान परिषद् । राज्य में कुल 14 जिले हैं । इनमें 6 जम्मू, 6 कश्मीर में तथा दो लद्दाख क्षेत्र में हैं । लद्दाख भारत का सबसे बड़ा जिला है । यहाँ लोकसभा की 6 तथा राज्यसभा की 4 सीटें हैं ।

तमिलनाडु

तमिलनाडु का लिखित इतिहास पल्लव राजाओं के समय से मिलता है । ग्यारहवीं शताब्दी के अन्त तक तमिलनाडु पर चालुक्य, चोल, पांडय जैसे अनेक राजवंशों का शासन रहा । 1960 ई. में आंध्र प्रदेश के चितूर जिले का 405 वर्गमील क्षेत्र चेन्नई को दे दिया गया बदले में चेन्नई के चंगलपट्टू और सलेम जिलों में से 326 वर्ग मील आंध्र प्रदेश को दिया गया। 14 जनवरी 1969 को चेन्नई राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु कर दिया गया। 1996 ई. में राजधानी मद्रास का नाम बदलकर चेन्नई कर दिया गया।

क्षेत्रफल : 1,30,058 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : चेन्नई

अवस्थित : तमिलनाडु भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण -पूर्वी कोने में स्थित है । इसके उत्तर में आंध्र प्रदेश और कर्नाटक, पश्चिम में केरल, पूर्व में बंगाल की खाड़ी तथा दक्षिण में हिन्द महासागर है ।

व्यापारिक फसलें : गन्ना, तिलहन, कपास, मिर्च, कॉफी, चाय आदि ।

खाद्यान्न फसले : चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा आदि।

उद्योग : राज्य में अनेक सरकारी उद्यम हैं । इनमें मुख्य है- सूती कपड़ा, रसायन, उर्वरक, कागज, मुद्रण, डीजल, इंजन, ऑटोमोबाईल तथा पुर्जे, साइकिल, सीमेंट, इस्पात, रेल इंजन व सवारी डिब्बे, नेवेली लिग्नाइट कॉम्पलेक्स, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, हाईप्रेशर बॉयलर संयंत्र, हिन्दुस्तान फोटो टेलीप्रिन्टर्स, चेन्नई रिफाइनरीज, पुगालुर पेपर फैक्ट्री कार्यरत हैं ।

खनिज : यहाँ चूना पत्थर, मैंगनीज, अभ्रक, क्वार्टज, फेल्सपार, नमक, जिप्सम आदि खनिज मिलते हैं ।

सड़क : यहां करीब 1,50,000 कि.मी. लम्बा सड़क मार्ग है ।

विमान सेवा : चेन्नई हवई हवाई अड्डा दक्षिण क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होने के कारण वायुमार्ग का मुख्य केन्द्र है ।

बन्दरगाह : चेन्नई तथा तूतीकोरिन राज्य के मुख्य बन्दरगाह हैं । कड्डालूर तथा नागपट्टिनम छोटे बन्दरगाह हैं । कोयम्बटूर में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो है ।

पर्व/ त्योहार : पोंगल का पर्व फसल कटाई से जुड़ा पर्व है । चितिरै मदुरई का लोकप्रिय त्योहार है । अन्य त्योहारों में येलांकत्री नागूर आदि प्रमुख हैं ।

मुख्य भाषा : तमिल

प्रमुख नदियाँ : इस राज्य की नदियाँ पश्चिमी तट से पूर्व की ओर बहती है और उसमें सिर्फ वर्षा का पानी होता है । कुछ बारहमासी नदियों में पालार, पेण्णार, चेयूगार, कावेरी , मेयार भवानी अमरावती वेगै, चिन्नार और ताम्रपार्णी आदि उल्लेखनीय हैं । कावेरी इस राज्य की बड़ी नदी है । वेल्लार, नोइल, वैपार, वर्शली आदि नदियों में भी सालों भर पानी रहता है ।

पर्यटन स्थल : चेन्नई, मामल्लपुरम (प्राचीन वास्तुशिल्प और बीच रिसार्ट), कांचीपुरम, चिदम्बरम्, तिरुन्लेपेल्ली, कन्याकुमारी, जांबूर, येलांकत्री, नागूरस चित्रान, सवाल, होगेनेकेल प्रपात, पापनाशम, सुरुली, ऊटी, कोडईकनाल, यरकाड नीलगिरि पर्वतीय स्थल, वेदन्थंग पक्षी विहार, वंदालूर, चिड़ियाघर, श्रीरंगम मदुरै (मीनाक्षी मंदिर) आदि दर्शनीय हैं ।

प्रशासन : इस राज्य के विधानमंडल में एक ही सदन अर्थात् विधानसभा है। 1986 में विधान परिषद् का उन्मूलन कर दिया गया । यहाँ लोकसभा की 39 तथा राज्यसभा की 18 सीटें हैं ।

त्रिपुरा

त्रिपुरा का लिखित इतिहास एक ही पुस्तक 'राजमाला' से मिलता है । सन् 1947 में त्रिपुरा का भारत में विलय हो गया । सन् 1956 में राज्य के पुनर्गठन के बाद यह केन्द्र शासित प्रदेश बन गया । 21 जनवरी 1972 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया गया।

क्षेत्रफल : 10,486 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : अगरतल्ला

अवस्थित : त्रिपुरा बंग्लादेश तथा म्यांमार की नदी घाटियों के बीच स्थित है। इसके तीन तरफ बंग्लादेश है तथा यह उत्तरपूर्व में असम तथा पूर्व में मिजोरम से जुड़ा हुआ है ।

प्रमुख फसलें : धान, गेहूँ , पटसन, मेस्ता, आलू, गन्ना तथा तिलहन आदि ।

उद्योग : यहां चाय का प्रमुख उद्योग है । सरकारी क्षेत्र में अगरतल्ला में

एक जूट कारखाना तैयार किया गया है । राज्य में लगभग 3500 लघु उद्योग भी चल रहे हैं । यहाँ का एक प्रमुख उद्योग हस्तशिल्प है ।

खनिज : यहाँ खनिज पदार्थों का अभाव है । बारामुडा में पेट्रोलियम पाया जाता है ।

सड़क : त्रिपुरा के कुल सड़कों की लम्बाई 6,500 किलोमीटर है ।

विमान सेवा : मुख्य हवाई अड्डा अगरतल्ला में है ।

पर्व/त्योहार : खर्ची पूजा, केर पूजा, डोलयात्रा, रासलीला, झूलनयात्रा आदि ।

मुख्य भाषा : बंगला, त्रिपुरी, मणिपुरी और काकबोरक ।

पर्यटन स्थल : नीरमहल, सिपाहीजला, डुम्बर झील, कमल सागर, जुम्पई सिल, उनकोटी तथा माताबड़ी प्रमुख दर्शनीय स्थल है ।

प्रशासन : यहाँ लोकसभा की 2 तथा राजसभा की 1 सीटें हैं ।

नागालैण्ड

यहां के मूल निवासी नागा लोग हैं । जब से अंग्रेज आये तो इनके इतिहास में थोड़ा बदलाव आया । सन् 1957 में इसे केन्द्र शासित प्रदेश बनाकर असम के राज्यपाल के अधीन किया गया। 1961 में इस क्षेत्र का नाम नागालैण्ड पड़ा । दिसम्बर 1963 ई. को इसे राज्य का पूर्ण दर्जा दिया गया ।

क्षेत्रफल : 16,579 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : कोहिमा

अवस्थित : इसके पश्चिम तथा उत्तर में असम, पूर्व में म्यांमार (वर्मा) तथा दक्षिण में मणिपुर है । इसके पूर्वोत्तर में अरूणाचल प्रदेश है ।

उद्योग : नागालैण्ड में हस्तकरघा, बुनाई और रेशम उत्पादन प्रमुख कुटीर उद्योग हैं।

खनिज : कोयला, चूना पत्थर, शीशा आदि ।

सड़क : राज्य में सड़कों की कुल लम्बाई 9,345 किलोमीटर है ।

विमान सेवा : यहाँ दीमापुर हवाई अड्डा कार्यरत है।

प्रमुख नदियां : धनश्री, दोयांग, दिखु और झांजी ।

पर्व/ त्योहार : सेकेरेन्यी, मोआत्सु , तुलुनी और तोखु एमांग महत्वपूर्ण त्योहार हैं।

मुख्य भाषा : आओ, कोयांक, अंगामी, सेमा, लोथा, चांग, संगताम और चाखे सांग ।

प्रशासन : इस राज्य में एक सदन वाला विधान मंडल विधान सभा है । विधान सभा में निर्वाचित सदस्यों की संख्या 60 है । यहाँ लोकसभा की 1 तथा राज्यसभा की भी 1 सीटें हैं।

पंजाब

पंजाब शब्द फारसी के दो शब्द ''पंज+आब' के योग बना है । ' पंज' का अर्थ है ' पाँच' तथा ' आब' का अर्थ है ' जल' । अतः पंजाब की धरती पाँच जल-धाराओं की मिलन स्थली है । पंजाब में बहने वाली पाँच नदियां हैं- झेलम, चिनाब, रावी, व्यास तथा सतलज। ये सभी अंत में सिंधु नदी में मिल जाती है । सन् 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के बाद पंजाब को तीन इकाईयों में बांट दिया गया-पंजाब जिसमें पंजाबी भाषी इलाके शामिल थे ।

क्षेत्रफल	:	50,362 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	चण्डीगढ़
अवस्थित	:	पंजाब के पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में जम्मू- कश्मीर, उत्तर -पूर्व में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में हरियाणा तथा राजस्थान है ।
प्रमुख फसलें	:	गेहूं, चावल, मक्का, तिलहन, गन्ना, कपास आदि।
उद्योग	:	राज्य के प्रमुख औद्योगिक उत्पादन हैं कपड़े, सिलाई मशीनें, खेल के सामान, साइकिल, मशीनी-औजार, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ , चमड़े की वस्तुएँ , सर्जरी के काम आने वाले उपकरण तथा यहाँ स्वराज ट्रैक्टर, आनन्द बैटरीज, पोलिस्टर, रेशा-नाइलोन आदि उद्योग विकास निगम के प्रयासों से स्थापित किये गये हैं ।
खनिज	:	पंजाब में खनिज पदार्थों का अभाव है । साल्ट पीटर यहाँ का प्रमुख खनिज है ।
सड़क	:	राज्य में सड़को की कुल लम्बाई 35,964 किलोमीटर है ।
विमान सेवा	:	राज्य में अमृतसर, भटिंडा और लुधियाना में हवाई अड्डा है ।
मुख्य भाषा	:	पंजाबी तथा हिन्दी
प्रमुख नदियां	:	रावी, व्यास, सतलज ।
पर्यटन स्थल	:	अमृतसर का स्वर्ण मन्दिर, दुर्गियाना मन्दिर, जलियांवाला बाग, आनन्दपुर साहिब भाखड़ा नांगल, जालंधर सिटी, लुधियाना, पठानकोट, रोपड़ (सिन्धु घाटी सभ्यता का एक केन्द्र) भटिण्डा में प्राचीन किला, राजधानी चंडीगढ़, जिसकी योजना फ्रांसिसी वास्तुकार ली कोर्बुजियर ने तैयार की थी ये सब प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं ।
प्रशासन	:	राज्य के विधानमंडल में केवल विधानसभा है । विधानसभा के सदस्यों की संख्या 117 है । यहाँ लोकसभा की 13 तथा राज्यसभा की 7 सीटें हैं ।

पश्चिम बंगाल

प्रागैतिहासिक काल से ही बंगाल का उल्लेख मिलता है । सिकन्दर के आक्रमण के समय बंगाल पर गंगारिदयी नाम के साम्राज्य का शासन था । मुगलों के पतन के बाद आधुनिक बंगाल का इतिहास शुरू होता है। पाकिस्तान के पूर्वी भाग को बंगाल तथा भारत के भाग को पश्चिम बंगाल का नाम दिया गया ।

क्षेत्रफल	:	88,752 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	कलकत्ता
अवस्थित	:	इस राज्य के उत्तर में सिक्किम, पूर्व में असम और बांग्लादेश, उत्तर-पूर्व में भूटान, पश्चिम में बिहार और झारखण्ड दक्षिण-पश्चिम में उड़ीसा तथा दक्षिण में बंगाल की खाड़ी है ।
प्रमुख फसलें	:	चावल, चाय, आलू, तिलहन, पान, तम्बाकू आदि ।
उद्योग में	:	पश्चिम बंगाल देश का एक प्रमुख औधोगिक राज्य है । दुर्गापुर मिश्रित इस्पात का कारखाना है । इसके अतिरिक्त इस्पात कारखाना बर्नपुर में भी है । अन्य प्रमुख उद्योग हैं- इंजीनियरी मोटरगाड़ी रसायनिक पदार्थ, अल्युमीनियम, इमारती लकड़ी तैयार करना आदि प्रमुख उद्योग हैं तेलशोधक कारखना (हल्दिया), रेलइंजन (चितरंजन), कागज मिल (टीटीगढ़), जूते (बाटा नगर), जलयान निर्माण (गार्डन रीज) आदि प्रमुख उद्योग हैं ।
खनिज	:	कोयला तथा चीनी मिट्टी ।
विमान सेवा	:	यहाँ एक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है ।
बन्दरगाह	:	राज्य का सबसे प्रमुख बन्दरगाह कलकत्ता है और इसके बाद हल्दिया बन्दरगाह का स्थान है ।
पर्व / त्योहार	:	दूर्गापूजा एवं काली पूजा राज्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहार है।
मुख्य भाषा	:	बंगला, अंग्रेजी तथा हिन्दी ।
प्रमुख नदियां	:	गंगा, भागीरथी (हुगली), दामोदर।
पर्यटन स्थल	:	कलकत्ता दिघा (मोदिनीपुर), बक्खाली सी-रिजार्ट और सुन्दरवन, दुर्गापुर इस्पात कारखना, अयोध्या हिल्स (पुरूलिया), हुगली, दार्जीलिंग, शांतिनिकेतन, दुआर्स तथा संदुकपा ।
प्रशासन	:	इस राज्य के विधानमंडल में केवल एक सदन विधानसभा है । विधानसभा में सदस्यों की कुल संख्या 294 है । यहाँ लोकसभा की 42 तथा राज्यसभा की 16 सीटें हैं।

मणिपुर

मणिपुर का इतिहास पाखंद्या नामक साहसी व्यक्ति से जुड़ा हुआ हैं । 1956 ई. में राज्य पुनर्गठन कानून के अंतर्गत इसे केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया । अंततः 21 जनवरी 1972 को मणिपुर को पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया गया।

क्षेत्रफल	:	22,237 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	इम्फाल
अवस्थित	:	इसके पूर्व में म्यांमार (बर्मा), पश्चिम में असम और दक्षिण-पश्चिम में मिजोरम तथा उत्तर में नागालैण्ड है ।
खाद्यान्न फसलें	:	चावल, गेहूं ।
बागवानी फसलें	:	मणिपुर में 'स्वर्ग पुष्प' कहे जाने वाले शिराय लिली फूल मिलते

हैं जो विश्व में किसी भी अन्य स्थान में नहीं होते ।

उद्योग : यहाँ का उद्योग अविकसित अवस्था में है । मणिपुर में रेशम कीट पालन का उद्योग पूरा विकसित है ।

सड़क : राज्य में राजमार्ग की लंबाई 431 किलोमीटर है ।

विमान सेवा : इम्फाल राज्य का एक मात्र हवाई अड्डा है ।

पर्व/त्योहार : दलयात्रा, लाई-हराओबा, रासलीला, हीक्रू चिएराओबा, निंगोलयाक-कोडबा, रथयात्रा और क्रिसमस।

मुख्या भाषा : मणिपुरी

पर्यटन स्थल : मोइरांग, कीएकुल, लामजो राष्ट्रीय पार्क, लोकटाक ताजे पानी की झील, गोबिदाजी मंदिर, विष्णु मंदिर आदि दर्शनीय स्थल है ।

प्रशासन : मणिपुर के विधान मण्डल में विधानसभा है, जिसके निर्वाचित सदस्यों की संख्या 60 है । यहाँ लोकसभा की 2 तथा राज्यसभा की 1 सीटें हैं ।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र का इतिहास काफी प्राचीन है । यह राय वीर शिवाजी की कर्मभूमि रही है । 1 मई 1960 को इस सम्मिलत प्रांत को महाराष्ट्र तथा गुजरात दो पृथक राज्यों में बांट दिया गया । पुराने बंबई राज्य की राजधानी नई महाराष्ट्र राज्य की राजधानी बन गई। 1995 में बम्बई का नाम बदलकर मुम्बई कर दिया गया ।

क्षेत्रफल : 3,07,726 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : मुम्बई

अवस्थित : महाराष्ट्र देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य है। राज्य के पश्चिम में अरब सागर, दक्षिण कर्नाटक, और दक्षिणी-पूर्व में आंध्र प्रदेश तथा गोवा, उत्तर- पश्चिम में गुजरात तथा उत्तर में मध्य प्रदेश स्थित है।

व्यापारिक फसलें : कपास, गन्ना, तम्बाकू, हल्दी आदि ।

खाद्यान्न फसलें : चावल, गेहूं ।

उद्योग : इसका औद्योगिक उत्पादन भारत का 23 प्रतिशत है । देश के कुल इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन का 18.5 प्रतिशत मुंबई में होता है । चलचित्र उद्योग में यह राज्य अग्रणी है । रसायन, चीनी, इस्पात, उर्वरक, प्लास्टिक समान आदि ।

खनिज : लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट, चूना पत्थर, कच्चे तेल, गैस आदि।

सड़क : राज्य में कुल 1,69,921 किलोमीटर लम्बी सड़क है ।

विमान सेवा : मुंबई देश का सबसे बड़ा अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा है ।

बन्दरगाह : मुम्बई

प्रमुख नदियां : गोदावरी, कृष्णा, भीमा, बेनगंगा आदि।

		गणेश चतुर्थी (गणेशोत्सव) आदि ।
पर्व / त्योहार	:	बांग्ला तथा हिन्दी ।
मुख्य भाषा	:	यहां विभिन्न उद्योग काफी विकसित है । जयंतिया, खासी, गारो, हाजोंग, बाते पुकारें आदि महत्वपूर्ण स्थान है। । त्रिपुरी (बोडोलैण्ड), हुलाकुप, गणपतिकुंडे और लाबोरि धार्मिक स्थल है।
प्रशासन	:	इस राज्य के विधानमण्डल में दो सदन है। विधान सभा तथा विधान परिषद। इस विधान सभा के निर्वाचित तथा विधान परिषद के सदस्यों की कुल संख्या क्रमशः 288 तथा 78 है । यहां लोकसभा की 48 तथा राज्यसभा की कुल 19 सीटें हैं ।

मेघालय

मेघालय का शाब्दिक अर्थ होता है 'बादलों का घर' मेघालय का उल्लेख भारतीय संविधान के पहले नहीं मिलता है । 21 जनवरी 1972 को स्वायत्त राज्य मेघालय की स्थापना की गई ।

क्षेत्रफल	:	22,429 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	शिलांग
अवस्थिति	:	इसके उत्तर में असम के गोपालपुर, कामरूप, गोलांग और कार्बी एंगलांग जिला, पूर्व में असम का ही कछार तथा उसकी कछार, दक्षिण तथा पश्चिम में बंगलादेश है ।
व्यावसायिक फसलें	:	आलू, पटसन, मेस्ता, कपास, सरसों, सुपारी, अनानास आदि ।
बागवानी फसलें	:	केला, नींबू, अमरूद कुछ अन्य फल ।
उद्योग	:	यहां ज्यादातर लघु उद्योग हैं इसमें लकड़ी बांस, बेत आदि के मुख्य उत्पाद शामिल हैं । चेरापूंजी (मेघालय) में सीमेंट कारखाने 250 टन पोर्टलैण्ड सीमेंट उत्पादित करता है । मेघालय में एक प्लाईवुड तथा एक शराब का कारखाना स्थापित किया गया है।
खनिज	:	कोयला, सिलीमेनाईट, चूना-पत्थर, फायर क्ले, आदि ।
सड़क	:	यहां कुल राष्ट्रीय राजमार्ग की लम्बाई 961 कि.मि. है।
विमान सेवा	:	शिलांग राज्य का एकमात्र हवाई अड्डा है ।
पर्व / त्योहार	:	'पंकलांग-नोंगक्रेम', 'शार स्कुरिंग्लोम' (प्रसन्न हरण से किया गया नृत्य), खासियों (जाति विशेष) का प्रमुख त्योहार है । 'बेहडीखलाम' जयंतियां आदिवासियों का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है।
मुख्य भाषा	:	खासी, गारो व अंग्रेजी
नदियां	:	मेघालय में गारो पहाड़ियों में उत्तर और बहने वाली मांस, रामसिंग और जिनजीरम् नदियां तथा पश्चिम की ओर बहने वाली सिंग और मैनोल नदियां हैं । राज्य में वार्षिक वर्षा 1200 मिलीमीटर होती है । इसे " पूर्व का स्कॉटलैण्ड" कहा जाता

है ।

पर्यटन स्थल : पोलो मैदान, एलिफैंट प्रपात, शिलांग, शिकर, शिलांग का गोल्फ मैदान उमियम झील, चेरापूँजी मासमई जल प्रपात, लायसरम, घग्स्कीन झील नर्तियांग, सीजू , तुराशिकर आदि ।

प्रशासन : राज्य की एक सदन वाला विधान मण्डल है । विधानसभा में निर्वाचित सदस्यों की संख्या 60 है । यहाँ लोकसभा की 2 तथा राज्यसभा की 1 सीटें हैं ।

मिजोरम

'मिजो' शब्द का अर्थ है - पहाड़ी आदमी या पहाड़ का रहने वाला । यहां के निवासी मुख्यतः मंगोलियन हैं। 20 फरवरी, 1987 को इसे राज्य का पूर्ण दर्जा दिया गया।

क्षेत्रफल : 21,081 वर्ग किलामीटर

राजधानी : आइजोल

अवस्थित : मिजोरम एक पर्वतीय प्रदेश है । यह भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में से एक है । इसके पूर्व और दक्षिण में म्यांमार (बर्मा), पश्चिम में बंग्लादेश, उत्तर- पश्चिम में त्रिपुरा, उत्तर में असम तथा उत्तर-पूर्व में मणिपुर है ।

प्रमुख फसलें : सरसों, तिल तथा आलु, यह राज्य बिना रेशे वाली अदरख के लिए विख्यात है ।

उद्योग : यहां कुटीर उद्योग ही विकसित हैं हस्तशिल्प तथा अन्य छोटे उद्योग कार्यरत हैं । यहां रेडियो मरम्मरत आदि की 573 औद्योगिक इकाइयाँ हैं ।

सड़क : राज्य के सड़कों की कुल लम्बाई 3,000 किलोमीटर है ।

विमान सेवा : आइजोल में हवाई अड्डा है ।

पर्व/त्योहार : 'पालकुट' फसल कटाई का महत्त्वपूर्णत्योहार है । चेराड़ या बांस नृत्य आदि उल्लेखनीय है ।

मुख्य भाषा : मिजो और अंग्रेजी

पर्यटन स्थल : वानतांग जलप्रपात, चमफाई, आइजोल ।

प्रशासन : मिजोरम में एक सदन वाला विधानमंडल है - विधानसभा । इसके निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या 40 है । यहाँ लोकसभा की 1 तथा राज्यसभा की 1 सीट है ।

सिक्किम

इतिहास में इस राष्ट्र का तालुक नामग्याल राजवंश से है । संविधान के 38 वें संशोधन के अनुसार 26 अप्रैल 1975 को सिक्किम भारत का 22 वां राज्य बनाया गया।

क्षेत्रफल : 7,096 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : गंगटोक

अवस्थित : सिक्किम पूर्वी हिमालय में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी राज्य है। इसके उत्तर में तिब्बत, पश्चिम में नेपाल, पूर्व में भूटान और दक्षिण में पश्चिम बंगाल है ।

व्यापारिक फसलें : चाय, बड़ी इलायची, अदरख आदि।

खाद्यान्न फसलें : चावल, गेहूं, आदि ।

वन : यह राज्य घने वनों से घिरा हुआ है । यहां साल, सेमल और बांस के वृक्षों की अधिकता है।

उद्योग : यह उद्योग की दृष्टि से पिछड़ा हुआ है । यहां फलों का जैम, रस, बेकरी आदि की छोटी इकाई कार्यरत हैं ।

खनिज : राज्य में ताँबा, जस्ता, सीसा, पाइराइट, चूना-पत्थर तथा कोयला आदि का खनन होता है ।

सड़क : राज्य के कुल सड़कों की लम्बाई 1500 किलोमीटर है ।

पर्व/त्योहार : माघ संक्रांति , लोसार, चैत दसई, दुर्गापूजा आदि मुख्य त्योहार हैं।

मुख्य भाषा : लेप्चा, भऊटिया, हिन्दी, नेपाली एवं लिम्बू ।

पर्यटन स्थल : गंगटोक, प्राकृतिक उद्यान बाखिम, तीन महान बौद्ध भिक्षुओं का मिलन स्थल चाक्सूय, ताशिविंग मठ, रूटाक बौद्ध मठ इत्यादि महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं ।

प्रशासन : राज्य में एक सदन वाली विधान मण्डल वाली विधान सभा है । इसके सदस्यों की संख्या 32 है। यहाँ लोकसभा की 1 तथा राज्यसभा की भी 1 सीटें है।

अरुणाचल प्रदेश

ब्रिटिश शासन में यह असम का भाग था स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह उत्तर पूर्वी सीमा एजेन्सी (नेफा) का भाग रहा । अन्ततः 20 फरवरी, 1987 को अरुणाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया ।

क्षेत्रफल : 83,743 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : ईटानगर

अवस्थित : अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम में भूटान, उत्तर में तिब्बत, उत्तर-पूर्व में चीन तथा दक्षिण में असम है । यह राज्य पहाड़ी क्षेत्र में है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का सबसे बड़ा राज्य है।

व्यापारिक फसलें : अनान्नास, संतरा, नींबू, लीची, गन्ना, आदि ।

खाद्यान्न फसलें : चावल, मक्का, ज्वार गेहूँ, आलू, आदि ।

उद्योग : यहां 64 शिल्प और बुनाई केन्द्र हैं, जिनमें रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुएँ तैयार करने के बारे में प्रशिक्षण देने की सुविधाएँ हैं । ईटानगर में उत्तर - पूर्वी क्षेत्रीय टेक्नोलोजी संस्थान स्थापित किया गया है ।

खनिज	:	डोलोमाइट तथा खनिज तेल
सड़क	:	यहां 330 किलोमीटर लम्बे राजमार्ग हैं ।
विमान सेवा	:	एलोंग, देपोरिजो, पासीघाट, तेजु और जीरो में वायुदूत सेवाएँ उपलब्ध हैं ।
पर्व/त्योहार	:	लोसरखान, न्योंकम, सिदोना, अरन, तमिलनाडु, सगकेन, रेह , औराह, लोकू, ओमजिले और मोल प्रमुख हैं ।
मुख्य भाषा	:	मोनपा, मीजी, आका, शरदुकपेन, नोकटे बगनी, तागिन, निशी आदि।
पर्यटन स्थल	:	बोमडीला, त्वांग और उसके निकट भारत का विशालतम बौद्ध विहार तथा ईटानगर का ऐतिहासिक ईटामहल तथा गंगा झील दर्शनीय हैं ।
प्रशासन	:	यहाँ लोकसभा की 2 तथा राज्यसभा की 1 सीटें हैं।

हरियाणा

यह राज्य भारत वंश इतिहास से जुड़ा हुआ है । जहां कुरूक्षेत्र का युद्ध हुआ । यह राज्य पहले पंजाब के अंदर था । 1 नवम्बर, 1966 को आधुनिक हरियाणा राज्य अस्तित्व में आया।

क्षेत्रफल	:	44,212 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	चण्डीगढ़
अवस्थित	:	राज्य के पूर्व में उत्तर प्रदेश, उत्तर में हिमाचल प्रदेश, उत्तर-पश्चिम में पंजाब तथा दक्षिण- पश्चिम में राजस्थान है । केन्द्र शासित प्रदेश दिल्ली, हरियाणा से जुड़ा है तथा हरियाणा द्वारा तीन ओर से घिरा हुआ है ।
प्रमुख फसलें	:	चावल, गेहूं आदि ।
उद्योग	:	यहां उद्योग काफी मजबूत है । पिंजोर में हिन्दुस्तान मशीन टूल्स का कारखाना है । हरियाणा देश में सबसे अधिक ट्रैक्टरों का उत्पादन करता है । पानीपत को भारत का ' बुनकरों का शहर' कहा जाता है । गुड़गांव में 2 अरब 66 करोड़ रूपए लागत से उच्च टेक्नोलॉजी पार्क बनाया जा रहा है ।
खनिज	:	चूना -पत्थर, लाल पत्थर, स्लेट, डोलोमाइट, संगमरमर, ग्रेफाइट आदि।
सड़क	:	हरियाणा में कुल सड़कों की कुल लम्बाई 21,280 कि.मी. है । 655 कि. मी. लम्बा- राजमार्ग है।
विमान सेवा	:	चण्डीगढ़ में बड़ा हवाई अड्डा है ।
पर्व /त्योहार	:	लोहड़ी यहाँ का प्रमुख त्योहार है। टिक्का यहां का प्रमुख पर्व है।
मुख्य भाषा	:	हिन्दी (हरियाणवी)
पर्यटन स्थल	:	बड़खल झील (फरीदाबाद), दबचीक (होडल), कर्णझील

(ढचाना) गदवेन्द्र गार्डन (पिंजौर), राजहंस (सूरजकुण्ड), काला तीतर (अबूबशह), किंगफिशर (अम्बाला) सुल्तानपुर पक्षी विहार आदि दर्शनीय स्थल हैं ।

प्रशासन : राज्य में एक सदनीय विधानमंडल, विधान सभा है जिसके सदस्यों की संख्या 90 है । यहाँ लोकसभा की 10 तथा राज्यसभा की 5 सीटें हैं ।

हिमाचल प्रदेश

प्राचीन काल में इस क्षेत्र की जनजातियों को 'दास' कहा जाता था । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लगभग 30 रियासतों को मिलाकर 15 अगस्त 1948 को हिमाचल प्रदेश नामक केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया । 1 नवम्बर 1966 को पंजाब के पुनर्गठन पर इसके कुछ क्षेत्र इसमें मिला दिए गये । अन्ततः 25 जनवरी 1971 को इसे राज्य का दर्जा प्रदान किया गया ।

क्षेत्रफल : 55,673 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : शिमला

अवस्थित : इसके उत्तर में जम्मू-कश्मीर, पश्चिम में पंजाब, दक्षिण में हरियाणा, दक्षिण-पूर्व में उत्तर प्रदेश और पूर्व में तिब्बत है । पूर्व में इसकी सीमा चीन/ तिब्बत से मिली हुई है ।

प्रमुख नदियां : चिनाब, रावी, व्यास, सतलज और यमुना ।

खाद्यान्न फसलें : गेहूं, मक्का धान आदि ।

उद्योग : राज्य में अब तक 118 बड़े और मंझोले 18,900 लघु उद्योग और 34,000 दस्तकारी पर आधारित कुटीर उद्योग स्थापित किए जा चुके हैं । तारपीन, शराब, सूक्ष्मदर्शी यंत्र, घड़ी के पुर्जे, चिकित्सा यंत्र और औद्योगिक उपकरण आदि बनाने के कारखाने स्थापित हैं ।

खनिज : रॉकसाल्ट, स्लेट, जिप्सम, चूना-पत्थर, डोलोमाइट आदि ।

सड़क : हिमाचल प्रदेश की सड़कों की कुल लंबाई 16,768 किलोमीटर है ।

विमान सेवा : भुंतार (कुल्लू घाटी), जब्बारहट्टी (शिमला) और गगल (कांगड़ा) तीन हवाई अड्डे हैं।

मुख्य भाषा : हिन्दी एवं पहाड़ी

प्रमुख नदियां : चिनाव, रावी, सतलज, यमुना ।

पर्यटन स्थल : कुल्लू घाटी, कांगड़ा, रविघाटी, शिमला, सोलन, चैल कुफ्री, कसौली आदि पर्वतीय दर्शनीय स्थल हैं । धार्मिक दृष्टि से नैनादेवी देवदत्त सिद्ध, ज्वाली जी, चामुंडा देवी आदि उल्लेखनीय है ।

प्रशासन : राज्य विधान मंडल में केवल विधानसभा है । इसके सदस्यों की संख्या 68 है। यहाँ लोकसभा की 4 तथा राज्यसभा की 3 सीटें है।

गोवा

गोवा प्राचीन काल में गोमांचल , गोकपाट्टन, गोपकपुरी, गोआपुरी, गोमांतक आदि नामों से विख्यात रहा है । इसकी लंबी ऐतिहासिक परम्परा रही है । इस पर पुर्तगालियों का भी राज्य कायम रहा है । भारत के स्वतंत्र होने के बाद भी गोवा पुर्तगालियों के कब्जे में रहा। 30 मई 1987 को गोवा को 25वां राज्य का दर्जा दिया गया गया । दमन और दीव को अलग केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया ।

क्षेत्रफल	:	3,702 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	पणजी
अवस्थित	:	गोवा भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट पर स्थित है इसके उत्तर में तैरेखोल या अरौडम नदी बहती है । दक्षिण में उत्तरी किनारा जिला , पूर्व में पश्चिमी घाट और पश्चिम में अरब सागर है । गोवा में 36 द्वीप हैं, जिनमें से तीसवादी द्वीप-समूह प्रसिद्ध है। गोवा की जलवायु गर्म और आर्द्र है ।
व्यापारिक फसलें	:	नारियल, काजू, सुपारी, गन्ना आदि
बागवानी फसलें	:	केला, आम, आदि ।
उद्योग	:	गोवा मुख्यतः कच्चा लोहा तथा मैंगनीज का निर्यात करता है ।
खनिज	:	लौह अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट आदि प्रमुख है ।
सड़क	:	राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग की लम्बाई 224 किलोमीटर है।
विमान सेवा	:	यहां डक्लिम हवाई अड्डा है ।
मुख्य भाषा	:	कोंकणी व मराठी ।
पर्यटन स्थल	:	गोवा का पर्यटन उद्योग काफी समृद्ध है। गोवा के सागर तटों में से कोलवा, कालनगुट, वागाटोर, हरमल, अजुना और मीरामार सागर-तट दर्शनीय हैं । दूधसागर और हरवालय जलप्रपात तथा माएम झील प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है । राज्य के वन्यप्राणी उद्योग बोंडला, कोटिआगों मलेम तथा डॉ0 सलीम अली पक्षी उद्यान दर्शनीय हैं ।
प्रशासन	:	राज्य के विधानमंडल में एक ही सदन हैं । कुल सदस्यों की संख्या 40 है। राज्य दो जिला में विभाजित है । यहाँ लोकसभा की 1 तथा राज्यसभा की 1 सीटें हैं ।

छत्तीसगढ़

1 नम्बर 2000 को भारत के 26 वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आये छत्तीसगढ़ को भारत के सबसे बड़े राज्य मध्य प्रदेश से पृथक करके बनाया गया है । लगभग एक दशक पहले इस राज्य की माँग उठी थी। एक सर्वदलीय संघर्ष मोर्चा इसके लिए प्रयत्नशील था जिसकी कमान पवन दीवान एवं चंदूलाल चंद्राकर जैसे नेताओं के हाथ में थी। इस राज्य का प्रथम राज्यपाल एवं प्रथम मुख्यमंत्री होने के गौरव क्रमशः दिनेश चन्द्र सहाय एवं अजीत

जोगी ने हासिल की ।

इस क्षेत्र को धान का कटोरा कहा जाता है। छत्तीसगढ़ में 1500 से अधिक किस्मों के चावल उगाये जाते हैं । छत्तीसगढ़ अपनी प्रचुर खनिज सम्पदा, खूबसूरत जंगलों एवं आदिवासी संस्कृति के लिए विख्यात है । प्रकृति ने इस राज्य की भूमि को हीरे, कोयले और पत्थर की बेहतरीन किस्मों की खानों के रूप में सुन्दर उपहार दिया है। बीड़ी में उपयोग किया जाने वाला तेंदू पत्ता यहां पूरे भारत में सर्वाधिक (सत्तर प्रतिशत) पाया जाता है ।

क्षेत्रफल	:	146361 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	रायपुर
अवस्थित	:	उत्तर में उत्तर प्रदेश, दक्षिण में आंध्र प्रदेश, पूरब में उड़ीसा इसके उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में झारखण्ड है । तथा पश्चिम में मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के बीच अवस्थित है।
प्रमुख नदियाँ	:	महानदी, गोदावरी, नर्मदा, रीहन्द, इन्द्रावती आदि ।
प्रमुख उद्योग	:	इस क्षेत्र में भिलाई इस्पात संयंत्र भारत ऐल्युमिनियम कंपनी जैसे भारी उद्योग, कई सीमेंट कारखाने एवं अनेक ताप बिजली-घर हैं।
प्रमुख खनिज	:	बॉक्साईट, कोयला, ताम्र अयस्क, हीरा कैरेट, डोलोमाईट , लौह अयस्क, कोलिन, चूना पत्थर, मैगनीज अयस्क, गेरू, पायरोफिलाइट, क्वार्ट जाईट,सिलिका सेंड, फास्फोराईट, टिन सांद्र ।
प्रमुख आय के स्त्रोत	:	धान, खनिज, वन सम्पदा
उच्चन्यायालय	:	बिलासपुर
हवाई अड्डा	:	रायपुर
प्रशासन	:	राज्य के विधान मंडल में एक ही सदन हैं जिसकी सदस्यों की संख्या 90 है । यहाँ लोकसभा की 11 तथा राज्यसभा की 5 सीटें हैं ।

उत्तरांचल

उत्तरांचल राज्य के गठन की माँग आजादी से पूर्व 1938 ई० से ही की जा रही थी । सुरम्य पहाड़ियों और हिल स्टेशनों से भरपूर उत्तर प्रदेश के उत्तरी भाग ने 9 नवम्बर 2000 को 27 वें राज्य उत्तरांचल के रूप में शक्ल ली । इस राज्य का प्रथम राज्यपाल एवं प्रथम मुख्यमंत्री होने का गौरव क्रमशः सुरजीत सिंह बरनाला एवं नित्यानंद स्वामी ने हासिल की ।

उत्तरांचल राज्य की कुल भूमि का 63 प्रतिशत वन क्षेत्र है । विश्व प्रसिद्ध बासमती चावल इसी राज्य की देन है । उत्तरांचल राज्य के अधिकांश भाग पर्वतीय हैं तथा वनों से घिरे हुए हैं । पर्यटन स्थलों, वन्य जीवन एवं तीर्थो की अधिकता के कारण पर्यटन यहाँ की आय का मुख्य स्त्रोत है । उत्तरांचल राज्य के बारे में

यहाँ के लगभग आधे निवासी प्रदेश से बाहर नौकरी करते हैं, इसीलिए यहाँ की अर्थव्यवस्था को मनीआर्डर अर्थव्यवस्था भी कहते हैं ।भारतीय सशस्त्र सेनाओं में सर्वाधिक जवान इसी राज्य से हैं ।

क्षेत्रफल	:	51,125 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	देहरादून
अवस्थित	:	उत्तर में हिमाचल प्रदेश, दक्षिण में उत्तर प्रदेश पूरब नेपाल, पश्चिम में हरियाणा और दिल्ली तथा उत्तर पूर्व में तिब्बत
प्रमुख नदियाँ	:	गंगा, यमुना
प्रमुख खाद्यान्न	:	धान, दलहन आदि
आय का प्रमुख स्त्रोत	:	पर्यटन
प्रमुख पर्यटन स्थल	:	बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, हेमकुंड साहब, नैनीताल, मसूरी, देहरादून, अल्मोड़ा, रानीखेत, हरिद्वार,ऋषिकेश आदि
प्रशासन	:	राज्य के विधान मंडल में एक ही सदन है जिसकी सदस्यों की संख्या 22 है। यहाँ लोकसभा की 5 तथा राज्यसभा की 3 सीटें हैं ।

झारखण्ड

भारत के 28 वें राज्य (15 नवम्बर 2000) के रूप में अस्तित्व में आये झारखण्ड को बिहार राज्य से पृथक कर बनाया गया है । बिहार की ग्रीष्मकालीन राजधानी का गौरव हासिल करने वाली राँची को अब इस झारखण्ड राज्य की राजधानी का गौरव प्राप्त है । इस राज्य का प्रथम राज्यपाल एवं प्रथम मुख्यमंत्री होने का गौरव क्रमशः प्रभात कुमार एवं बाबू लाल मरांडी ने हासिल की ।

यह एक आदिवासी बहुल राज्य है । हालाँकि शिक्षा के मामले में यह राज्य काफी पिछड़ा है । परन्तु उद्योग- धंधो की इस नए राज्य में काफी अच्छी स्थिति है । खनिज सम्पदा के मामले में भारत की हृदय स्थली कहा जाने वाला यह प्रदेश अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ ही ऐतिहासिक औद्योगिक एवं धार्मिक महत्व के अनेक स्थानों की दृष्टि से पर्यटकों का भी पसन्दीदा स्थल है ।

क्षेत्रफल	:	74,677
राजधानी	:	राँची
अवस्थित	:	झारखण्ड के उत्तर में बिहार द० उड़ीसा पूरब में पश्चिम बंगाल तथा पश्चिम में उत्तर प्रदेश, एवं छत्तीसगढ़ है ।
उच्चन्यायाल	:	राँची
प्रमुख नदियाँ	:	दामोदर, बराकर स्वर्णरेखा, शंख, कोयल आदि।
प्रमुख खाद्यान्न	:	धान, गेहूँ, दलहन आदि
आय का प्रमुख स्त्रोत	:	धान, खनिज, वन सम्पदा
प्रमुख खनिज	:	कोयला, लोहा, अबरख, मैंगनीज, यूरेनियम, ताँबा, एस्बेस्टस, बॉक्साइट, माइका, सोना, चाँदी, लाइमस्टोन आदि

प्रमुख उद्योगों	:	टिस्को, टेल्को, बोकारो स्टील (सेल), हिन्दुस्तान कॉपर लि०, उषा इंडस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक लि०, बिहार स्पंज आयरन लि०, यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया आदि
प्रमुख बाँध परियोजनाएँ	:	तेनूघाट बाँध परियोजना, सुवर्णरिखा बाँध परियोजना, कोयलकारो बाँध परियोजना आदि
प्रमुख पर्यटन स्थल	:	देवघर, बासुकीनाथ, रजरप्पा, तिलैया डैम, पारसनाथ की पहाड़ी, हुण्डरू, जलप्रपात गौतम धारा,नेतरहाट, बेतला राष्ट्रीय पार्क आदि।
प्रशासन	:	यहाँ विधान मंडल के एक ही सदन हैं । विधानसभा के सदस्यों की संख्या 81 है । यहाँ लोकसभा की 14 तथा राज्यसभा की 6 सीटें हैं ।

संघीय प्रदेश

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

यहां सबसे पहले आने वाले पुर्तगाली थे । इसका 16 शताब्दी के पहले का कोई इतिहास नहीं मिलता हैं । पहले इस स्थान का उपयोग कैदियों को रखने के लिए किया जाता था । ब्रिटिश शासन के समय इसे ' कालापानी' के नाम से जाना जाता था । पुनः 15 अगस्त, 1947 को ये द्वीप स्वतंत्र भारत के अंग के रूप में स्वाधीन हो गए । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सरकार ने द्वीपवासियों की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के उद्देश्य से 1956 में अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह अधिनियम पास किया ।

क्षेत्रफल	:	8,249 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	पोर्ट ब्लेयर
अवस्थित	:	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह भारत संघ के पूर्वी भाग में बंगाल की खाड़ी में बसा हुआ है। इसमें 300 से अधिक द्वीप हैं ।
व्यापारिक फसले	:	नारियल, सुपारी, खजूर आदि ।
बागवानी फसलें	:	नींबू, आम, अमरूद, सन्तरा, शरीफा और अनान्नास आदि ।
उद्योग	:	हस्तशिल्प लघु उद्योग विकसित हैं । पेन्डेस की पत्तियों से चटाई बनाना यहाँ का प्रमुख कुटीर उद्योग है ।
खनिज	:	खनिज का प्रचुर विकास नहीं हो सका है।
सड़क	:	द्वीपों में सड़कों की कुल लम्बाई 7,130 वर्ग कि.मी. हैं ।
विमान सेवा	:	पोर्ट ब्लेयर में हवाई अड्डा है ।
मुख्य भाषा	:	बंगला, हिन्दी, निकोबेराइज, तमिल और मलयालम ।
पर्यटन स्थल	:	सेल्यूलर जेल (राष्ट्रीय स्मारक), चाथम सॉ मिल, मारंट हैरियट आदि महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं।
प्रशासन	:	प्रशासन लेफ्टिनेंट गवर्नर के द्वारा चलाया जाता है। जिसका

लक्षद्वीप

लक्षद्वीप के पूर्व इतिहास की लिखित जानकारी उपलब्ध नहीं है । पर टीपू के पतन के बाद लक्षद्वीप ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधिकार में चला गया । अन्ततः 19 वीं शताब्दी में अंग्रेजी ने इसे अपने अधिकार में कर लिया । सन् 1973 में लंकाद्वीप, मिनिकाय और अमीनद्वीप समूहों को मिलाकर एक नाम लक्षद्वीप दिया गया ।

क्षेत्रफल	:	32 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	कवरत्ती
स्थिति	:	लक्षद्वीप प्रवाल द्वीपों का समूह है जिसमें 12 प्रवाल द्वीप, तीन प्रवाल भित्ति, और जलमग्न बालू के तट शामिल हैं । लक्षद्वीप भारत के पश्चिमी भाग में अरब सागर में अवस्थित है ।
व्यापारिक फसलें	:	नारियल तथा नारियल जट्टा
उद्योग	:	नारियल जट्टा का उद्योग तथा टूना मछली की प्रोसेसिंग का कार्य किया जाता है।
विमान सेवा	:	अगाति से वायुदूत की सेवा उपलब्ध है।
बन्दरगाह	:	द्वीपों को तीन जहाज एम.वी. अमीन-दीवी, एम. वी. भारत सीमा और एम.वी. द्वीप सेतु को चीन, मंगलूर और बेपूर बंदरगाहों से जोड़ते हैं।
प्रशासन	:	यहाँ लोकसभा की 1 सीट है ।

दादरा और नगर हवेली

यह भूतपूर्व पुर्तगाली क्षेत्र 11 अगस्त, 1961 से भारत का अभिन्न हिस्सा बन गया। तब से इसे केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा प्राप्त है । 2 अगस्त 1989 को दादर नगर हवेली के लिए प्रदेश परिषद् की घोषण की गई ।

क्षेत्रफल	:	491 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	सिलवासा
अवस्थित	:	यह गुजरात और महाराष्ट्र से घिरा हुआ छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है। ये दो पृथक क्षेत्र हैं- एक दादर और दूसरा नगर हवेली ।
मुख्य भाषा	:	भिलि, भिलोदी, गुजराती व हिन्दी ।
प्रमुख फसले	:	धान, गन्ना, आम, चीकू, लीची सेव, केला, नागली तथा अन्य पहाड़ी अनाज उत्पादन किये जाते हैं ।
उद्योग	:	यहां विभिन्न कुटीर उद्योग टेक्सटाईल , इंजीनियरी एवं
प्लास्टिक		के हैं।
खनिज	:	यहाँ खनिजों का अभाव है ।
सड़क	:	यहां कुल 341 किलो मीटर लंबा सड़क मार्ग है ।
पर्व / त्योहार	:	वर्ली और कोकना जनजातियाँ दीवाली को ' बरश' के नाम

से मनाती है। आखातीज दिसवी, भावड़ा, कालीपूजा, ढोडीया, वर्लीग, क्षेडिया और कोली जनजातियों द्वारा मानाये जाने वाले त्योहार हैं ।

प्रशासन : यहाँ लोकसभा की 1 सीट है ।

दमन और दीव

यह भूतपूर्व पुर्तगाली क्षेत्र स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी पुर्तगालियों के अधीन था । 30 मई 1987 को गोवा को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया तथा संविधान के 57 वें संशोधन द्वारा दमन व दीव को गोवा से पृथक कर एक स्वाधीन केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया ।

क्षेत्रफल : 112 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : दमन

अवस्थित : दमन मुम्बई में उत्तर के 160 कि. मी. पर स्थित है । उत्तर में भगवान नदी, पूर्व में गुजरात, दक्षिण में कलेन नदी और पश्चिम में खम्भात की खाड़ी है । दीव खम्भात की खाड़ी में वैरावल पतन के निकट है और सौराष्ट्र प्रायद्वीप के दक्षिणी छोर और इस द्वीप के बीच एक पतली सी धारा के रूप में है ।

व्यापारिक फसलें : धान, गेहूँ, रागी, बाजरा, ज्वार, मूंगफली, दालें तथा सेम ।

बागवानी फसलें : केला, पपीता और आम ।

उद्योग : यहां उद्योग साधारण विकसित है। यहाँ के प्रमुख उद्योगों में इस्पात ढलाई, औषधि, रासयानिक पदार्थ, वस्त्र, विद्युत उपकरण, टेलीविजन सेट आदि प्रमुख उद्योग हैं ।

खनिज : मैंगनीज और फैरो मैंगनीज, बॉक्साइट तथा सेलखड़ी ।

मुख्य भाषा : मराठी, कोंकणी और गुजराती ।

पर्यटन स्थल : देवका बीच (दमन), काछीगाम (दमन) में सरोवर, नानी उद्योग (दमन) मोती मत्स्यालय (दमन), तथा दीव में जालन्दर बीच के समीप ग्रीष्म आवास, नागोन बीच, गोफल में शिशु उद्यान आदि दर्शनीय स्थल हैं ।

प्रशासन : यहां एक प्रदेश - परिषद की स्थापना की गई है । प्रशासक यहाँ सरकार का प्रमुख होता है । यहाँ लोकसभा की 1 सीट है ।

चण्डीगढ़

यह हरियाणा तथा पंजाब दोनों की राजधानी है। चण्डीगढ़ और उसके आस पास के क्षेत्र को 1 नवंबर, 1966 को केन्द्र शसित प्रदेश बनाया गया । चण्डीगढ़ एक सुयोजित आधुनिक शहर है, जिसकी योजना फ्रांसिसी वास्तुविद लि कारबुजियर ने तैयार की थी ।

क्षेत्रफल	:	114 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	चण्डीगढ़
अवस्थित	:	इसके उत्तर और पश्चिम में पंजाब तथा पूर्व और दक्षिण में हरियाणा है ।
खाद्यान्न फसलें	:	गेहूँ, मक्का, धान आदि ।
उद्योग	:	कुछ छोटे उद्योग विकसित हैं जैसे ऊनी वस्त्र, बुनाई मशीन की सुईयाँ , पेय पदार्थ, बिजली के मोटर, साइकिल के रिम आदि ।
खनिज	:	खनिज पदार्थों का यहाँ अभाव है ।
सड़क	:	राष्ट्रीय राजमार्ग कुल 24 किलोमीटर लंबा है । प्रदेश रेल मार्ग तथा वायुमार्ग द्वारा भी जुड़ा हुआ है ।
मुख्य भाषा	:	हिन्दी और पंजाबी
पर्यटन स्थल	:	रोजगार्डन, रॉक गार्डन (नेकचन्द द्वारा निर्मित) स्मृति उपवन, शांतिकुंज, सुखना झील, आर्ट गैलरी आदि ।
प्रशासन	:	यहाँ लोकसभा की 1 सीट है ।

दिल्ली

भारत की राजधानी दिल्ली शहर की स्थापना तोमर वंश के अनंगपाल ने 11 वीं शताब्दी में की थी । 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् इसे भारत की राजधानी के रूप में स्वीकार किया गया । 1956 में इसे केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया । संविधान के 74 वें संशोध न द्वारा दिल्ली में विधानसभा का गठन किया गया । इस विधेयक में दिल्ली को देश की राजध ानी के नाते केन्द्र शासित प्रदेशों में विशेष दर्जा दिया गया है ।

क्षेत्रफल	:	1,483 वर्ग किलोमीटर
राजधानी	:	नई दिल्ली
अवस्थित	:	यह प्रदेश उत्तरी भारत में स्थित हरियाणा की पूर्वी सीमा के भीतर घुसा हुआ है । अपनी स्थिति के कारण इस प्रदेश की जलवायु पश्चिम और दक्षिण- पश्चिम में स्थित राजस्थान के रेगिस्तान और पूर्व में उत्तर प्रदेश के गंगा के मैदान से प्रभावित होती है ।
व्यापारिक फसलें	:	सब्जियों का उत्पादन
घनत्व	:	जनसंख्या का घनत्व (6,352) है जिसका प्रमुख कारण दिल्ली में अप्रवासियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि ।
उद्योग	:	यहां छोटे-बड़े बहुत से उद्योग हैं जहां बहुतों को व्यवसाय मिलता है ।
मुख्य भाषा	:	हिन्दी, पंजाबी और ऊर्दू ।

पर्यटन स्थल : फिरोजशाह कोटला, निजामुद्दीन का मकबरा, लोदी का मकबरा, इंडिया गेट, मुगल गार्डन, हौजखास, सफदरजंग का मकबरा, राष्ट्रपति भवन, लाल किला, जामा मस्जिद आदि प्रमुख हैं ।

प्रशासन : यहाँ लोकसभा 7 तथा राज्यसभा की 3 सीटें हैं । दिल्ली का नाम 'राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली ' किया गया तथा इसके लिए 70 सदस्यीय विधान सभा तथा 7 सदस्यीय मंत्रिमण्डल के गठन का प्रावधान किया गया ।

पांडिचेरी

16 वीं शताब्दी में पांडिचेरी ' पुंडचीरा' के नाम से जाना जाता था । सन् 1666 में फ्रांसीसियों द्वारा सूरत को अपना मुख्य व्यापारिक केन्द्र बनाया गया । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नवम्बर 1954 में फ्रांस की सरकार ने भारत में फ्रांसीसी बस्तियों का अधिकार, स्वतंत्र भारत की सरकार के हाथों में सौप दिया ।

क्षेत्रफल : 492 वर्ग किलोमीटर

राजधानी : पांडिचेरी

अवस्थित : पांडिचेरी तीन ओर से साउथ अर्काट जिले से घिरा पांडिचेरी शहर और उसके आसपास के गांवों का क्षेत्रफल 239 वर्ग कि. मी. । तंजौर जिस से घिरा कारैकल शहर और उसके गांवों को क्षेत्रफल 160 वर्ग कि.मी. केरल राज्य द्वारा घिरा माही और उसके गांवों का क्षेत्रफल 9 वर्ग कि. मी. और आंध्र प्रदेश में ईस्ट गोदावरी जिले में येनाम का क्षेत्रफल 30 वर्ग कि. मी. को पूरा मिलाकर पांडिचेरी का निर्माण हुआ है।

व्यापारिक फसलें : गन्ना , कपास, मूंगफली आदि ।

उद्योग : यहां 14 उद्योग और 45 मध्य दर्जे के उद्योग हैं । उद्योगों में वस्त्र, चीनी, सूती, धागा, कागज, बीयर पोटैशियम आदि के उद्योग कार्यरत हैं।

सड़क : राज्य में कुल 2.371 कि.मी. लम्बा मार्ग है।

मुख्य भाषा : तमिल, तेलुगू, फ्रेंच, मलयालम और अंग्रेजी ।

पर्यटन स्थल : राज्यपाल भवन, ओरोविलें क्रीज, अरविंदो आश्रम, भरथिकर संग्रहालय, एलांइस फ्रांसिसेस, कातेरी लेक आदि दर्शनीय स्थल हैं ।

प्रशासन : पांडिचेरी पर भारत का राष्ट्रपति एक लेफ्टिनेंट गवर्नर के जरिए शासन करता है । यहाँ एक मंत्री परिषद् है जो 33 सदस्यों वाली विधानसभा के प्रति उत्तरदायी है । मुख्यमंत्री की अधीनता में मंत्रिपरिषद प्रशासन का काम संभालती है । यहाँ लोकसभा की 1 तथा राज्यसभा की 1 सीटें हैं ।

21. प्रमुख प्रदेशों के राजकीय पशु एवं पक्षी

प्रदेश	राजकीय पशु	राजकीय पक्षी
बिहार	रीछ	नक्ता
प० बंगाल	हाथी	बार्न उल्लू
उत्तर प्रदेश	तेंदुआ	क्रौंच या सारस
मध्य प्रदेश	चित्तीदार बारहसिंहा	दुधराज
आन्ध्र प्रदेश	चौसिंगा	धूसर हवासिल
हरियाणा	नीलगाय	काला तीतर
पंजाब	कृष्णसार मृग	नीलकंठ
गुजरात	गिरिसिंह	हंसाबर
महाराष्ट्र	गौर	धूसर वनमुर्गी
कर्नाटक	स्लेंडर लोरिस	धनेश पक्षी
तमिलनाडु	नीलगिरि ताहर	चमचबाज (दाबिल)
राजस्थान	चिंकारा (भारतीय मृग)	गोंडावन (सोहन)
केरल	शेरपूंछ बंदर	मृगराज चिड़िया
असम	एक सींग वाला गैंडा	सफेद पंखवाली बत्तख
गोवा	मूषक मृग	धामरा
जम्मू-कश्मीर	हांगुल	पश्चिमी टर्गीपोन
हिमाचल प्रदेश	ताकिन	पीकॉक फैंजेट
दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	हनुमान लंगूर	धूसर तीतर

22. भारत के प्रमुख वन्यजीव अभ्यारण्य

राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य	राज्य	वन्य जीव प्राणी
पलामू (बेतला) अभ्यारण्य	झारखण्ड	हाथी, हिरण, तेंदुआ, सांभर, जंगली सुअर।
दाल्मा वन्य जीव अभ्यारण्य	झारखण्ड	हाथी, तेंदुआ, हिरण, भालू, जंगली सुअर।
हजारीबाग वन्य जीव अभ्यारण्य	झारखण्ड	चीता, भालू, तेंदुआ, चीतल, सांभर, जंगली सुअर।
कैमूर वन्य जीव अभ्यारण्य	झारखण्ड	बाघ, नील गाय, घड़ियाल, सांभर, तेंदुआ।
गिर राष्ट्रीय उद्यान	गुजरात	शेर, सांभर, तेंदुआ, जंगली सुअर।
नल सरोवर अभ्यारण्य	गुजरात	जल पक्षियाँ।
कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान	उत्तरांचल	हाथी, बाघ, चीता, हिरण, भालू, नील गाय, सांभर, जंगली सुअर।
दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	उत्तरांचल	चीता, बाघ, सांभर, नील गाय, तेंदुआ, हिरण।
चन्द्रप्रभा अभ्यारण्य	उत्तरांचल	चीता, भालू, नील गाय, तेंदुआ, सांभर।
वांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	हाथी, चीता, तेंदुआ, हिरण, चीतल, सांभर।
भद्रा अभ्यारण्य	कर्नाटक	भालू, हाथी, सांभर, तेंदुआ, हिरण।

सोमेश्वर अभ्यारण्य	कर्नाटक	चीता, जंगली कुत्ता, हिरण, तेंदुआ, सांभर।
तुंगभद्रा अभ्यारण्य	कर्नाटक	तेंदुआ, चीतल, काला हिरण, चौसिंगा एव विभिन्न पक्षियाँ।
पखाल वन्य जीव अभ्यारण्य	आन्ध्र प्र०	चीता, तेंदुआ, सांभर, भालू, जंगली सुअर।
कावला वन्य जीव अभ्यारण्य	आन्ध्र प्र०	चीता, तेंदुआ, सांभर, भालू, जंगली सुअर, चीतल।
मानस राष्ट्रीय उद्यान	असम	हाथी, चीता, भालू, एक सींगवाला गैंडा, लंगूर, हिरण ।
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	असम	चीता, एक सींग वाला गैंडा, जंगली सुअर और भैंसा ।
घाना पक्षी विहार	राजस्थान	सांभर, काला हिरण, जंगली सुअर, मुर्गा, घड़ियाल और साइबेरियन क्रेन ।
रणथम्भौर अभ्यारण्य	राजस्थान	चीता, बाघ, शेर, तेंदुआ, लकड़ बग्घा, भालू, नील गाय, सांभर ।
कुंभलगढ़ अभ्यारण्य	राजस्थान	चीता, नील गाय, सांभर, भालू, जंगली सुअर।
पेंच राष्ट्रीय उद्यान	महाराष्ट्र	चीता, तेंदुआ, सांभर, भालू, जंगली भैंसा ।
तंसा अभ्यारण्य	महाराष्ट्र	तेंदुआ, सांभर, चौसिंगा, जंगली सुअर, चीतल, विभिन्न पक्षियाँ ।
बोरीविली राष्ट्रीय उद्यान	महाराष्ट्र	लंगूर, हिरण, सांभर, तेंदुआ, जंगली सुअर।
अबोहर अभ्यारण्य	पंजाब	जंगली सुअर, हिरण, नील गाय, काला हंस, कबूतर ।
चिल्का अभ्यारण्य	उड़ीसा	क्रेन, जलकौवा, पेलीवन, प्रवासी पक्षियाँ ।
सिम्लीपाल अभ्यारण्य	उड़ीसा	हाथी, बाघ, चीता, तेंदुआ, सांभर, हिरण, मगरमच्छ ।
वेदान्तगल अभ्यारण्य	तमिलनाडु	जलीय पक्षियाँ ।
इंदिरा गाँधी अभ्यारण्य	तमिलनाडु	हाथी, बाघ, चीतल, तेंदुआ, सांभर, रीछ, भालू, जंगली कुत्ता लंगूर ।
मुदुमलाई अभ्यारण्य	तमिलनाडु	चीता, हाथी, तेंदुआ, गौर, सांभर, हिरण, जंगली कुत्ते ।
दम्पा अभ्यारण्य	मिजोरम	कोबरा, चीता, बिल्ली, फीजेंट ।
पेरियार अभ्यारण्य	केरल	चीता, हाथी, तेंदुआ, गौर, सांभर, हिरण भालू, नील गाय, जंगली सुअर ।
पराम्बिकुलम अभ्यारण्य	केरल	चीता, हाथी, सांभर, नील गाय, जंगली सुअर, हिरण, तेंदुआ ।
कान्हा-किसली राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	बाघ, चीतल, तेंदुआ, सांभर, बारहसिंगा ।
पंचमढ़ी अभ्यारण्य	मध्य प्रदेश	बाघ, तेंदुआ, सांभर, नील गाय, चितल, हिरण, भालू, जंगली भैंसा।

दचिग्राम राष्ट्रीय उद्यान	जम्मू-कश्मीर	तेंदुआ, काला भालू, लाल भालू, हिरण।
किश्तवार राष्ट्रीय उद्यान	जम्मू-कश्मीर	काला हिरण, जंगली याक, तिब्बती-गधा, पहाड़ी तेंदुआ ।
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	बाघ, तेंदुआ, सांभर, भालू, नीलगाय, सुअर,तीतर ।
नागर होल राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	चीता, हाथी, तेंदुआ, सांभर, भालू, चकोर, तीतर ।
पखुई वन्य जीव अभ्यारण्य	अरूणाचल प्र०	हाथी, हिरण, अजगर, सांभर ।
सुल्तानपुर झील अभ्यारण्य	हरियाणा	विभिन्न जल पक्षियाँ।
रोहिया राष्ट्रीय उद्यान	हिमाचल प्रदेश	कस्तूरी हिरण, भूरा भालू, पहाड़ी मुर्गा, पहाड़ी तेंदुआ ।
सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्यान	प० बंगाल	बाघ, चीता, हिरण, मगरमच्छ ।
भगवान महावीर उद्यान	गोवा	हिरण, चूहा, साही, सांभर ।
नोंगरवाइलेम अभ्यारण्य	मेघालय	हाथी, चीता, बाघ, हिरण, सांभर, भालू।
कैबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान	मणिपुर	हिरण, जंगली बकरी, विभिन्न जल पक्षियाँ ।

23. भारत के प्रमुख औद्योगिक शहर

शहर	राज्य	उद्योग
आगरा	उत्तर प्रदेश	चमड़ा, संगमरमर, गलीचे, पत्थर का सामान
फिरोजाबाद	उत्तर प्रदेश	काँच, उद्योग
कानपुर	उत्तर प्रदेश	चमड़ा, जूता उद्योग
धारीवाल	पंजाब	ऊनी वस्त्र उद्योग
कोचीन	केरल	सीमेंट, जलयान, रबर, कॉफी
कोयली	गुजरात	पैट्रो-केमिकल्स
अंकलेश्वर	गुजरात	पेट्रोलियम उद्योग
गुन्टूर	आन्ध्र प्रदेश	वस्त्र उद्योग, तम्बाकू उद्योग
रानीगंज	प० बंगाल	कोयले की खान
जपला	झारखण्ड	सीमेन्ट
राउरकेला	उड़ीसा	इस्पात, रासायनिक खाद
पिन्जौर	हरियाणा	मशीन टूल्स
डिगबोई	असम	पेट्रोलियम
पिम्परी	महाराष्ट्र	पेन्सिलीन फैक्ट्री
तारापुर	महाराष्ट्र	एटोमिक पावर प्लांट
भिलाई	छत्तीसगढ़	इस्पात उद्योग

छिंदवाड़ा	मध्य प्रदेश	चूने का पत्थर, कोयला
पैराम्बूर	तमिलनाडु	रेलवे कोच फैक्ट्री
अलीगढ़	उत्तर प्रदेश	ताले एवं डेयरी उद्योग
नांगल	पंजाब	रसायनिक खाद
लुधियाना	पंजाब	मोजे, ऊनी वस्त्र, साइकिल
कोलार	कर्नाटक	सोने की खान
कर्णपुरा	झारखण्ड	कोयला की खान
जलाहली	कर्नाटक	मशीन टूल्स फैक्ट्री
त्रिवेन्द्रम	केरल	लकड़ी पर नक्काशी, कोइल मैटिंग
खेतड़ी	राजस्थान	ताम्बा
राणा प्रताप नगर	राजस्थान	एटामिक पावर प्लांट
नेलोर	आन्ध्र प्रदेश	अबरख
डिन्डीगुल	तमिलनाडु	सिगार, तम्बाकू
नूनमाटी	असम	तेलशोधक
नेपानगर	म० प्रदेश	अखबारी कागज
ग्वालियर	मध्य प्रदेश	चीनी मिट्टी के बर्तनों का उद्योग
कलकत्ता	पं० बंगाल	जूट, बिजली का बल्ब, लैम्प
रेणुकूट	उत्तर प्रदेश	हिन्दुस्तान एल्यूमिनियम फैक्ट्री
टीटागढ़	प० बंगाल	कागज, जूट
थुम्बा	केरल	रॉकेट प्रक्षेपण केन्द्र
करनाल	हरियाणा	डेयरी उद्योग
गोमिया	झारखण्ड	बारूद का कारखाना
जपला	झारखण्ड	सीमेन्ट
झरिया	झारखण्ड	कोयला
ट्राम्बे	महाराष्ट्र	तेलशोधक, परमाणु भट्टियाँ
अम्बाला	हरियाणा	वैज्ञानिक उपकरण
चुर्क	उत्तर प्रदेश	सीमेन्ट उद्योग
कोटा	राजस्थान	नायलॉन धागा, परमाणु संयंत्र
चितरंजन	प० बंगाल	रेल के इंजन
दुर्गापुर	प० बंगाल	इस्पात उद्योग
हटिया	झारखण्ड	भारी यंत्र निर्माण
समस्तीपुर	बिहार	जूट, कागज, चीनी
भड़ौच	गुजरात	सूती वस्त्र
कांडला	गुजरात	रसायनिक पदार्थ
दिल्ली	नई दिल्ली	डी० डी० टी०, हाउसिंग टेक्सटाइल्स
सिंगरेनी	आन्ध्र प्रदेश	कोयला

अल्वाय	केरल	रबड़
मुरादाबाद	उत्तर प्रदेश	कलई के बर्तन
त्रिचिनापल्ली	तमिलनाडु	सिगार उद्योग
जालन्धर	पंजाब	सर्जरी एवं खेल कूद के समान
आनन्द	गुजरात	मक्खन, पनीर, दूध
नासिक	महाराष्ट्र	पीतल, ताम्बा, नोट छापना
मुरी	झारखण्ड	एल्यूमिनियम
बरौनी	बिहार	तेलशोधक, मोम एवं मक्खन फैक्ट्री
विशाखापत्तनम्	आन्ध्र प्रदेश	जलपोत, तेलशोधक
कटनी	म० प्रदेश	सीमेन्ट उद्योग
वाराणसी	उत्तर प्रदेश	रेलवे इंजन
भदोई	उत्तर प्रदेश	गलीचा उद्योग
अहमदाबाद	गुजरात	सूती वस्त्र उद्योग
बंगलौर	कर्नाटक	एअर क्राफ्ट, मशीन टूल्स, टेलीफोन
बैलाडिला	म० प्रदेश	लौह अयस्क
कोरबा	छत्तीसगढ़	कोयला, एल्यूमिनियम
भण्डारा	महाराष्ट्र	विस्फोटक पदार्थ
वर्ली	महाराष्ट्र	बेबी फूड
अमृतसर	पंजाब	ऊनी कपड़े, एसिड, शॉल
निवेली	तमिलनाडु	रासायनिक खाद
मदुरै	तमिलनाडु	कॉटन एवं सिल्क
मझगाँव	महाराष्ट्र	जलपोत निर्माण
देहरादून	उत्तरांचल	पेट्रोलियम
पोरबन्दर	गुजरात	सीमेंट
नैहाटी	प० बंगाल	कागज

24. भारत के खनिज

1. मैग्नेटाइट, हेमेटाइट, लियोनाइट एवं साइडेराइट किस खनिज के प्रकार हैं?
   उत्तर- लौह अयस्क
2. भारत में सर्वाधिक किस प्रकार का लौह अयस्क पाया जाता है ?
   उत्तर- हेमेटाइट
3. लौह अयस्क का कौन-सा प्रकार सर्वश्रेष्ठ माना जाता है?
   उत्तर- हेमेटाइट
4. नवीनतम आंकड़ों के अनुसार लौह अयस्क का सर्वाधिक भंडारण किस राज्य में है?
   उत्तर- कर्नाटक
5. नवीनतम आकड़ों के अनुसार बॉक्साइट का भंडारण सर्वाधिक किस राज्य में है?

उत्तर- उड़ीसा

6. नवीनतम आकड़ों के अनुसार तांबा का भंडारण सर्वाधिक किस राज्य में है?

उत्तर- राजस्थान

7. रूबी, मास्कोबाइट एवं बामोटाइट किस खनिज का प्रकार माना जाता है?

उत्तर- अभ्रक

8. विश्व की सबसे बड़ी अभ्रक मंडी के रूप में कौन जाना जाता है?

उत्तर-कोडरमा (झारखण्ड)

9. एन्थ्रासाइट, बिटुमिनस, लिग्नाइट एवं पीट किस खनिज के प्रकार हैं?

उत्तर- कोयला

10. कोयला का कौन सा किस्म सर्वश्रेष्ठ प्रकार का माना जाता है?

उत्तर- एन्थ्रासाइट

11. भारत में किस युग की कोयला सर्वाधिक प्राप्त होती है?

उत्तर- गोंडवानायुग की

12. भारत में कुकिंग कोयला का सबसे बड़ा क्षेत्र कौन है?

उत्तर- झरिया में

13. भारत में सर्वाधिक मोटा कोयला स्तर कहां पाया जाता है?

उत्तर- झरिया झारखण्ड में

14. भारत में कोयला का उत्पादन सर्वाधिक कौन राज्य करता है?

उत्तर- छत्तीसगढ़

15. लिग्नाइट प्रकार के कोयला का उत्पादन सर्वाधिक किस राज्य में होता है?

उत्तर- नईवेली (तमिलनाडु)

16. भारत में सर्वप्रथम पेट्रोलियम का उत्पादन कहां हुआ था?

उत्तर- डिग्बोई

17. संचित भंडार एवं उत्पादन की दृष्टि से पेट्रोलियम का सर्वाधिक उत्पादक राज्य कौन है?

उत्तर- महाराष्ट्र

18. भारत की सबसे बड़ी तेल शोधनशाला कहां है?

उत्तर- जामनगर में

19. पिचब्लेन्ड एवं यूरेनाइट किस खनिज का अयस्क है?

उत्तर- यूरेनियम

20. विश्व में मोनाजाइट का सर्वाधिक भंडारण किस देश में है?

उत्तर- भारत (केरल)

21. मोनाजाइट से कौन सी खनिज की प्राप्ति होती है?

उत्तर- थोरियम

22. ग्रेफाइट का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कौन है?

उत्तर- उड़ीसा

23. भारत में सोना सर्वाधिक मात्रा में कहां होता है ?
उत्तर- कर्नाटक

24. भारत में सीसा सर्वाधिक मात्रा में किस राज्य की खान से प्राप्त किया जाता है ?
उत्तर-जावर (राजस्थान)

25. हीरा का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कौन हैं ?
उत्तर- पन्ना (मध्यप्रदेश)

26. भारत में कोयले का उत्पादन सर्वप्रथम कहां हुआ था?
उत्तर-रानीगंज (पं0 बंगाला)

27. मैगनीज का भंडारण सर्वाधिक किस राज्य में है?
उत्तर -उड़ीसा

28. कोलार , हट्टी एवं रामगिरी खनन क्षेत्र किस खनिज के हैं ?
उत्तर -स्वर्ण/ सोना

29. भारत में सर्वप्रथम पनबिजली का उत्पादन कहां हुआ था?
उत्तर-दार्जिलिंग (1897)

30. भारत में संभावित जलशक्ति सर्वाधिक किस नदी के थाले में पायी जाती है?
उत्तर- ब्रह्मपुत्र

31. विश्व में अभ्रक की सबसे गहरी खान शाह खान है, वह किस राज्य में है?
उत्तर- गुंटुर (आंध्रप्रदेश)

32. सर्वाधिक कठोर पदार्थ किस खनिज को माना जाता है?
उत्तर-हीरा

33. हाल ही में रिलायन्स कंपनी ने किस दो राज्यों में प्राकृतिक गैस के भंडारण का पता लगाया है?
उत्तर-उड़ीसा और आंध्र प्रदेश

25. भारत के खनिज सम्पदा

लौह अयस्क

लोहा राष्ट्र के आर्थिक विकास की आधारशिला माना जाता है। इसे धुरी उद्योग एवं उद्योगों का आधार कहा जाता है। यह धातु के रूप में प्राप्त किया जाता है। कच्चे लोहे में अन्य धातुएँ मिलाकर इस्पात (Steel) तैयार किया जाता है। जिससे तरह-तरह की मशीनें तैयार की जाती है।

स्थान - मयूर भंज (**उड़ीसा**) के गुरूमहीसनी पहाड़ी और सुलेपत बादाम पहाड़ में है। अन्य लौह क्षेत्र **छत्तीसगढ़** के दुर्ग जिले में (धल्ली-रजहरा पहाड़ी में), **गोआ** में, **मैसूर** की बाबा बूदन पहाड़ी तथा बेलारी जिले में, **तमिलनाडु** के सलेम जिले में, **आन्ध्रप्रदेश** के कुदप्पा जिले में, **राजस्थान** के अलबर जिले में और **झारखण्ड** के सिंहभूम के करपदा, मेछाहात, किरीबुरू, बुरू, जामदा, विजयघाट, नोआमुंडी, कुदादा, गुआ, कुरी, पनरसियाबुरू, बुदाबुरू, झिलिंग बुरू, लोकुदबुरू, नोतूबुरू, पारोपहाड़, कोतबार पहाड़, दुबलावेर, सिंदुखर की खानों से तथा इसके

अलावे पलामू (डाल्टेनगंज) और धनबाद जिले में कुछ खानें हैं। लोहा उत्पादन के लिए कोल्हन श्रृंखला विश्व प्रसिद्ध है।

निर्यात- भारतीय लौह खनिज के ग्राहक जापान, चेक, स्लोवाकिया, इटली, श्रीलंका,बर्मा आदि देश हैं।

कल कारखाना- जमशेदपुर, बर्नपुर, भद्रावती, भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर में है।

मैगनीज

मैगनीज एक बहुमूल्य खनिज है। इसका उपयोग लोहे से इस्पात बनाने में, अनेक रसायन-उद्योगों में तथा शीशे और चीनी मिट्टी के बर्त्तनों पर रंग चढ़ाने में किया जाता है। भारत विश्व के सर्वाधिक मैगनीज उत्पादक देश में से एक है।

स्थान- महाराष्ट्र के नागपुर और भण्डारा जिले में, **उड़ीसा** के क्योंझर, सुन्दरगढ़, बोनाई, कोरापुत और गंजाम जिले में, **आन्ध्रप्रदेश** के काकुलम जिले में, मैसूर के शिमोगा और बेलारी जिले में, **झारखण्ड** के सिंहभूम जिला, **गुजरात** के पंचमहल जिला और **राजस्थान** के बँसवारा तथा उदयपुर जिले में मिलता है। गुजरात, उड़ीसा और झारखण्ड का मैगनीज उच्च कोटि का है।

निर्यात- भारतीय मैगनीज के प्रमुख ग्राहक - संयुक्त राज्य अमेरिका, युनाइटेड किंगडम, कनाडा, जापान, फ्रांस, नार्वे, बेल्जियम और हॉलैंड है।

अबरख

अबरख (अभ्रक) पारदर्शक, ताप निरोधक, लचकदार, चमकदार तथा विद्युत निरोधक होने के कारण विविध उद्योगों में काम आता है। इसका उपयोग विद्युत उद्योग, रेडियो तथा वायुयान बनाने तक में होता है। यह काफी हल्का होता है। संसार का तीन चौथाई और सर्वश्रेष्ठ कोटि का अभ्रक भारत उत्पन्न करता है।

स्थान- झारखण्ड के कोडरमा, गिरिडीह, डोमचांच, मसनोडीह और ढ़ाब में, **राजस्थान** के अजमेर और भीलबाड़ा में, तथा **आन्ध्रप्रदेश** के गुन्टूर, रायपुर, कवाली, पोदालकर तथा नेलोर में मुख्य खाने हैं।

निर्यात- संयुक्त राज्य अमरीका, युनाइटेड किंगडम, जापान, फ्रांस और जर्मनी है।

बॉक्साइट

आज के औद्योगिक जगत की महत्त्वपूर्ण वस्तु एल्यूमिनियम बॉक्साइट नामक धातु से तैयार होती है। एल्यूमिनियम की उपयोगिता के कारण इस खनिज की उपयोगिता स्वयं सिद्ध हो जाती है। एल्यूमिनियम का उपयोग वायुयान बनाने में श्रेष्ठ विद्युत वाहक होने के कारण बिजली के तार, जंग न लगने के कारण जहाजों की पेंदी की चादरें लगाने के काम तथा तरह-तरह के कल-पुर्जे, घरेलू बर्त्तन बनाने में किया जाता है। इससे सीमेंट भी बनाया जाता है।

स्थान- झारखण्ड के पलामू, राँची और लोहरदग्गा के निकट बगरू पहाड़ी में, **छत्तीसगढ़** के सरगुजा, विलासपुर, मध्यप्रदेश के जबलपुर और शहडोल जिलों में, **महाराष्ट्र**, के कोल्हापुर जिले में **कर्नाटक** के बेलगाँव जिले में **गुजरात** के कैरा क्षेत्र में, **उड़ीसा** के कालाहण्डी और सम्भलपुर जिले में **तमिलनाडु** के सलेम जिले में, **जम्मू-कश्मीर** के रियासी जिले में बॉक्साइट की प्रमुख खानें हैं।

ताम्बा

प्राचीन काल से ही बर्त्तन तथा सिक्के के रूप में प्रचलित तथा अर्वाचीन काल में बिजली टेलीफोन के तार और रेल-जहाज आदि बनाने में काम आने वाला ताम्बा हमारे देश का एक प्रमुख खनिज है।

स्थान- झारखण्ड के सिंहभूम जिले के राखा, मोसाबनी और धोबनी बगोदर क्षेत्र तथा पारसनाथ पहाड़ी में, **हिमाचल प्रदेश** के काँगड़ा -कुल्लू घाटी में, **राजस्थान** के जयपुर-अलवर क्षेत्र, **उत्तरांचल** के टेहरी-गढ़वाल क्षेत्र, **आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश** में तथा कोयम्बटुर, कन्याकुमारी तथा मदुरै में ताम्बा का अच्छा भण्डार का पता चला है। घरेलू खपत के लिए ताम्बा का आयात करना पड़ता।

कोयला

शक्ति- संसाधनों में कोयले का स्थान आज भी महत्त्वपूर्ण है। इस युग में किसी राष्ट्र की आर्थिक योग्यता उसकी कोयला खानों से नापी जाती है। इसका उपयोग ईंधन, रेलगाड़ियाँ चलाने में तथा उद्योग धन्धों के लिए कारखाना चलाने के रूप में किया जाता है।

स्थान- झारखण्ड के झरिया, बोकारो, गिरिडीह और कर्णपुरा प्रमुख कोयला क्षेत्र हैं। **पश्चिम बंगाल** के रानीगंज में, **मध्यप्रदेश** के सिंगरौली, सोहागपुर, उमरिया, तातापानी, झिलमिली, रामकोला, छत्तीसगढ़ बनसर, चिरमिरी, हसदो-रामपुर और कोरबा में, **उड़ीसा** के तालचेर और सम्भलपुर में, आन्ध्र प्रदेश के सिंगरेनी, सस्ती और तन्दूर में, **महाराष्ट्र** के बल्लारपुर, चांदा, यवतमाल और बरौरा में, **तमिलनाडु** के अराकाट और निवेली में, **असम** के गारो, खासी और जयन्तिया की पहाड़ियों में, माकूम तथा मिकिर पहाड़ी के लांगलोई दिस्सोमा और नाम्बोर नदी घाटी में जम्मू कश्मीर के कालाकोट, मेटका, डांडली, लड्डा, धनसाल और सवालकोट में, **राजस्थान** के बीकानेर, जयपुर और जोधपुर में तथा **गुजरात** के भड़ौंच में कोयले की महत्त्वपूर्ण खाने हैं। भारत में सर्वप्रथम रानीगंज में ही कोयले की खुदाई आरम्भ हुई ।

निर्यात- पाकिस्तान, श्रीलंका, जापान, मलेशिया और बर्मा।

पेट्रोलियम

मोटरगाड़ियाँ, वायुयान तथा जलयान चलाने के लिए शक्ति उत्पन्न करने में तथा छोटे-छोटे इंजनों को चलाने के लिए पेट्रोलियम का उपयोग मुख्य रूप से किया जाता है। आधुनिक यातायात के साधनों और युद्ध -सामग्री का यह प्रमुख आधार तो है ही विभिन्न उद्योग-धन्धों में भी इसका उपयोग देखा जाता है। इससे अनेक रासायनिक पदार्थ भी तैयार किए जाते हैं।

स्थान- असम के डिगबोई, पंढ़रपुर, पुथरिया, हसांपंग, बापापंग, नाहरकटिया, मोरान, **उत्तरप्रदेश** के देहरादून, **पंजाब** के ज्वालामुखी, **राजस्थान** के जैसलमैर और **गुजरात** के खम्भात एवं अंकलेश्वर में तथा **असम** के शिवसागर क्षेत्र तथा **बिहार** के चम्पारण जिले में भी खनिज तेल का पता चला है।

कल-कारखाना- डिगबोई (भारत का सबसे पुराना तेलशोधक कारखाना), नूनमाटी (रूमानिया सरकार की मदद से), बरौनी (U.S.S.R.), कोयली (U.S.S.R.), ट्राम्बे (U.S.A.),

विशाखापत्तनम् (U.S.A.), कोचीन, हल्दिया, मद्रास और मथुरा में तेल साफ करने के कारखाने स्थापित हैं। विभिन्न तरह के आवश्यकता की पूर्त्ति हेतु इसका आयात किया जाता है।

अन्य खनिज

★ **सोना** - **कर्नाटक** स्थित कोलार की खान से सर्वाधिक सोना प्राप्त किया जाता है। आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु , झारखण्ड के सिंहभूम और उड़ीसा के कोरापुत और गंजाम जिलों में ।

★ **क्रोमाइट** - उड़ीसा के कटक तथा क्योंझर जिले , झारखण्ड के सिंहभूम जिला तथा कर्नाटक के हसन और मैसूर जिलों में । इससे उच्चकोटि का इस्पात तैयार किया जाता है।

★ **जिप्सम** - राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर जोधपुर और नागौर जिले में, तमिलनाडु के तिरूचिरापल्ली, कोयम्बटुर, रघुनाथपुरम् और तिरूनिवेली जिलों में तथा गुजरात उत्तर प्रदेश और हिमाचलप्रदेश में जिप्सम की खाने हैं इससे सीमेंट बनाया जाता है।

★ **कायनाइट** - झारखण्ड के लप्साबुरू (सिंहभूम जिला) में मिलता है। संसार का सबसे बड़ा भण्डार यहाँ है। यह ऊष्मासह ईंट बनाने के काम में आता है।

★ **इल्मेनाइट** - टिटेनियम धातु का खनिज इल्मेनाइट दक्षिण भारत के केरल और चेन्नई तट के बालू में मिलता है। संसार का सबसे विशाल भण्डार यहाँ है। निर्यात- संयुक्त राज्य अमरीका और युनाइटेड किंगडम ।

★ **चूना पत्थर** - उत्तरांचल के देहरादून, मसूरी इलाके में, उड़ीसा के वीरमित्रापुर (गंगपुर), बिहार के रोहतासगढ़ , झारखण्ड के लतेहार, मध्य प्रदेश के जबलपुर, रेवा, छत्तीसगढ़ के दुर्ग और रायपुर क्षेत्र आन्ध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम् और नेलोर तथा तमिलनाडु के तिरूचिरापल्ली और कोयम्बटुर में मिलता है।

★ **नमक** - साँभर झील, पूर्वी एवं पश्चिमी समुद्री तट और डण्डी ।

★ **चीनी मिट्टी** - राजमहल की पहाड़ी, सिंहभूम जिला तथा केरल ।

★ **गंधक** - बिहार के भोजपुर जिले के अमझोर क्षेत्र ।

★ **हीरा** - मध्य प्रदेश स्थित पन्ना तथा अन्य क्षेत्र अनन्तपुर, सम्बलपुर, चाँदा तथा रीवा उल्लेखनीय हैं।

★ **संगमरमर** - जयपुर, जोधपुर, अजमेर, अलवर और जबलपुर ।

★ **स्लेट** - कुमायूँ, गढ़वाल, काँगड़ा, चम्बा, खड़गपुर (मुंगेर), कुर्नूल, नेलोर ।

★ **ऐस्बेस्टस** - आन्ध्रप्रदेश के कदप्पा, झारखण्ड के सिंहभूम, उड़ीसा के सुन्दरगढ़, मैसूर (हसन और बीजापुर)और राजस्थान के अजमेर उदयपुर जिलों में ।

★ **मैगनेसाइट** - सलेम (तमिलनाडु), मैसूर (कर्नाटक), अल्मोड़ा (उत्तरांचल), डूँगरपुर (राजस्थान) और सिंहभूम (झारखण्ड), ऊष्मासह ईंट बनाने के तथा रसायन शीशा आदि उद्योगों में काम आने वाला खनिज का विशाल भण्डार भारत में है।

★ **शीशा** - हजारीबाग (झारखण्ड), ब्यावर (राजस्थान), चिचोली (मध्य प्रदेश), कुमायूँ, अल्मोड़ा, देहरादून (उत्तरांचल), अग्निगुन्डल (आन्ध्र प्रदेश), गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में ।

★ चाँदी - कर्नाटक, सिंहभूम तथा मानभूमि (झारखण्ड)में ।
★ यूरेनियम - झारखण्ड ।
★ टिन - हजारीबाग(झारखण्ड)।
★ जस्ता - राजस्थान
★ कोबाल्ट - राजस्थान और केरल ।
★ एल्यूमिनियम - केरल, छत्तीसगढ़, प० बंगाल, महाराष्ट्र और उत्तरांचल ।
★ ग्रेफाइट - राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, कर्नाटक, उड़ीसा और केरल।
★ हैवी वाटर - उड़ीसा में तलचर, राजस्थान के कोटा, गुजरात के बड़ौदा, तमिलनाडु के तूतीकोरिन तथा पंजाब के नांगल में ।

26. भारत के प्रमुख उद्योग

सूती वस्त्र उद्योग

आधुनिक ढंग का पहला सूती मिल भारत में1854 ई० में मुम्बई में स्थापित किया गया। जिसके संस्थापक श्री कावस जी नाना भाई डावर थे ।

स्थान - महाराष्ट्र के नागपुर, पूना, सतारा, बर्धा, कोल्हापुर, अकोला, मुम्बई, शोलापुर और अमरावती, गुजरात के अहमदाबाद, बड़ौदा, सूरत, भड़ौच, पोरबन्दर, भावनगर और राजकोट मध्य प्रदेश के ग्वालियर, इन्दौर, जबलपुर, भोपाल, उज्जैन, देवास, निमार, रतलाम और सतना उत्तर प्रदेश के कानपुर, आगरा, हाथरस, लखनऊ, मोदीनगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, वाराणसी और रामपुर, पश्चिम बंगाल के कलकत्ता, तमिलनाडु के चेन्नई, कोयम्बटुर, मदुरै, तिनेवली, तिरुचिरापल्ली, आन्ध्र प्रदेश के हैदराबाद, कर्नाटक के बंगलौर, राजस्थान के अजमेर, पंजाब के अमृतसर, लुधियाना, हरियाणा के पानीपत और दिल्ली प्रमुख केन्द्र है।

जूट उद्योग

इसकी सबसे पहली मिल सन् 1855 ई० में कलकत्ता के रिसड़ा में खुली थी ।

स्थान - पश्चिम बंगाल के टीटागढ़, जगदल, हावड़ा, बजबज, नैहाटी, बेलघरिया, मछेरिया, रिसड़ा, कलकत्ता, हुगली, बर्द्धमान, दिनाजपुर, नीरभूमि तथा माल्दा बिहार के कटिहार और दरभंगा, उत्तर प्रदेश के कानपुर और सहजनवाँ, उड़ीसा के कटक, छत्तीसगढ़ के रायगढ़, विशाखापत्तनम आन्ध्रप्रदेश के गुन्टूर उल्लेखनीय हैं।

चीनी उद्योग

स्थान- उत्तर प्रदेश के देवरिया, मटनी, पड़रौना, गोरखपुर, गौरी बाजार, सिसवाँ बाजार, बस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, बिजनौर, सहारनपुर, मंसूरपुर,मेरठ, मुरादाबाद, बुलन्दशहर, कानपुर, बरेली, मुजफ्फरनगर और फैजाबाद, बिहार के मोतिहारी, सुगौली, मझौलिया, चनपटिया, नरकटियागंज,मढ़ौरा, पैंचरूखी, सासामूसा, गोपालगंज, हथवा,मोतीपुर गोरौल, डालमियानगर, सारण, समस्तीपुर, चम्पारण, दरभंगा, भोजपुर, हसनपुर, मुजफ्फरपुर और

बिहटा, **प० बंगाल** के तेलडांगा, पलासी, हावड़ा, मुर्शिदाबाद, **पंजाब** के हमीरा, फगवाड़ा, अमृतसर, **हरियाणा** के जगाधारी और रोहतक, **महाराष्ट्र** के मनसद, नासिक, अहमदनगर, पूना, शोलापुर और कोल्हापुर, **आन्ध्र प्रदेश** के सीतापुरम्, पीठापुरम्, बेजबाड़ा, हास्पेट, साभल, कोट और हैदराबाद, **तमिलनाडु** के अरकाट, मदुरै, कोयम्बटुर, तिरूचिरापल्ली, **मध्यप्रदेश** के सिहोर, डबरा, जाबरा, पालन्दा और सारंगपुर, **राजस्थान** के श्री गंगानगर, भूपाल सागर, **गुजरात** के सूरत और **कर्नाटक** के मडया उल्लेखनीय हैं।

लोहा इस्पात उद्योग

आधुनिक ढंग का सबसे पहला कारखाना 1907 ई० में छोटानागपुर के साकची गाँव में जो अब जमशेदपुर कहलाता है, जमशेदजी टाटा के द्वारा स्थापित की गई थी।

स्थान- झारखण्ड के जमशेदपुर, बोकारो, **प० बंगाल** के आसनसोल, बर्नपुर, कुल्टी, दुर्गापुर, **कर्नाटक** के भद्रावती, **तमिलनाडु** के सलेम, **छत्तीसगढ़** के भिलाई, **उड़ीसा** के राउरकेला, **आन्ध्रप्रदेश** के विशाखापट्टनम् आदि।

सीमेन्ट उद्योग

इसका पहला कारखाना 1904 ई० में मद्रास में खुला । यू० पी० का चुर्क (मिर्जापुर) सीमेंट कारखाना एशिया का सबसे बड़ा कारखाना है।

स्थान- राजस्थान के जयपुर और लखेरी, **मध्यप्रदेश** के कैमूर, सतना, कटनी, जबलपुर, बनमोर (ग्वालियर) छत्तीसगढ़ के दुर्ग, **उत्तर प्रदेश** के चुर्क (मिर्जापुर), **झारखण्ड** के डालमिया नगर, जपला, खेलारी, कल्याणपुर, सिन्दरी और झींकपानी, **उड़ीसा** के राजगंगपुर, **आन्ध्र प्रदेश** के कृष्णा, विजयवाड़ा, मनचेरियल, मछेरिया, पनयम (कुर्नूल) **कर्नाटक** के भोजपुर, भद्रावती, बागलकोट, बंगलौर, **तमिलनाडु** के डालमिया पुरम्, मधुकराय, तुलकापट्टी, **केरल** के कोटायम, **गुजरात** के पोरबन्दर, द्वारका, सीका (जामनगर) भावनगर, सेवालिया और रानावाय, **पंजाब** के सूरजपुर, **हरियाणा** के चरखी दादरी उल्लेखनीय हैं।

साइकिल उद्योग

देश का पहला साइकिल कारखाना 1938 ई० में मुम्बई में खुला ।

स्थान- उत्तर प्रदेश के आगरा, कानपुर, वाराणसी, लखनऊ, **पंजाब** और **हरियाणा** के सोनपत, लुधियाना, राजपुरा, फरीदाबाद, **मध्य प्रदेश** के ग्वालियर, **बिहार** के पटना, **तमिलनाडु** के चेन्नई, **प० बंगाल** के आसनसोल, कलकत्ता, **असम** के गौहाटी तथा **दिल्ली** में।

जलयान उद्योग

स्थान- विशाखापट्टनम्, कोचीन, मझगाँव (मुम्बई)।

एल्यूमिनियम उद्योग

स्थान- झारखण्ड के मुरी, केरल के अल्वई, **प० बंगाल** के बेलुर , जे. के. नगर (आसनसोल के निकट) **उड़ीसा** के हीराकुंड और **उत्तर प्रदेश** के रेणुकूट में है।

कागज उद्योग

इसका पहला कारखाना 1866 ई॰ में चेन्नई के तंजौर जिले के ट्रंकूवार में स्थापित किया गया। भारत में अखबारी कागज का सबसे पहला कारखाना नेपानगर मध्य प्रदेश में 1955 ई॰में स्थापित किया गया है ।

स्थान - **प॰बंगाल** के टीटागढ़, रानीगंज, काकीनाडा, नैहाटी ओर चन्द्रहाटी **बिहार** के दरभंगा, झारखण्ड के डालमिया नगर, **उड़ीसा** के ब्रजराज नगर, चौधवार, रायगाड़ा, **उत्तर प्रदेश** के लखनऊ, सहारनपुर गोरखपुर, मुजफ्फर नगर, मेरठ, **हरियाणा** के फरीदाबाद, जगाधारी और सोनपत, **गुजरात** के अहमदाबाद, **मध्य प्रदेश** के भोपाल, नेपानगर, छत्तीसगढ़ के विलासपुर और बालाघाट, **आन्ध्र प्रदेश** के सीरपुर, राजमुन्द्री, **महाराष्ट्र** के बल्लारपुर, भुसावल, नासिक, मुम्बई, खोपाली, पूना, **कर्नाटक** के डांडली, भद्रावती, ननजनगुड़, बालागोला और मुनीराबाद, **केरल** के पुन्नलर (पारदर्शक कागज), **असम** के सिलचर, **तमिलनाडु** के काबेरी (चेन्नई के निकट) और पापनाशम् ।

रासायनिक खाद

सबसे पहला कारखाना कर्नाटक राज्य के बेलागुला में खोला गया। एशिया का सबसे बड़ा खाद कारखाना सिन्दरी का खाद कारखाना (1951ई॰ में स्थापित)है।

स्थान - नांगल (**पंजाब**), निवेली (**तमिलनाडु**), राउरकेला(**उड़ीसा**), वाराणसी(**उत्तर प्रदेश**), ट्राम्बे (**महाराष्ट्र**), कोरवा(**छत्तीसगढ़**), कोठागुड़म और विशाखापट्टनम (**आन्ध्र प्रदेश**), नामरूप (**असम**), सिन्दरी (झारखण्ड) बरौनी (**बिहार**), हनुमानगढ़ (**राजस्थान**), गोरखपुर (**उत्तर प्रदेश**), अल्वई (**केरल**), कान्डला(**गुजरात**), कोटा, दुर्गापुर और कोचीन में नए कारखाना खुले हैं।

चमड़ा उद्योग

कानपुर , आगरा(दयालबाग) कलकत्ता, बाटा नगर, चेन्नई, मुम्बई, बंगलौर, पटना, दीघा और मोकामा में है।

शीशा उद्योग

प॰ बंगाल के बेलगछिया, सीतारामपुर, रिसड़ा, बर्द्धमान, रानीगंज और आसनसोल, **उत्तर प्रदेश** के नैनी (इलाहाबाद) राम नगर (वाराणसी)बहजोई (मुरादाबाद) बालाबाली (बिजनौर)तथा फिरोजाबाद, **झारखण्ड** के काण्ड्रा (जमशेदपुर के निकट)भुरकुण्डा (हजारीबाग)बिहार के पटना, कहलगाँव, **महाराष्ट्र** के मुम्बई, पूना, दादर, सतारा, शोलापुर और नागपुर, **गुजरात** के बड़ौदा, मौरवी, **राजस्थान** के जयपुर, **हरियाणा** के अम्बाला, **पंजाब** के अमृतसर, **आन्ध्र प्रदेश** के हैदराबाद, **मध्य प्रदेश** के जबलपुर, **कर्नाटक** के बंगलौर तथा **असम** के गौहाटी।

दवा निर्माण उद्योग

मुम्बई, दिल्ली , कानपुर, हरिद्वार-ऋषिकेश, मथुरा, कलकत्ता, अहमदाबाद, पूना (मुम्बई के समीप), पिम्परी (पेनिसलीन) दिल्ली और अल्वई मे डी. डी. टी. नामक कीटाणु नाशक दवा का कारखाना है। अधिक संख्या में दवा उद्योग मुम्बई में स्थापित किए गए हैं।

अन्य उद्योग

★ **अखबारी कागज-** मध्य प्रदेश के नेपानगर, आन्ध्र प्रदेश के शंकर नगर में।

★ **फोटोग्राफी-** मुम्बई, हैदराबाद, ग्वालियर और कलकत्ता । एशिया का सबसे बड़ा कारखाना ऊटकमण्ड में 1967 ई॰ में स्थापित किया गया है ।

★ **दियासलाई उद्योग-** मुम्बई, बरेली, कलकत्ता, धुबरी और मद्रास

★ **प्लास्टिक उद्योग-** मुम्बई, कलकत्ता, कानपुर, हैदराबाद, बंगलौर, और कोयम्बटूर।

★ **मोटर उद्योग-** मुम्बई, कलकत्ता, चेन्नई, जमशेदपुर इत्यादि

★ **रेल उद्योग- (क) रेलवे इंजन-** चितरंजन, वाराणसी। **(ख) रेलवे डब्बे-** पेराम्बुर, बंगलौर, कपुरथला। **(ग) वर्कशॉप-** लिलुआ, बनपेर, खड़गपुर, मुम्बई, जमालपुर, समस्तीपुर, झाँसी, अजमेर, गोरखपुर, और गढ़हरा (बरौनी)। **(घ) रेलवे के कल पुर्जे-** कलकत्ता के पास रेलवे के सिग्नल, स्लिपर आदि बनाया जाता है।

★ **हवाई जहाज-** बंगलौर, कानपुर, कोरापुत, नासिक, हैदराबाद

★ **कास्टिक सोडा-** गुजरात, झारखण्ड, दिल्ली, तमिलनाडु, प॰ बंगाल (रिसड़ा) वाराणसी।

★ **मशीनी औजार-** बंगलौर, हैदराबाद, मुम्बई के निकट अम्बरनाथ, पंजाब के बटाला, हरियाणा के पिंजौर, प॰ बंगाल के कलकत्ता, केरल के कलामसेरी, झारखण्ड के हटिया, राजस्थान के अजमेर तथा प॰ बंगाल के दुर्गापुर

★ **बिजली के सामान** - भोपाल, हरिद्वार के निकट, रानीपुर, हैदराबाद के निकट रामचन्द्रपुरम्, चेन्नई के निकट तिरूचिरापल्ली, कलकत्ता

★ **टेलीफोन-** कर्नाटक के बंगलौर और प॰ बंगाल के रूपनारायणपुर

भारी रासायनिक उद्योग (गंधकाम्ल)- मुम्बई, अहमदाबाद, जमशेदपुर, दुर्गापुर, कलकत्ता, अल्बई, अमृतसर और भिलाई

★ **ऊनी वस्त्रोद्योग-** धारीबाल, लुधियाना, अमृतसर, कानपुर, बंगलौर और मुम्बई

★ **रेशम उद्योग-** मैसूर, प॰ बंगाल, कश्मीर, बंगलोर, भागलपुर, मुर्शिदाबाद, वाराणसी, श्रीनगर, जालन्धर, मुम्बई, सूरत, तंजोर और कोयम्बटूर इत्यादि

27. भारत की कृषि

भारत एक कृषि प्रधान देश है। देश की कुल श्रमिक शक्ति का 70 ०/० भाग कृषि कार्य में लगा हुआ है और उसका शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में लगभग 36 ०/० का योगदान है। देश के कुल स्थल क्षेत्रफल का 46.9 ०/० भाग खेती के काम में लाया जाता है। इसके अतिरिक्त 7. 2 ०/० परती भूमि है। जिस पर दो या तीन वर्षो में एक बार खेती की जाती है। लगभग 6.67०/० पर विविध वृक्ष तथा बाग हैं। इस प्रकार देश के सारे स्थल क्षेत्रफल का लगभग 55 ०/० भाग कृषि योग्य है।

कृषि के प्रकार

कृषि (Agriculture) - भूमि के स्त्रोतों का इष्टतम प्रयोग करने के लिए मनुष्य द्वारा प्रारम्भिक उद्देश्य भोजन, कपड़ा, ईंधन, आदि की पूर्ति के लिए जो क्रियाएँ की जाती हैं उसे कृषि (Agriculture) कहते हैं। जैसे -फसलोत्पादन, फलोत्पादन एवं पशुपालन आदि।

1. **स्थानान्तरित कृषि** - स्थान बदल कर उपजाऊ क्षेत्रों में की जाने वाली कृषि
2. **स्थानबद्ध कृषि** - एक ही स्थान पर वर्षों से की जाने वाली कृषि
3. **गहन कृषि** - छोटी भूमि / जोतों पर अधिक श्रम तथा पूँजी से की जानेवाली कृषि
4. **जीविकोपार्जी कृषि** - परिवार की जीविका चलाने वाली फसलों की कृषि
5. **मिश्रित कृषि** - कृषि एवं पशुपालन के लिए साथ साथ की जाने वाली कृषि
6. **डेयरी कृषि** - कृषि फार्म में पशुओं के लिए चारा तैयार करने एवं अधिक दूध प्राप्त करने के लिए की जाने वाली कृषि
7. **वाणिज्यिक कृषि** - उत्पादों को बाजार में बेचे जाने के लिए पैदा की जाने वाली फसलों की कृषि
8. **ट्रंक कृषि** - साग-सब्जी के लिए की जाने वाली कृषि
9. **उद्यान कृषि**- फल एवं फूलों की कृषि
10. **सहकारी कृषि** - बहुत से कृषकों द्वारा सामूहिक रूप से की जाने वाली कृषि

★ **भारत की प्रमुख खाद्यान्न फसलें** - धान, गेहूँ, मक्का और दलहन है ।

★ **मुख्य नकदी फसलें** - गन्ना, आलू, तंबाकू, तिलहन, प्याज, मिर्च और कपास है ।

फसलों का वर्गीकरण

★ ऋतुओं के आधार पर :-

(i) **रबी की फसल** - यह अक्टूबर-नवम्बर में बोयी जाती है और मार्च-अप्रैल में काट ली जाती है। गेहूँ, जौ, चना, मटर, सरसों, आलू, राई इत्यादि रबी फसलें हैं।

(ii) **खरीफ फसल** - यह जून-जुलाई (मानसून वर्षा के समय में) में बोयी जाती है और नवम्बर-दिसम्बर में काट ली जाती है। धान, गन्ना, तिलहन, ज्वार, बाजरा, मक्का, अरहर इत्यादि खरीफ फसलें हैं।

(iii) **जायद या गरमा की फसल** - इसकी खेती गरमी के मौसम (मार्च अप्रैल तथा मई) में होती है। इसमें खास तौर पर फल और सब्जी की खेती (ककरी, खीरा भिण्डी) की खेती सिंचाई के द्वारा होती है । राई, मक्का, ज्वार, जूट और मडुआ इत्यादि जायद या गरमा फसलें हैं।

★ जीवन चक्र के आधार पर :-

1. **एक वर्षी** - जो अपना जीवन चक्र एक साल में पूरा कर लेते है। जैसे -गेहूँ, धान, मक्का, ज्वार, बाजरा इत्यादि
2. **द्विवर्षी** - फसलें जो अपना जीवन चक्र दो साल में पूरा कर लेती हैं, जैसे - चुकन्दर
3. **बहुवर्षी** - फसलें जो अपना जीवन चक्र दो साल से अधिक में पूरा करती है। जैसे- नेपियर, घास, रिजका इत्यादि

★ आर्थिक दृष्टिकोण के आधार पर :-

1. **अनाज की फसलें** - धान, गेहूँ, मक्का, जौ, ज्वार, बाजरा, मडुआ, कोदो आदि

2. दलहनी फसलें - चना, मटर, अरहर, मूंग, उड़द, मसूर, सोयाबीन आदि
3. तिलहनी फसलें - सरसों, तोरिया, राई , सूरजमुखी, मूंगफली, अंडी, कसुम, अलसी, तिल आदि
4. रेशेदार फसलें - कपास, जूट, पटसन, सन्हई आदि
5. शर्करा फसलें - गन्ना, चुकन्दर आदि
6. चारे की फसलें - बरसीम, नेपियर घास, लोबिया, बाजरा, ज्वार, मक्का, मटर, जई, सेंठ, गिनी घास आदि
7. औषधि फसलें - अदरक, पोदीना, हल्दी, तुलसी आदि
8. जड़ तथा कन्द फसलें - आलू, शकरकंद, गाजर, मूली आदि
9. उद्दीपक फसलें - चाय, तम्बाकू, पोस्ता, कॉफी आदि
10. मसाले वाली फसलें - जीरा, धनिया, सौंफ, अदरख, प्याज, मिर्च, लहसून, तेजपात।
11. सब्जी वाली फसलें - भिण्डी, बैंगन, टमाटर, सेम, करेला, गोभी, पालक, शलजम
12. फल वाली फसलें - खरबूजा, तरबूज, ककड़ी, खीरा, सिंघारा आदि ।

★ वनस्पति परिवार के आधार पर :-

1. घास परिवार - धान, गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का, गन्ना, आदि
2. दलहन परिवार - मटर, चना, मूंग, मसूर, उड़द, अरहर, सोयाबीन, सन्हई, ढैंचा ।
3. सरसों परिवार - सरसों, राई, तोरी
4. कपास परिवार - कपास, पटसन
5. आलू परिवार - आलू, टमाटर
6. जूट परिवार - जूट
7. तोरी परिवार - तोरी
8. सूरजमुखी परिवार- सूरजमुखी
9. अण्डी परिवार - अण्डी
10. चुकन्दर परिवार - चुकन्दर, बथुआ
11. कद्दू परिवार - कद्दू, खीरा, ककड़ी, खरबूजा

28. प्रमुख फसल, फल एवं सब्जियों के उत्पत्ति केन्द्र

प्रमुख फसलों के उत्पत्ति केन्द्र

गेहूँ - उत्तरी भारत , द॰ प॰ अफगानिस्तान
जौ - इथिओपिया (उत्तरी अफ्रीका)
ज्वार - अफ्रीका व भारत
अरहर - अफ्रीका
मूंग - भारत, चीन,द॰पूर्वी यूरोप
सोयाबीन - पूर्वी एशिया
कपास - अफ्रीका, एशिया

धान - पूर्वी भारत इण्डो नेशिया,चीन
मक्का - दक्षिणी अमरीका
बाजरा - अफ्रीका या भारत
उड़द - भारत
मटर - द॰ पश्चिम एशिया
मूंगफली -ब्राजील, अमरीका
जूट - भारत, वर्मा

गन्ना	- द० पूर्वी एशिया, भारत	आलू	- पेरू, द० अफ्रीका
तम्बाकू	- द० अफ्रीका	मसूर	- हिन्दुकुश व हिमालय पर्वत
सूरजमुखी	- उत्तरी अमरीका		

प्रमुख फलों के उत्पत्ति केन्द्र

फल	उत्पत्ति केन्द्र	फल	उत्पत्ति केन्द्र
आम	- भारत	अमरूद	- अमरीका
केला	- मलेशिया	पपीता	- अमरीका
कटहल	- भारत	बेर	- भारत
लीची	- चीन	अंगूर	- आर्मेनिया
नींबू	- पूर्वी एशिया	आँवला	- भारत
बेल	- भारत	जामुन	- दक्षिण एशिया
सेव	- कैस्पियन सागर	आड़ू	- अमरीका

प्रमुख सब्जियों के उत्पत्ति केन्द्र

बैंगन	- दक्षिण एशिया, भारत	भिण्डी	- अफ्रीका, द० अमरीका
करेला	- भारत, चीन, मलाया	सेम	- भारत
मिर्च	- भारत	लौकी (ककड़ी)	- भारत
फूलगोभी	- इटली, द० अमरीका	टमाटर	- द० अमरीका
मूली	- चीन ।	प्याज	- प० एशिया
लहसून	- मध्य एशिया	कद्दू	- अमरीका
गाजर	- यूरोप	परवल	- दक्षिण पूर्वी एशिया

29. भारतीय फसलें और उनके प्रमुख उत्पादक राज्य

गेहूँ	-उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र एवं गुजरात
मक्का	-उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, एवं राजस्थान
ज्वार	-महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश एवं आन्ध्र प्रदेश
बाजरा	-गुजरात, राजस्थान, एवं उत्तर प्रदेश
धान	-प० बंगाल, उ० प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, म० प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु एवं उड़ीसा, छत्तीसगढ़
दलहन	-उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, प० बंगाल, आन्ध्र प्रदेश एवं गुजरात
तिलहन	-गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, प० बंगाल, एवं उड़ीसा
जौ	-उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार एवं पंजाब
गन्ना	-उ० प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, हरियाणा एवं पंजाब
मूंगफली	-गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश
चाय	-असम, प० बंगाल, तमिलनाडु, केरल, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक

कहवा	-कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आन्ध्र प्रदेश एवं महाराष्ट्र
कपास	-महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु एवं आन्ध्र प्रदेश
पटसन	-प० बंगाल, बिहार, असम, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश
तम्बाकू	-आन्ध्र प्रदेश, गुजरात, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, प० बंगाल, तमिलनाडु।
रबड़	-केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम एवं अंडमान निकोबार द्वीप समूह ।
काली मिर्च	-केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु एवं पांडिचेरी
लाल मिर्च	-आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र एवं बिहार
छोटी इलायची	-केरल, कर्नाटक एवं तमिलनाडु ।
लॉग	-तमिलनाडु एवं केरल ।
हल्दी	-आन्ध्र प्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र ।
सुपारी	-कर्नाटक, केरल, असम एवं पश्चिम बंगाल ।
रेशम	-कर्नाटक , कश्मीर, असम एवं प० बंगाल ।
काजू	-केरल, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश ।

30. भारत में फलोत्पादक राज्य

आम	-उ० प्रदेश, पंजाब, प० बंगाल, बिहार, उड़ीसा, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश ।
अमरूद	-उत्तर प्रदेश, बिहार, आन्ध्र प्रदेश एवं गुजरात ।
लीची	-उत्तर प्रदेश, पंजाब, एवं बिहार ।
केला	-गुजरात, महाराष्ट्र, असम, बिहार, एवं प० बंगाल ।
अंगूर	-महाराष्ट्र, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, तमिलानाडु, एवं कर्नाटक ।
सेव	-हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी एवं असम ।
नासपाती	-हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली एवं कर्नाटक ।
सन्तरा	-हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कश्मीर, महाराष्ट्र, असम एवं मध्य प्रदेश ।
अनानास	-असम, प० बंगाल, गुजरात, तमिलनाडु एवं कर्नाटक ।
अंजीर	-राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब ।
अनार	-पंजाब, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु ।
नारियल	-केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं उड़ीसा ।

महत्वपूर्ण तथ्य

- हरित क्रान्ति का सर्वाधिक प्रभाव किस फसल के उत्पादन पर पड़ा है - **गेहूँ**
- बिहार में शीतकालीन चावल की खेती को क्या कहा जाता है- **अगहनी**
- चावल को उत्पादकता या प्रति हेक्टेयर उत्पादन किस राज्य में सर्वाधिक है- **पंजाब**
- चावल का कुल उत्पादन सर्वाधिक किस राज्य में होता है- **पश्चिम बंगाल**
- ग्रामीण जनसंख्या का सर्वाधिक महत्वपूर्ण खाद्यान किसे माना जाता है - **बाजरा**

☞ कौन दलहनी फसल है जो सबसे ज्यादा समय (लगभग 1 वर्ष) लेता है- **अरहर**

☞ बिहार के किस जिले में चाय की खेती की जाती है - **किशनगंज**

☞ रबर की खेती सर्वप्रथम किस राज्य में प्रारम्भ हुई - **केरल**

☞ 'अरेबिका' एवं ' रोबस्टा' किस फसल के प्रकार हैं- **कहवा**

☞ ज्वार फसल को सबसे ज्यादा उत्पादन कौन राज्य करता है- **महाराष्ट्र**

☞ भारत में वर्ष में तीन फसल पैदा की जाती है उसका नाम क्या है - **रबी, खरीफ, एवं जायद**

☞ पौधों के लिए तीन आवश्यक प्राथमिक पोषक तत्व कौन है - **नाइट्रोजन + फास्फोरस + पोटाशियम**

☞ क्लोरोकिल निर्माण में उत्प्रेरक की भूमिका कौन पोषक तत्व निभाता है- **जिंक**

☞ कौन सा पोषक तत्व पौधों को मजबूती प्रदान करता है एवं फसल गुण बढ़ता है - **फास्फोरस**

☞ चुकन्दर अपना जीवन चक्र कितने वर्षों में पूरा करता है - **दो वर्ष में**

☞ लाल विलगन या 'रेड डाँट रोग ' किस फसल में होती है - **गन्ना**

☞ जनक एवं सोनालिका प्रजाति किस फसल में होता है- **गेहूँ**

☞ 'नीली क्रांति ' किस पैदावार की बढ़ोत्तरी से जुड़ी है - **मत्स्य पालन**

☞ 'श्वेत क्रांति' किसके उत्पादन में बढ़ोत्तरी से जुड़ी है- **दुग्ध उत्पादन**

31. भारत के परिवहन

आज का समाज परिवहन के साधनों पर निर्भर करता है । परिवहन वह यांत्रिक साधनों एवं संगठनों का योग है, जो व्यक्ति और वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने में सहायक होते हैं । परिवहन किसी वस्तु के उत्पादन तथा उपभोग के बीच सम्बन्ध स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है । समय के साथ-साथ परिवहन के क्षेत्र में भारत ने काफी महत्त्वपूर्ण प्रगति की है । किसी देश की आर्थिक समृद्धि, सामाजिक एकता, सुरक्षा आदि में परिवहन का अमूल्य योगदान होता है । परिवहन के मुख्यतः तीन प्रकार हैं:-

1. **स्थल परिवहन** (**Land Transport**)
2. **जल परिवहन** (**Water Transport**)
3. **वायु परिवहन** (**Air Transport**)

1. स्थल परिवहन (**Land Transport**):- इसके अन्तर्गत सड़क और रेल परिवहन मुख्य रूप से आते हैं । इस परिवहन का कार्य मनुष्य, पशु, मोटर, ट्रक और रेल के द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं । दक्षिण भारत में सड़कों का अधिक विकास हुआ है क्योंकि अधिकांश क्षेत्र पठारी

और ऊँचा नीचा होने के कारण वहाँ रेल मार्गों का निर्माण आसानी से नहीं किया जा सकता है ।

(I) सड़कें या सड़क मार्ग – हमारे देश में तीन प्रकार की सड़कें हैं।(i) राष्ट्रीय महामार्ग (ii) राज मार्ग (iii) जिले तथा गाँव की सड़कें ।

राष्ट्रीय महामार्ग का निर्माण तथा मरम्मत का दायित्व केन्द्र सरकार का है। भारत में वर्तमान समय में राष्ट्रीय महामार्गों की लम्बाई लगभग 34000 किमी० है, जो देश की कुल सड़कों की लम्बाई का 2 ०/० मात्र होती है । 1991 के अनुसार देश मे 56 राष्ट्रीय महामार्ग हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों के बाद अब भारत सरकार सुपर राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थापना करने जा रही है। लगभग 14000 किमी० लम्बे इस सुपर राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से देश के बड़े बन्दरगाहों को प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग से जोड़ने की योजना है । जिसमें लगभग 1,50,000 करोड़ रूपये लागत आने का लक्ष्य रखा गया है। हमारे देश के पंजाब राज्य में पक्की सड़कों का घनत्व सर्वाधिक तथा अरूणाचल प्रदेश में न्यूनतम है। केन्द्रशासित प्रदेशों में सड़कों का सर्वाधिक घनत्व चंडीगढ़ का है।

(ii) रेल मार्ग – भारतीय रेल को देश का जीवन सूत्र कहा जा सकता है। यह एशिया की सबसे बड़ी तथा विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था है । भारत मे सर्वप्रथम रेल व्यवस्था की शुरूआत अप्रैल 1853 में मुम्बई से थाणे (34 किमी०) के बीच आरम्भ हुई थी। उस समय से भारतीय रेल निरन्तर अपने प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भारतीय रेल देश का सबसे बड़ा सरकारी प्रतिष्ठान है।

भारतीय रेल अलग-अलग चौड़ाई के रेल मार्गों पर चलती हैं । वर्तमान समय भारत में तीन प्रकार की रेल पटरियाँ हैं। (1) **बड़ी लाईन या ब्रॉड गेज**- दो पटरियों के बीच की दूरी 1.675 मीटर होती है। (2) **छोटी लाइन या मीटर गेज**- दो पटरियों के बीच दूरी 1.00 मीटर होती है । (3) **सकरी लाइन या नैरो गेज** – दो पटरियों की बीच की दूरी 0.610 मीटर होती है। भारत में भूमिगत मैट्रो रेल सुविधा कोलकाता और नई दिल्ली में है। देश के अन्य भागों में इस प्रकार की भूमिगत रेल सेवाओं के प्रस्ताव विचाराधीन हैं।

संसद में रेल से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर देने का दायित्व रेल मंत्री पर है जो रेल मंत्रालय का प्रमुख होता है इसकी सहायता के लिए रेल राज्य मंत्री होते हैं। रेल मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के चार उपक्रम होते हैं। भारतीय रेल प्रशासन तथा प्रबन्ध की जिम्मेदारी रेलवे बोर्ड पर है। रेलवे को 15 मंडलों में (जो पहले नौ थे) बांटा गया है। प्रत्येक मंडल का प्रधान महाप्रबंधक होता है। यह संचालन, रखरखाव और वित्तीय मामलों में रेलवे बोर्ड के प्रति उत्तरदायी होती है।

भारत के रेल मंडल एवं उनके मुख्यालय

रेल मंडल		मुख्यालय
1. उत्तर रेलवे	–	नई दिल्ली
2. पश्चिम रेलवे	–	मुम्बई (चर्च गेट)
3. दक्षिण रेलवे	–	चेन्नई
4. पूर्व रेलवे	–	कोलकाता

5. मध्य रेलवे - मुम्बई बी. टी.
6. दक्षिण मध्य रेलवे - सिकंदराबाद
7. दक्षिण पूर्व रेलवे - कोलकाता
8. पूर्वोत्तर रेलवे - गोरखपुर
9. उत्तर पूर्वी सीमान्त रेलवे - माली गाँव (गुवाहाटी)
10. पूर्व मध्य रेलवे - हाजीपुर
11. उत्तर मध्य रेलवे - इलाहाबाद
12. प० मध्य रेलवे - जबलपुर
13. दक्षिण पश्चिमी रेलवे - बंगलौर
14. उत्तर पश्चिमी रेलवे - जयपुर
15. पूर्वी तटवर्त्ती रेलवे - भुवनेश्वर
16. दक्षिण -पूर्व मध्य रेलवे - विलासपुर

2. **जल परिवहन (Water Transport):-** इसके अन्तर्गत नदियों, नहरों, झीलों, सागरों और महासागरों के आन्तरिक व अन्तर्राष्ट्रीय जलमार्ग आते हैं। अन्तर्देशीय जल परिवहन के विकास के लिए केन्द्रीय अन्तर्देशीय जल परिवहन बोर्ड की स्थापना नई दिल्ली में की गई है। अन्तर्देशीय जल परिवहन अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (I.W.A.T.) के अन्तगर्त राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास तथा रखरखाव का प्रबन्ध किया जा रहा है। इसकी स्थापना 1986 ई० में की गई थी। देश के जलमार्गों को दो भागों में बांटा जा सकता है-1. आन्तरिक जलमार्ग 2. सामुद्रिक जलमार्ग।

1. **आन्तरिक जलमार्ग** - आंतरिक जल मार्गों का देशीय परिवहन में बहुत महत्त्व है। यह परिवहन नदियों, नहरों और झीलों द्वारा होता है। इलाहाबाद से हल्दिया तक के जलमार्ग का राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है।

2. **सामुद्रिक जलमार्ग** - अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन एवं व्यापार में सामुद्रिक जलमार्ग का विशेष महत्त्व है। भारत का 95% अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार जहाजों द्वारा होता है । भारत के प्रमुख समुद्री मार्ग निम्नलिखित हैं -

(i) **स्वेज मार्ग** - भारत और यूरोप को जोड़ने वाला सबसे छोटा मार्ग ।
(ii) **उत्तमाशा अन्तर्राष्ट्रीय मार्ग** - भारत को द० अफ्रीका तथा द० अमरीका से जोड़ता है।
(iii) **सिंगापुर मार्ग** - भारत को द० पू० एशिया तथा अमरीका से जोड़ता है।
(iv) **आस्ट्रेलिया मार्ग** - भारत को आस्ट्रेलिया से जोड़ता है।

भारत के बन्दरगाह

	नाम	राज्य	नदी/खाड़ी एवं समुद्र
1.	कोलकाता	प० बंगाल	हुगली
2.	मुम्बई	महाराष्ट्र	अरब सागर
3.	चेन्नई	तमिलनाडु	बंगाल की खाड़ी
4.	कोचीन	केरल	अरब सागर

5.	विशाखापट्टनम	आन्ध्र प्रदेश	बंगाल की खाड़ी
6.	मारमोगोवा	गोवा	अरब सागर
7.	परादीप	उड़ीसा	बंगाल की खाड़ी
8.	कांडला	गुजरात	कच्छ की खाड़ी
9.	न्यू मंगलौर	कर्नाटक	अरब सागर
10.	न्यू तूतीकोरन	तमिलनाडु	बंगाल की खाड़ी
11.	न्हावा शेवा	महाराष्ट्र	अरब सागर
12.	हल्दिया	प० बंगाल	हुगली

नोट:- देश में 12 बड़े और 139 छोटे बंदरगाह हैं।

3. वायु परिवहन (Air Transport) :- यात्रा करने के सर्वाधिक तीव्र, सुरक्षित एवं आरामदायक साधनों में वायु परिवहन का विशेष महत्त्व है। भारत में सर्वप्रथम वायुयान की पहली उड़ान फरवरी 1911 में एक फ्रांसीसी पायलट द्वारा इलाहाबाद से नैनी तक की गई थी। आज भारत वायु परिवहन में प्रमुख स्थान रखता है। भारत के दो स्वतंत्र वायुमार्ग संगठन हैं- एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स ।

एयर इण्डिया विदेशी वायुमार्ग की सेवाएँ उपलब्ध कराता है। इण्डियन एयरलाइन्स भारत के अन्दर तथा आठ पड़ोसी देशों में विमान सेवाएँ उपलब्ध कराता है। इसके अलावा वायुदूत (स्था० 20 जनवरी 1981), पवन हंस (स्था० 13 अक्टूबर 1985), घरेलू विमान सेवाओं के अंग हैं। वर्तमान समय देशों में निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा हवाई सेवाएं चलाई जा रही हैं। एयर इण्डिया का मुख्यालय मुम्बई में है। यह भारत को अमरीका, यूरोप, सोवियत संघ, अफ्रीका, पश्चिम एशिया, पूर्व एशिया और आस्ट्रेलिया से जोड़ती है।

भारत का अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

1. **जवाहर लाल नेहरू अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** - शान्ताक्रुज, मुम्बई
2. **सुभाष चन्द्र बोस अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** - दमदम, कोलकाता
3. **इंदिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** - पालम, दिल्ली
4. **मीनाम्बकम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** - चेन्नई
5. **तिरूवनन्तपुरम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** - तिरूवनन्तपुरम

महत्वपूर्ण तथ्य

1. **भारत में कितने रेलवे जोन है ?**

   उत्तर - 16

2. **भारत में सबसे बड़ा रेलवे जोन कौन है?**

   उत्तर - उत्तरी रेलवे (नयी दिल्ली)

3. **रेलमार्ग एवं रेलप्रणाली के दृष्टिकोण से भारत का विश्व में कौन-सा स्थान है ?**

   उत्तर - दूसरा

4. **कौन-कौन से नगर हैं जहां दो-दो रेलवे जोन के मुख्यालय हैं?**

उत्तर - कोलकाता और मुम्बई

5. किस वर्ष सर्वप्रथम भारत में विद्युत शक्ति से रेलगाड़ी का परिचालन हुआ?

उत्तर - 3 फरवरी, 1925

6. कुल रेलामार्ग के कितना प्रतिशत भाग का विद्युतीकरण हो चुका है?

उत्तर - 25.98 प्रशित

7. कोंकण रेलवे परियोजना किन-किन राज्यों को जोड़ती है ?

उत्तर - महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक

8. विश्व में सबसे लंबी रेल सुरंग कौन हैं ?

उत्तर - कारबुडे (रत्नागिरी, 6.5 किमी0)

9. हाजीपुर किस रेलवे जोने का मुख्यालय है?

उत्तर - पूर्व मध्य रेलवे

10. भारत के किन राज्यों में रेलमार्ग नहीं है?

उत्तर - सिक्किम और मेघालय

11. ब्रांड गेज में दो पटरियों के मध्य कितनी दूरी है ?

उत्तर - 1.676 मीटर

12. पूर्वोत्तर रेलवे में असम के बाद किस राज्य में सर्वाधिक रेलवे का विस्तार है ?

उत्तर - त्रिपुरा (45 किलोमीटर)

13. छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में बदलने की योजना का नाम क्या है?

उत्तर - यूनीगेज परियोजना (1992)

14. सबसे लंबी दूरी (3726 किमी0) तय करने वाले रेलगाड़ी का नाम है?

उत्तर - हिमसागर एक्सप्रेस (जम्मूतवी से कन्याकुमारी)

15. भारत में प्रथम रेलगाड़ी कब चलायी गयी थी ?

उत्तर - 16 अप्रैल, 1853 ई0

16. बुलेट ट्रेन किन दो शहरों के मध्य चलायी जा रही हैं?

उत्तर - अहमदाबाद से मुम्बई

17. सड़क प्रणाली की दृष्टि से भारत का विश्व में क्या स्थान है ?

उत्तर - तीसरा

18. वर्त्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई कितनी है ?

उत्तर - 58,112 किमी0

19. राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्वाधिक लंबाई किस राज्य में है?

उत्तर - आंध्रप्रदेश

20. ग्रैण्ड टैंक रोड को किन दो राजमार्गों में बांटा गया है?

R.P.S. SCHOOL Kachhauni Road, Bihat Sonari (Nawada)

उत्तर - एनएच 1,एनएच 2

21. भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग कौन है ?

उत्तर - एनएच 7 (वाराणसी -कन्याकुमारी)

22. दिल्ली को मुबंई कौन सा राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़ता है ?

उत्तर - एनएच- 8

23. देश में कुल सड़कों की सर्वाधिक लंबाई किस राज्य में है ?

उत्तर - महाराष्ट्र

24. देश में पक्की सड़कों की सर्वाधिक लंबाई किस राज्य में है ?

उत्तर - महाराष्ट्र

25. सड़को का घनत्व सर्वाधिक किस राज्य में है ?

उत्तर - केरल

26. उत्तर दक्षिण गलियारा एवं पूर्व-पश्चिम गलियारा का मिलन कहां होगा?

उत्तर - झांसी

27. किस राज्य में पक्की सड़कों का घनत्व / प्रतिशत सर्वाधिक है ?

उत्तर - हरियाणा (90.68 प्रतिशत)

28. राष्ट्रीय राजमार्ग कुल सड़क प्रणाली का कितना प्रतिशत यातायात संपन्न करता है?

उत्तर - 40 प्रतिशत

29. राष्ट्रीय राजमार्ग- 1 (एनएच-1) का सर्वाधिक विस्तार किस राज्य में हैं?

उत्तर - पंजाब (254 किलोमीटर)

30. राष्ट्रीय राजमार्गों में सबसे छोटा कौन सा है ?

उत्तर - एनएच-152 (40 किलामीटर)

31. व्यापारिक जहाजरानी बेड़े की दृष्टि से भारत का स्थान विश्व में कौन-सा है?

उत्तर - 17 वां

32. भारत में अभी बड़े बंदरगाहों की संख्या कितनी है ?

उत्तर - 12

33. भारत में राष्ट्रीय जलमार्ग- 1 (NW-1) कहाँ से कहां तक है?

उत्तर - इलाहाबाद से हल्दिया

34. भारत में राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (NW-2) कहाँ से कहां तक है?

उत्तर - सदिया से धुबरी तक

35. भारत में राष्ट्रीय जलमार्ग-3 (NW-3) कहाँ से कहां तक है?

उत्तर - कोल्लम से कोट्टापुरम तक

36. भारत में राष्ट्रीय जलमार्ग- 4 (NW-4) कहाँ से कहां तक है?

उत्तर - काकीनाडा से मरक्कानम तक

37. भारत में कुल 14,500 किमी0 लंबा जलमार्गों में सबसे लंबा जल मार्ग किस राज्य में हैं ?

उत्तर - उत्तरप्रदेश (2441 किमी0)

38. बिहार में कितनी लंबी जलमार्ग (नदियां + नहरें) उपलब्ध हैं ?

उत्तर - 1310 किमी0

39. भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह कौन है ?

उत्तर- मुंबई (महाराष्ट्र)

40. भारत का सबसे गहरा बंदरगाह कौन है?

उत्तर- विशाखापट्नम (आंध्रप्रदेश)

41. ज्वारीय बंदरगाह एवं मुक्त बंदरगाह के रूप में कौन प्रसिद्ध है ?

उत्तर - कांडला (गुजरात)

42. सबसे बड़ा कृत्रिम बंदरगाह कौन है?

उत्तर - मद्रास (तमिलनाडु)

43. 'डॉल्फिन नोज' पहाड़ी किस बंदरगाह की विशेषता है ?

उत्तर - विशाखापट्नम

44. 'डायमंड हार्बर' किस नगर के निकट है ?

उत्तर - कोलकाता

45. कर्नाटक का प्रवेश द्वार के रूप में कौन बंदरगाह प्रसिद्ध है ?

उत्तर - न्यू मंगलौर

46. भारत में नौ शिपयॉर्ड सार्वजनिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं इनमें से सबसे अधिक क्षमता किसकी है ?

उत्तर - कोचीन शिपयार्ड

47. भारत में सर्वप्रथम वायु परिवहन किस वर्ष शुरू हुआ था?

उत्तर - 1911 ई0 (इलाहाबाद से नैनी के मध्य)

48. भारत की पहली अंतर्राष्ट्रीय वायुसेवा कब शुरू की गयी?

उत्तर - 1922 ई0

49. वायु परिवहन हेतु वर्त्तमान में कितनी कंपनियां उपलब्ध है?

उत्तर - 3 (सार्वजननिक क्षेत्र)

50. इंडियन एयरलाइन्स कितने राष्ट्रों को उड़ान भरती है?

उत्तर - 14 राष्ट्र

51. भारत में वर्तमान में कितने अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं?

उत्तर - 5

52. इसके अतिरिक्त 2000 में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने कितने घरेलू हवाई अड्डो को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डो का दर्जा प्रदान किया गया है ?

उत्तर - 6 (छह)

53. कौन सी वायु कंपनी हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध करा रही है?

उत्तर - पवन हंस लिमिटेड

54. भारत में वायु परिवहन के लिए निजी कंपनियों को कब मौका मिला?

उत्तर - 1992 से

55. इन्दिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहां है?

उत्तर - नई दिल्ली

56. बिहार के किस हवाई अड्डा में चुनिंदा राष्ट्रों का विमान उतर सकता है?

उत्तर - बोधगया (गया)

32. भारत के संचार के साधन

भारत गांवों का देश है। भारत में लगभग 3,696 नगर एंव साढ़े पांच लाख गांव हैं। इतने गांवों और नगरों को संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना एक दुष्कर कार्य है। भारत में संचार के प्रमुख साधन - डाक प्रणाली, टेलीफोन, समाचार पत्र, सिनेमा, रेडियो, टेलीविजन, वायरलेस, तार और पत्र एवं पत्रिकाएं हैं।

भारत विश्व का सर्वाधिक डाकघर वाला देश है। डाकघर की प्रमुख सेवाएं एवं उनके स्थापना वर्ष-

1.	मनीआर्डर प्रणाली	-1880 ई॰
2.	डाकघर बचत बैंक	-1882 ई॰
3.	रेलवे डाक सेवा	-1907 ई॰
4.	हवाई डाक सेवा	-1911 ई॰
5.	पिन कोड व्यवस्था	-15 अगस्त 1972 ई॰
6.	द्रुत डाक सेवा	-1975 ई॰

☞ **तारघर** - त्वरित संदेश भेजने के लिए तार प्रणाली की स्थापना 1851 ई॰ में कोलकाता एवं डायमंड हार्बर के बीच शुरू की गई थी ।

☞ **टेलीफोन** - भारत की अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार सेवा 1870 ई॰ में मुम्बई से लंदन तक एक निजी कम्पनी द्वारा केबुल बिछा कर शुरू की गई थी । देश के लिए प्रथम टेलीफोन सेवा 1881 -82 ई॰ में कोलकाता में शुरू की गई । 1960 ई॰ को देश में S.T.D. प्रणाली लागू की गई।

☞ **रेडियो** - भारत में प्रथम रेडियो प्रसारण मुम्बई और कोलकाता से निजी प्रसारण